जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 82 प्रभात चूरू, शुक्रवार 19 जुलाई, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

हरियाणा में दोनों पार्टियों, कांग्रेस व भाजपा में विध्वंसक खेमेबाज़ी ''पीक'' पर!

- रेणु मित्तल -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरियाणा में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा दिया है।

उन्होंने हरियाणा के एक कांग्रेस विधायक राव धनसिंह, जो भूपिन्दर सिंह हूड्डा के काफी नज़दीक माने जाते हैं, के पीछे ई.डी. लगा दी है। राव धनसिंह बहुत धनवान व्यक्ति हैं तथा महेन्द्रगढ़ से विधायक हैं।

राव ऐसे अकेले विधायक नहीं हैं। कांग्रेस के ही एक और बहुत धनवान विधायक, जो सीनियर हूड्डा के करीबी माने जाते हैं, भी संकट में आ चुके हैं। उनके बड़े पुत्र जेल में हैं तथा पिता और छोटे पुत्र भी भागे-भागे फिर रहे हैं क्योंकि उनके पीछे भी ई.डी. लगी हुई है।

- कांग्रेस में हुड्डा खेमा व हुड्डा विरोधी खेमा, एक-दूसरे के कामों में शरीक ही नहीं हो रहे, बल्कि ए.आई.सी.सी. के महासचिव बाबरिया, जो प्रभारी भी हैं, पर खुलकर आरोप लगा रहे हैं पक्षपात का।
- भाजपा में भी मु.मंत्री के खिलाफ एक बगावत सी स्थिति है तथा एक दूसरे के प्रति इतना अविश्वास व द्वेष है कि आशंका जताई जा रही है कि चुनाव के पहले ही भाजपा सरकार गिर ना जाये।
- साथ ही, कांग्रेस विधायकों, विशेषकर हुड्डा खेमे के विधायकों को ई.डी. के नोटिस आने शुरु हो गये हैं और घटनाक्रम को भी चुनाव सिर पर होने का लक्षण माना जा रहा है, कांग्रेस द्वारा।

हरियाणा में जबरदस्त गुटबाजी है तथा पार्टी में हूड्डा गुट का बोलबाला है तथा दूसरा गुट हूड्डा गुट का सहयोग करने के लिये तैयार नहीं है।

ए.आई.सी.सी. महासचिव इस खींचतान के एक असहाय दर्शक बन कर रह गये हैं। एक गुट पार्टी-प्रभारी बाबरिया पर आरोप लगा रहा है कि वे केवल एक ही गुट की तरफदारी एवं सहायता कर रहे हैं। भाजपा की अन्दरुनी स्थिति भी इतनी ही खराब है क्योंकि यह पार्टी कई गुटों में बँटी हुई है।

रिपोर्टों के अनुसार, मुख्यमंत्री के खिलाफ बगावत होने वाली है। कुछ रिपोर्ट तो यहाँ तक कह रही हैं कि हरियाणा सरकार चुनावों से काफी पहले ही गिर सकती है।

नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

जयपुर, 18 जुलाई (का.सं.)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 16 वर्षीय नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त युवक को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने 25 वर्षीय इस अभियुक्त पर 1.75 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है, जबकि प्रकरण को लेकर एक किशोर का मामला किशोर न्याय बोर्ड में चल रहा है। अभियुक्त युवक पीड़िता के पड़ोस में रहने वाली महिला का भाई है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि 16 जुलाई, 2020 को पीड़िता के चाचा ने नरेना थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि एक दिन पूर्व रात को करीब डेढ़ बजे उसकी भतीजी बिना बताए कहीं चली गई है। उसे गांव और रिश्तेदारी में काफी तलाश किया, लेकिन उसका पता नहीं चला। पीड़िता अपने साथ गहने, कपड़े और पहचान पत्र भी ले गई है। रिपोर्ट में आशंका जताई गई कि वह किसी लड़के के साथ जा सकती है।

- पॉक्सो मामलों की अदालत ने आरोपी पर 1.75 लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कांवड़ियों के परम्परागत मार्ग पर सभी दुकानों, ढाबों व थड़ियों को मालिक का नाम लिखना अनिवार्य होगा'

मुज़फ्फर नगर के इस नये आदेश से उथल-पुथल मची है, मार्ग पर स्थित दुकानों व ढाबों में

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जुलाई। इस वर्ष 22 जुलाई को शुरु होने वाली कांवड़िया यात्रा से कुछ दिन पूर्व ही उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर जिला प्रशासन ने दुकानदारों, ढाबों एवं ठेला गाड़ी वालों को एक आदेश दिया है कि वे कांवड़ यात्रा के मार्ग में आने वाली दुकानों के मालिकों तथा वहां काम करने वालों के नाम दुकान के बाहर प्रदर्शित करें।

इस आदेश को मुस्लिम दुकानदारों के खिलाफ कदम के रुप में देखा जा रहा है और इस आदेश को समुदाय विशेष का ''आर्थिक रुप से बहिष्कार'' करने के रुप में देखा जा रहा है।

कुछ समय पूर्व सम्पन्न लोकसभा चुनावों में भाजपा का असंतोषजनक प्रदर्शन होने के बाद योगी आदित्यनाथ की सरकार पर सियासी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। कांवड़ यात्रा पर जारी निर्देशों के कारण एक बड़ा राजनीतिक घमासान छिड़ गया है और कांग्रेस, ए.आई.एम.आई.एम. तथा समाजवादी पार्टी ने प्रदेश सरकार पर प्रदेश की सामाजिक व सांस्कृतिक परम्पराओं को ध्वस्त करने का आरोप लगाया है।

- कांग्रेस, सपा व ओवैसी की पार्टी ने इस आदेश को मुसलमानों का व्यापारिक दृष्टि से बायकॉट करने का प्रयास बताया।
- ओवैसी ने तो इस आदेश की तुलना दक्षिण अफ्रीका की रंगभेद नीति व नाज़ी जर्मनी में यहूदियों के सामान का बायकॉट करने की प्रक्रिया को दोहराना बताया।
- दारूल उलूम के प्रवक्ता ने इस बारे में कहा कि ''कांवड़ियों की पद यात्रा में मुसलमान व्यापारी सदा से उनकी सुविधा के लिये पानी व नाश्ते की व्यवस्था करते आए हैं और ऐसे ही हिन्दू समाज ताज़िये के जुलुस के दौरान सहयोग देता है। इस भाई-चारे को ''डिस्टर्ब'' नहीं करना चाहिये।''

इस तीखी प्रतिक्रिया के बाद जिला प्रशासन ने यह कहते हुए बचाव किया कि ये दिशानिर्देश दुकानदारों व ठेला गाड़ी मालिकों के लिए ''स्वैच्छिक प्रकृति'' के हैं। हालांकि, दुकानदारों के साथ ही मुजफ्फरनगर की 240 कि.मी. कांवड़ यात्रा के मार्ग पर सभी विक्रेता बगैर कोई हुज्जत के सरकारी सूचना का पालन करते हुए नजर आ रहे हैं, जैसे फलों का ठेला लगाने वाले व दुकानदारों ने दुकान के बाहर बोर्ड पर ''आरिफ आमवाला'' व ''निसार फल विक्रेता'' लिखा हुआ था।

एक माह तक चलने वाले कांवड़ मेले के दौरान भगवान शिव के भक्तगण हरिद्वार की हर की पौड़ी से पवित्र जल कांवड़ में लेकर आते है तथा पैदल चलकर मध्य मार्ग में मुजफ्फरनगर से गुजरते हुए, आगे हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश में जाते है। पिछले कुछ वर्षों में कांवड़ यात्रा के मार्ग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

द्रमुक ने वंशवाद के नारे को धता बताया

मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाने की पूरी तैयारी

- लक्ष्मण वैंकट कुची -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जुलाई। तमिलनाडु के सत्तारूढ़ दल, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डी.एम.के.) ने हमेशा अपने नेतृत्व के उत्तराधिकारी की योजना तैयार रखी है। द्रमुक के पितृपुरूष ने बड़े युक्तिसंगत तरीके से पार्टी नेतृत्व अपने छोटे पुत्र एम.के. स्टालिन को सौंप दिया था। उन्होंने अपने बड़े पुत्र एम.के. अलागिरी के बजाय अपने छोटे पुत्र का चयन एक ऐसे समय पर किया था, जब दोनों भाइयों के बीच की प्रतिद्वंदिता पार्टी को क्षति पहुँचाती दिखाई दे रही थी।

इसके विपरीत, इसके मुख्य प्रतिद्वन्दी दल अन्नाद्रमुक के पास उत्तराधिकारी की कोई योजना कभी नहीं रही तथा इसीलिये, पार्टी की ताकतवर एवं एकछत्र नेता जे जयललिता के निधन के बाद, पार्टी में बिखराव की स्थिति आ गई और आखिरकार उसे सत्ता से बाहर होना पड़ा।

अन्नाद्रमुक आज भी अन्दरूनी फूट एवं संघर्ष से जूझ रही है तथा उसके टूटे हुये घटक उसे और भी कमजोर कर रहे हैं, जबकि द्रमुक को विभाजित हुये विपक्ष का लाभ मिल रहा है। इससे द्रमुक को अपनी ताजातरीन उत्तराधिकार-योजना को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है। पार्टी के प्रथम परिवार ने दृढ़तापूर्वक पार्टी का भविष्य का नेता सुनिश्चित कर दिया। पार्टी ने सुस्पष्ट तौर पर मुख्यमंत्री तथा द्रमुक प्रमुख एम.के. स्टालिन के पुत्र उदयनिधि स्टालिन को उत्तराधिकारी मान लिया है।

इस योजना के क्रियान्वयन के संकेतों की विधिवत घोषणा उस समय होगी, जब, जैसी सम्भावना है, उदयनिधि स्टालिन को पदोन्नत कर उपमुख्यमंत्री बना दिया जायेगा तथा उन्हें योजना-क्रियान्वयन का प्रमुख मन्त्रालय सौंप दिया जायेगा। ज्ञातव्य है कि यह मन्त्रालय प्रमुख सरकारी योजनाओं, जिनमें अतिमहत्वपूर्ण जन-कल्याण योजनाएं भी शामिल हैं, का क्रियान्वयन करता है तथा उसकी देख-रेख करता है। उदयनिधि स्टालिन पहले ही, इस वर्ष जनवरी में ही, उपमुख्यमंत्री बनाये जाने वाले थे, लेकिन उस समय इस निर्णय को कुछ समय के लिए टाल दिया गया था क्योंकि वे सनातन धर्म विवाद में उलझ गये थे। उस समय ऐसा सोचा गया था कि इस मुद्दे का पूरे भारत में इंडिया गठबन्धन की सम्भावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, भले ही तमिलनाडु में द्रमुक को इससे मदद मिल जाती।

द्रमुक सूत्रों के अनुसार, करुणानिधि परिवार के वंशज अगले माह उपमुख्यमंत्री बना दिये जायेंगे। व्यावहारिक दृष्टि से देखा जाये तो उदयनिधि स्टालिन इस समय भी गैर-सरकारी तौर पर नम्बर दो ही हैं, लेकिन उपमुख्यमंत्री के रूप में पदोन्नत हो जाने के बाद, उनका पार्टी का सम्भावित नेता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सूत्रों के अनुसार, उदयनिधि को इस वर्ष के आरम्भ में जनवरी में ही उपमुख्यमंत्री बनाया जाना था। पर, सनातन धर्म संबंधी उनके बयान और उस पर उभरे विवाद के कारण निर्णय रोक दिया गया, क्योंकि यह माना गया कि इससे लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की संभावनाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ता, हालांकि द्रमुक को यह विवाद अवश्य ही तमिलनाडू में भारी फायदा देता।
- द्रमुक की मुख्य प्रतिद्वंदी, अन्नाद्रमुक में कभी भी उत्तराधिकारी की घोषणा की योजना नहीं बनाई गई, यही वजह है कि जयललिता की मृत्यु के बाद से पार्टी में नेतृत्व विवाद चल रहा है और अन्नाद्रमुक को विभाजन तक झेलना पड़ा।
- अन्नाद्रमुक की कमजोरी और विभाजित विपक्ष का लाभ उठाते हुए द्रमुक ने उदयनिधि को उत्तराधिकारी बनाने की योजना पर काम शुरु कर दिया है।

आर.ए.एस. मेन्स में शामिल नहीं होंगे 569 अभ्यर्थी

जयपुर, 18 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरएएस भर्ती-2023 की मुख्य परीक्षा में शामिल करने की मांग को लेकर 569 अपीलार्थियों की ओर से पेश प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। हालांकि अदालत ने अपीलों पर सुनवाई चार सप्ताह बाद रखी है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने ये आदेश मुस्कान अग्रवाल व 38 अन्य याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि उत्तर कुंजी को तब तक सही माना जाना चाहिए, जब तक कि वह गलत साबित नहीं हो जाए। इसके अलावा कोर्ट विशेषज्ञ की रिपोर्ट पर चुपचाप नहीं बैठ सकता है। अदालत में आने वाले 569 याचिकाकर्ताओं में से 476 ने निर्धारित अवधि के भीतर उत्तर कुंजी पर कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई। ऐसे में यदि अपीलार्थियों को मुख्य परीक्षा में बैठने की अनुमति दी गई तो पूरी प्रक्रिया बाधित हो जाएगी।

अपील में कहा गया कि आर.ए.एस. भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा में पूछे गए कुछ सवालों को गलत तरीके से जांचा गया था। एकलपीठ ने भी इन त्रुटियों की तरफ ध्यान नहीं दिया। वहीं मुख्य परीक्षा 20 जुलाई को होने वाली है। ऐसे में यदि अपीलार्थियों को मुख्य परीक्षा में शामिल नहीं किया गया तो वे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाई कोर्ट ने इन अभ्यर्थियों की अपील ठुकरा दी, हालांकि 4 सप्ताह बाद इन अपीलों पर सुनवाई का आदेश दिया है।

'सौ विधायक साथ में लाओ और नई सरकार बनाओ'

अखिलेश यादव ने भाजपा के असंतुष्ट विधायकों को अपना मानसून ऑफर दिया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जुलाई। उत्तर प्रदेश भाजपा में जारी हलचल व अशांति की खबरों के बीच समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज इस घटनाक्रम का लाभ उठाने का प्रयास करते हुए सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों से कहा कि राज्य में नई सरकार गठित करने के लिए वो पाला बदल लें।

एक्स पर एक रहस्यमय पोस्ट में उन्होंने लिखा, ''मानसून ऑफर: सौ लाओ सरकार बनाओ''.....

यादव ने हालांकि अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया, तथापि, एक वरिष्ठ नेता ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा कि यह भाजपा के उन लोगों के लिए संदेश है जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से असंतुष्ट व नाराज़ हैं तथा पाला बदलना चाहते हैं।

सपा नेता ने समझाया, ''सपा ने 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में एक सौ ग्यारह सीटें जीती थीं और यदि हमें भाजपा के सौ असंतुष्ट विधायकों का समर्थन मिल जाता है तो हम आसानी से सरकार बना सकते हैं।''

भाजपा की राज्य इकाई में फूट की अफवाहों में, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा बुधवार को एक्स पर डाली गई पोस्ट ने आग में घी का काम किया, जिसमें कहा था कि पार्टी सरकार से बड़ी है।

मौर्य ने सभी मंत्रियों, विधायकों और जनप्रतिनिधियों से कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं का सम्मान करें।

मौर्य मंगलवार को दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से मिले थे, लेकिन ना तो भाजपा और ना ही उप मुख्यमंत्री ने मीटिंग के बारे में कुछ कहा।

काफी समय से चर्चा है कि, मौर्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मु.मंत्री योगी आदित्यनाथ व उप मु.मंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बीच ज्यादा मधुर संबंध नहीं हैं, यह आम चर्चा है यू.पी. में।
- बुधवार को मौर्य ने ट्वीट करके कहा था कि पार्टी सरकार से बड़ी है। इस ट्वीट से उनका इशारा स्पष्ट रूप से मु.मंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर है।
- अखिलेश यादव इस मतभेद का लाभ उठाते हुए तर्क दे रहे हैं कि वर्तमान विधानसभा में सपा के 111 विधायक हैं तथा अगर भाजपा के असंतुष्ट 100 विधायक साथ आ जायें तो नई सरकार बनायी जा सकती है यू.पी. में।

सुप्रीम कोर्ट को मिले दो नए न्यायाधीश

नयी दिल्ली, 18 जुलाई। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने गुरुवार को न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह और न्यायमूर्ति आर. महादेवन को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने शीर्ष अदालत परिसर में आयोजित एक समारोह में दोनों न्यायाधीशों को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों, अनेक वरिष्ठ अधिवक्ताओं सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

शीर्ष अदालत में न्यायाधीश बनने से पहले न्यायमूर्ति कोटिश्वर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति महादेवन मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सी.जे.आई. डी.वाई. चंद्रचूड़ ने जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह और जस्टिस आर. महादेवन को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई।

यू.पी. भाजपा ने प्रदेश में पार्टी की शर्मनाक हार के 6 कारण बताए

रिपोर्ट में आंतरिक मतभेद को सबसे बड़ा कारण बताया गया है

- डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट में आन्तरिक मतभेद को देश के सबसे बड़े राज्य में पार्टी की अपमानजनक हार का मुख्य कारण बताया है।

हालांकि पार्टी ने रिपोर्ट में पेपर लीक, सरकारी नौकरियों पर संविदा पर नियुक्ति देना और राज्य प्रशासन की दमन नीति को भी प्रमुख कारण बताया है, जिसकी वजह से पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी असंतोष फैला और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्थक और विरोधी गुट में स्पष्ट विभाजन देखा गया।

सपा-कांग्रेस गठबंधन, जिसने राज्य से लोकसभा की 80 सीटों में से 43 सीटे जीतीं और एन.डी.ए. की सीटों की संख्या 2019 की 64 से गिरकर 36 रह गई, की जीत के बाद राज्य भाजपा ने केन्द्रीय नेतृत्व को 15 पेज की विश्लेषण रिपोर्ट सौंपी है। सूत्रों ने संकेत दिया कि राज्य कि यह रिपोर्ट 40,000 लोगों से पार्टी प्रदर्शन के बारे में की गई वार्ता पर आधारित है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि केन्द्रीय नेतृत्व को निर्णायक कदम उठाने होंगे ताकि भावी चुनावों में अगड़े और पिछड़े वर्ग के बीच का संघर्ष बढ़ने से रोका जा सके।

हाल ही में यू.पी. भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य वरिष्ठ नेताओं से मिले। उत्तरप्रदेश के अन्य बड़े नेताओं के साथ चर्चा की योजना भी है ताकि महत्वपूर्ण राज्य में पार्टी की हार की समीक्षा से वृहद रणनीति बनाई जाए।

उल्लेखनीय है कि योगी आदित्यनाथ द्वारा हार का कारण अति आत्मविश्वास को बताए जाने के बाद, पार्टी में अर्न्तकलह बढ़ गई है। मुख्यमंत्री के इस बयान का केशव प्रसाद मौर्य ने खण्डन किया और कहा कि पार्टी और संगठन व्यक्ति से बड़े होते हैं।

प्रदेश इकाई की रिपोर्ट में प्रशासन की दमनकारी नीति, पार्टी कार्यकर्ताओं में असंतोष, पेपर लीक, संविदा भर्ती सहित 6 कारण बताए गए हैं। संविदा भर्ती को आरक्षण पर भाजपा के खिलाफ भी प्रमुख कारण बताया है, विपक्ष की बातों की पुष्टि होती है।

एक वरिष्ठ पार्टी नेता ने कहा कि विधायकों के पास कोई अधिकार नहीं हैं। डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट और अधिकारी ही सब कुछ हैं। इससे हमारे कार्यकर्ता अपमानित महसूस कर रहे हैं। वर्षों से भाजपा व आर.एस.एस. ने साथ मिलकर काम किया व समाज से सम्बन्ध जोड़ा है। सरकारी अधिकारी कार्यकर्ता की जगह नहीं ले सकते हैं।

एक अन्य पार्टी नेता ने कहा कि गत तीन साल में 15 पेपर लीक हुए हैं और नौकरियों को संविदा से भरा जा हरा है, इससे विपक्ष के इन आरोपों की पुष्टि होती हैं कि भाजपा आरक्षण खत्म करने जा रही है।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने लखनऊ में मीटिंग के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भूपेन्द्र चौधरी व कई प्रमुख नेताओं से बातचीत की। भाजपा के एक पदाधिकारी ने कहा कि वार्ता के लिए प्रदेश नेताओं को अलग-अलग चरणों में बैठक के लिए बुलाया जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार पार्टी का जनाधार घटा है। कुर्मी व मौर्य वोट बैंक व दलितों का समर्थन खिसक गया है। रिपोर्ट ने माना है कि मायावती का जनाधार घटना और कांग्रेस प्रदर्शन में सुधार को भी हार का प्रमुख कारण बताया गया है।

सूत्रों ने कहा कि रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रदेश इकाई के मतभेदों को सुलझाना चाहिए तथा अगड़ा बनाम पिछड़ा मतभेद को उभरने से रोका जाना चाहिए।

जब यू.पी. में कल्याण सिंह का प्रभुत्व था, तब पार्टी को लोध समुदाय का समर्थन प्राप्त था लेकिन भाजपा का ओ.बी.सी. जनाधार वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के आने के बाद बढ़ा।

प्रदेश इकाई ने माना कि टिकट वितरण जल्दी होने से पार्टी का चुनाव प्रचार शुरू में चरम पर था पर छठे व सातवें दौर के आने तक पार्टी कार्यकर्ता थक गए एवं पार्टी नेताओं द्वारा आरक्षण के खिलाफ बयानबाजी करने से भी प्रदर्शन पर असर पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार ओल्ड पेंशन स्कीम, अग्निवीर व पेपर लीक जैसे मुद्दे भी जनता के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- रिपोर्ट कहती है कि यू.पी. में पार्टी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्थक और विरोधी खेमे में बंटी हुई है।
- रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में भाजपा का वोट शेयर 8 प्रतिशत तक घट गया है। रिपोर्ट में केन्द्रीय नेतृत्व से जल्द से जल्द निर्णायक कदम उठाने की अपील की गई है।
- पार्टी में अन्तर्कलह की पुष्टि इस बात से भी होती है कि जब योगी आदित्यनाथ ने हार का कारण अति आत्मविश्वास को बताया तो उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तुरंत इसका खंडन किया।
- रिपोर्ट में प्रशासन की दमनकारी नीति को भी प्रमुख कारण बताया गया है और कहा है कि प्रदेश में अफसर राज है, विधायकों के पास कोई अधिकार नहीं है। पार्टी कार्यकर्ता अपमानित महसूस कर रहे हैं।
- इसके अलावा पेपर लीक, संविदा पर कर्मचारियों की भर्ती, मायावती की पार्टी का जनाधार खिसकने को भी भाजपा की हार का कारण बताया गया है।

घुसपैठ करते दो आतंकी मारे गए

श्रीनगर, 18 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने चार दिन में घुसपैठ की दूसरी कोशिश को नाकाम करते हुए गुरुवार को दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया।

सेना ने यह जानकारी दी और उसने बताया कि घुसपैठ की सूचना के बाद केरन सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास अभियान शुरू किया गया था।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इलाके में घुसपैठ की खुफिया सूचना के आधार पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। तलाशी अभियान के दौरान वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गयी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिलों में सुरक्षा बलों ने चार दिनों में घुसपैठ की दूसरी कोशिश ना-काम की है।

विचार बिन्दु

मनुष्य अपना स्वामी नहीं, परिस्थितियों का दास है। –भगवतीचरण वर्मा

क्या आरक्षण 50 प्रतिशत की सीमा को लाँघ सकता है? क्या संविधान पीठ का एक निर्णय विषय को अन्तिम मानने के लिये पर्याप्त नहीं है?

आरक्षण की समस्या का लम्बा इतिहास है। आरक्षण का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि समाज में सबसे पिछडे वर्ग के लोगों को भी विकास का लाभ मिल सके। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में जावें तो पायेंगे कि विलियम हन्टर व ज्योतिराव फूले ने 1883 में मूल रूप से जाति आधारित आरक्षण की प्रणाली 142 वर्ष पूर्व प्रारम्भ की थी। सन् 1978 में कर्पूरी ठाकुर ने बिहार में आर्थिक पिछडेपन के आधार पर आरक्षण की घोषणा कर राजनीति में एक बवंडर ला दिया। इस विषय पर विचार करने व अपनी अनुशंसा देने को मण्डल आयोग का गठन किया गया। मण्डल आयोग ने अपनी सिफारिशों का आधार 1971 की जनगणना और जाति आधारित पिछडेपन को अपनाया। मण्डल आयोग ने इस क्रिया में आर्थिक पिछडेपन की बात छोड दी और उन धर्मों को भी अलग कर दिया जिनमें जाति व्यवस्था नहीं है।

आरक्षण के बाबत इन्द्रा साहनी का केस एक ऐतिहासिक निर्णय है। माननीय न्यायालय की संविधान पीठ ने बहुमत से घोषित किया और माना कि धर्म निरपेक्ष समाज में पिछडेपन का आधार जाति को बनाया जाना उचित है। जाति के आधार पर पिछडेपन की पहिचान की जा सकती है। संविधान के भाग 16 में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिये लोकसभा व विधान सभाओं के लिये स्थान आरक्षित रखने की व्यवस्था है। यह व्यवस्था केवल 10 वर्षों के लिये ही रखी गई थी। संविधान के अनुच्छेद 334 में यह आदेशात्मक निर्देश था कि यह व्यवस्था 10 वर्ष बाद प्रभावी नहीं रहेगी। यह प्रावधान संविधान का बेसिक स्ट्रक्चर का भाग था; किन्तु दुर्भाग्य था कि इसे 79वें संविधान संशोधन से संशोधित कर दिया। इसकी वैधानिकता का प्रश्न गत 25 वर्षों से सुप्रीम कोर्ट में पेन्डिंग है।

आरक्षण के बाबत सर्वोच्च न्यायालय ने इन्द्रा साहनी व अन्य केसेज में जो सिद्धान्त प्रतिपादित किये हैं वे निम्नलिखित हैं:–

1– अनुच्छेद 16(4) के अनुसार पिछडे.वर्ग के लोगों को आरक्षण केवल मात्र सामाजिक और शैक्षणिक पिछडेपन के आधार पर ही दिये हैं, न कि आर्थिक आधार पर। यानी जब तक अनुच्छेद 16(4) में व अनुच्छेद 1(5) में संवैधानिक संशोधन नहीं होता आर्थिक आधार की श्रेणी में आरक्षण दिया जाना सम्भव नहीं है।

2– जो पिछडा वर्ग समय के साथ पिछडा नहीं रहा है, जिसे सर्वोच्च न्यायलय ने क्रिमिलेयर कहा है उसे अनुसूचित जाति व जनजाति से अलग किया जावे। वह देश की मूल धारा में माना जावेगा; किन्तु जिनका पिछडापन अभी शेष है उन्हें आरक्षण का लाभ मिलता रहेगा।

3– संविधान की 9वीं सूची में रखने मात्र से कोई अधिनियम वैध नहीं होगा, यदि उसकी वैधानिकता संविधान के आधारभूत सिद्धान्त, मूल अधिकारों के विरूद्ध होने से चुनौती दी जा सकती है।

यहां यह लिखना समीचीन होगा कि 50 प्रतिशत के आरक्षण का सिद्धान्त मूल रूप से माना जावेगा; किन्तु असामान्य स्थिति में अपवाद हो सकता है जैसे किसी दूर दराज क्षेत्र में रहने वाला विशिष्ट व्यक्ति मूल धारा से अलग पिछडेपन में जी रहा है। इस बाबत सावधानी की आवश्यकता है। बालाजी के केस में 60 प्रतिशत आरक्षण को अवैध माना गया है। छतारा संघ के केस में सुप्रीम कोर्ट ने 73 प्रतिशत को अवैध माना है।

तमिलनाडू के केस में 69 प्रतिशत आरक्षण था। उसे वैध करने के हेतु 9वीं सूची में डाला गया था। एम नागराज के केस में सर्वोच्च न्यायालय ने पुन: यह स्पष्ट कर दिया कि 50 प्रतिशत से अधिक का आरक्षण वैध नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी स्पष्ट कर दिया कि संवैधानिक बेसिक स्ट्रक्चर के विरूद्ध होने पर 9वीं सूची में डालने पर भी कानून वैध नहीं होगा। राजस्थान में आरक्षण 2008 के अधिनियम से 68 प्रतिशत किया गया था, वह वैध नहीं था। उसे 9वीं सूची में भी नहीं डाला गया। यह भी सही था कि आर्थिक स्तर पर आरक्षण हो ही नहीं सकता। गुजरात में सवर्णों को 10 फीसदी आरक्षण दिये जाने पर पुन: बहस जोर पकडने लगी। यह आरक्षण वैधानिक नहीं था।

वोटों के लिये आरक्षण की मांग उठने लगी। हरियाणा की मांग 10 प्रतिशत विशेष पिछडा वर्ग जाटों का आरक्षण की थी। गुजरात में 10 प्रतिशत आरक्षण आर्थिक आधार पर मांगा गया। राजस्थान में 5 प्रतिशत आरक्षण गुर्जर सहित 8 अन्य जातियों को व 14 प्रतिशत आर्थिक आधार पर चाहा गया। यह आवाज उठने लगी कि आरक्षण नहीं तो वोट नहीं। लोग मांग को लेकर तोडफोड पर, दंगा करने पर सडकों पर आ गये।

कुछ दिनों पूर्व ही बिहार विधानसभा ने कानून पारित किया कि 65 प्रतिशत आरक्षण बिहार के लोगों को जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व Other Backward Classes (OBC) से हैं, पब्लिक एम्प्लायमेंट व शिक्षण संस्थानों के एडमिशन में होना चाहिये; किन्तु पटना हाईकोर्ट ने ऐसा आरक्षण देने से मना कर दिया और निश्चित सिद्धान्त को दोहराया कि 50 प्रतिशत से अधिक का आरक्षण कानून वैध नहीं है। यह समानता के सिद्धान्त के विरूद्ध है। बिहार सरकार का 85 प्रतिशत का आरक्षण Caste Survey Report, 2023 पर आधारित था। यह आरक्षण Proportionate Representation के सिद्धान्त पर आधारित था। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर बिहार की 85 प्रतिशत आबादी एससी, एसटी, ओबीसी की आंकी गई थी। बिहार राज्य में 65 प्रतिशत आरक्षण दिये जाने की बात उठी, चूंकि यह 50 प्रतिशत की सीमा से अधिक था अत: हाईकोर्ट में चुनौती देने पर इस आरक्षण को वैध नहीं माना गया। पटना हाईकोर्ट ने बालाजी व इन्द्रा साहनी के केस का आलम्बन लिया। इस केस का Special Circumstance का केस भी नहीं माना गया। इन्द्रा साहनी के 9 जजों की पीठ ने यह स्पष्ट करार दिया है कि 50 प्रतिशत से अधिक की Ceiling Limit को संविधान के अनुच्छेद 16(1) व 16(4) की परिस्थितियों के आधार पर ही तय करना होगा। के कृष्णा मूर्ति बनाम भारत संघ के केस में यह और भी स्पष्ट कर दिया कि Ceiling Limit का उल्लंघन करने के लिये जो मापदण्ड हैं उन्हें बेकवर्ड क्लासेज के लोग के हेतु लोकल बॉडीज् जो जनरल एरिया में है, आँका नहीं जा सकता। बिहार राज्य की सरकार ने एम नागराज के केस का आलम्बन लिया किन्तु हाईकोर्ट ने उसे नहीं माना क्योंकि कोर्ट ने यह माना कि Quantifiable Data उपलब्ध होने मात्र से Ceiling Limit को क्रोस करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। यह कारण Exceptional Circumstance की परिभाषा में भी नहीं आते। माननीय पटना हाईकोर्ट ने राकेश कुमार व चेबोलू लीली प्रसाद राव के केसों के निर्णयों का भी परीक्षण किया और यह कहा कि ये केस dsl Local Self Governance Institution के बाबत जहां आरक्षण पंचायतों के लिये हैं वहां लागू नहीं होते और अनुच्छेद 15(4) व 16(4) के अन्तर्गत नहीं लाया जा सकता।

पटना हाईकोर्ट ने माना कि केस जनहित अभियान बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया के सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के सिद्धान्त के अनुसार यह स्वीकार किया कि Economically Weaker Sections (EWS) का आरक्षण जो आर्थिक कमजोर नागरिकों के हेतु था वह EWS Quota पर लागू नहीं होता क्योंकि वह केवल एससी, एसटी, ओबीसी पर लागू होता है, इसके अतिरिक्त 50 प्रतिशत लिमिट Inflexible रूल नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का मुख्य अंश इस प्रकार है:–

आरक्षण सामाजिक न्याय के लिये है। यह माना जाता है कि धर्म आधारित आरक्षण मान्य नहीं है। संविधान के प्रियम्बल में भारत के लोगों ने भारत के ही लोगों को वचन दिया कि लोगों को सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय नहीं मिलेगा। इनमें सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दी गई।

**Reservation for economically weaker sections of citizens up to 10% in addition to the existing resevations does not result in violation of any essential feature of the Constitution and does not cause any damage to the basic structure of the Constitution of India on account of breach of the ceiling limit of 50%. This is because that ceiling limit itself is not inflexible and in any case applies only to the reservations envisioned by Articles 15(4), 15(5) and 16(4) of the Constitution of India, the Court observed in the EWS case. **

आरक्षण सामाजिक न्याय के लिये है। यह माना जाता है कि धर्म आधारित आरक्षण मान्य नहीं है। संविधान के प्रियम्बल में भारत के लोगों ने भारत के ही लोगों को वचन दिया कि लोगों को सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय नहीं मिलेगा। इनमें सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दी गई। उच्च वर्ग में लोगों ने दलितों के साथ बहुत अत्याचार किये हैं, उन्हें घृणा की दृष्टि से देखा जाता था। हरिजन जब गांव में सफाई के लिये आता था तो उसे गले में बंधी हुई घंटी बजानी पडती थी, ताकि उच्च जाति के कहे जाने वाले लोग रास्ते से दूर हो जावे, कहीं हरिजन की छाया उन पर न पड जावे।

संविधान में समानता का अधिकार (Right of Equality) सबको दिया है। संविधान ने Equal Opportunity का अधिकार भी सबको दिया है। जैसा ऊपर कहा है। आरक्षण समानता के अधिकार का ही एक रूप है। आरक्षण संविधान की दैन है, उसे कोई समाप्त नहीं कर सकता। इसी प्रकार संविधान की पालना सबको करना है। आरक्षण समानता के अधिकार की दैन है। संविधान ने उसे दिया है, संविधान ही उसे समाप्त कर सकता है। अभी अभी जो चुनाव देश में लोकसभा के लिये हुये उसमें सत्ता में जो पार्टी है उसके विरूद्ध I.N.D.I.A ग्रुप ने आरोप लगाये कि वह पार्टी आरक्षण व संविधान समाप्त करना चाहती है, उसका परिणाम हुआ कि 400 पार के स्थान पर बहुमत का आंकडा भी सत्ता पक्ष बडी कठिनाई से प्राप्त कर सका। देश के संविधान के अनुसार कोई भी पार्टी संविधान भंग नहीं कर सकती और न आरक्षण ही समाप्त कर सकती है; क्योंकि जो भी कार्य होंगे वे सब संविधान के अनुसार ही होंगे। समता आन्दोलन समिति आरक्षण की समालोचक है। इसका मानना है कि आरक्षण दलितों व पिछडों के हित में है तथा सामाजिक समरसता के लिये भी आवश्यक है। इसके अध्यक्ष पाराशर नारायण शर्मा है। कुछ दिनों पूर्व समिति का वार्षिक अधिवेशन था। अपने उद्बोधन में पाराशर शर्मा ने कहा कि वे सबके साथ समानता के व्यवहार के पक्ष में हैं। उनका मत है कि ओबीसी वर्ग में पिछडों व वंचितों को आरक्षण का लाभ मिलना चाहिये। वे चाहते हैं कि ईडब्ल्यूएस के पांचों मापदण्ड उन पर भी लागू हों तथा क्रिमीलेयर की व्यवस्था को अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग में भी लागू हो। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि ओबीसी का उपवर्गीकरण किया जाना भी आवश्यक है ताकि अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति में वंचितो और दलितों तक आरक्षण व सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंच सके। लेखक ने श्री पाराशर नारायण शर्मा के नाम का उल्लेख इसलिये किया है कि वे समता आन्दोलन समिति से जुडे हुये हैं और उनके उपरोक्त विचारों से सहमत हैं।

इस लेख में लेखक ने पटना हाईकोर्ट के निर्णय का उल्लेख इसलिये किया है कि इसमें माननीय सुप्रीम कोर्ट के सभी निर्णयों का उल्लेख है, जहां उन्होंने 50 प्रतिशत अधिक आरक्षण का अवैध करार दिया है और स्पष्ट किया है कि EWS का आरक्षण वर्तमान आरक्षण से भिन्न है जो SC/ST/OBC के आरक्षण पर लागू है और EWS कोटा इससे भिन्न है तथा इसे भी सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का आलम्बन प्राप्त है। पटना हाईकोर्ट के निर्णय के विरूद्ध अपील सुप्रीम कोर्ट में पेश की जा चुकी है। प्रश्न है जब उपरोक्त रेफर किये सुप्रीम कोर्ट के निर्णय सैद्धान्तिक रूप से 50 प्रतिशत से अधिक की सीमा को अवैध करार दे चुके हैं तथा EWS के अतिरिक्त आरक्षण को भी Uphold सुप्रीम कोर्ट कर चुका है तो अपील में (एसएलपी) में क्यों केस को मेरिट पर पुन: सुना जावे? इन्द्रा साहनी व एस नागराज तथा जनहित अभियान का निर्णय इस विषय पर अन्तिम माने जाने चाहिये; क्योंकि ये सभी निर्णय संविधान पीठ के हैं। निर्णयों की Finality को भी अनुच्छेद 21 के तहत त्वरित निर्णय के मूल अधिकार का भाग माना जावे लेखक की यह प्रार्थना है।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव होने चाहिए या नहीं ?

प्रो. अशोक कुमार

आज, भारत में छात्रसंघ चुनाव लिंगदोह समिति की सिफारिशों और सर्वोच्च न्यायालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार होते हैं। इन नियमों का उद्देश्य चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाना है और यह सुनिश्चित करना है कि छात्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले लोग वास्तव में उनके हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारतीय विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव होने चाहिए या नहीं, यह एक जटिल प्रश्न है, जिस पर वर्षों से बहस होती रही है। दोनों पक्षों के मजबूत तर्क हैं और अंतिम निर्णय व्यक्तिगत मूल्यों और विश्वासों पर निर्भर करता है।

छात्र संघ चुनावों के पक्ष में तर्क:–

छात्र प्रतिनिधित्व :– चुनाव छात्रों को विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ अपनी चिंताओं और मुद्दों को उठाने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। यह छात्रों को उनकी शिक्षा और परिसर के जीवन में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने में सशक्त बनाता है।

नेतृत्व विकास :– चुनाव प्रक्रिया छात्रों को नेतृत्व कौशल, सार्वजनिक बोलने और बहस करने की क्षमता, और टीम वर्क विकसित करने का अवसर प्रदान करती है।

ये कौशल भविष्य के लिए फायदेमंद हो सकते हैं, चाहे छात्र किसी भी करियर का चयन करें।

राजनीतिक जागरूकता :– चुनाव छात्रों को राजनीतिक प्रक्रिया और उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करते हैं। यह उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है और चुनावों में भाग लेने और अपने समुदायों में योगदान करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

विविधता और समावेश :– चुनाव विभिन्न पृष्ठभूमि और विचारधाराओं के छात्रों को प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान करते हैं। यह परिसर में अधिक समावेशी और स्वागत योग्य वातावरण बनाने में मदद कर सकता है।

छात्रसंघ चुनावों के खिलाफ तर्क:

राजनीतिकरण :– चुनाव परिसर में राजनीतिक दलों और गुटों के बीच विभाजन पैदा कर सकते हैं। इससे तनाव, संघर्ष और यहां तक कि हिंसा भी हो सकती है।

ध्यान भंग :– चुनाव प्रचार और गतिविधियों में छात्रों का बहुत अधिक समय लग सकता है, जिससे उनकी पढ़ाई और शैक्षिणक प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

अनुचित प्रभाव :– कुछ का तर्क है कि चुनावों में अक्सर धन, शक्ति और प्रभाव वाले छात्रों या समूहों का अनुचित लाभ होता है।

प्रासंगिकता :– कुछ का मानना है कि छात्रसंघ अब उतने प्रासंगिक नहीं हैं जितने पहले हुआ करते थे। आधुनिक विश्वविद्यालयों में छात्रों की चिंताओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए कई अन्य तरीके मौजूद हैं, जैसे कि छात्र समितियां और प्रशासन के साथ सीधा संवाद।

निष्कर्ष :– छात्रसंघ चुनावों का विषय जटिल है और इसके पक्ष और विपक्ष दोनों में मजबूत तर्क हैं। नई शिक्षा नीति में छात्रों की भागीदारी देखकर वास्तव में आश्चर्य होता है। विभिन्न समिति में छात्रों का जुड़ाव विश्वविद्यालयों का है लेकिन छात्रसंघ का कोई उल्लेख नहीं है। मैं चाहता हूं और आशा करता हूं कि जब योजना का विवरण आएगा, तो छात्रसंघ के गठन और कार्य के बारे में कुछ योजना होगी यह प्रत्येक विश्वविद्यालय और उसके छात्र समुदाय पर निर्भर करता है कि वे तय करें कि उनके लिए क्या सही है।

प्रो. अशोक कुमार
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय।

खेतड़ी के भोपालगढ़ ग्राम के मुख्य द्वार पर गेट लगाने से ग्रामीणों में आक्रोश

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी कस्बे की पहाड़ी स्थित भोपालगढ़ ग्राम के मुख्य द्वार पर लोहे का गेट लगा देने से लोगों में आक्रोश पनप रहा है। गुरूवार को कस्बे के ग्रामीणों की ओर से एसडीएम को ज्ञापन देकर लोहे का गेट हटाने की मांग की है। एसडीएम सविता शर्मा को ग्रामीणों की ओर से दिए ज्ञापन में बताया कि भोपालगढ़ ग्राम करीब तीन सौ साल पुराना है, जिसमें खेतड़ी के तत्कालीन राजपरिवार के दो महल बने हुए हैं।

भोपालगढ़ के परकोटा बना हुआ है तथा इसमें जाने के लिए चारों दिशाओं में चार दरवाजे लगाए गए थे। इन दरवाजों से क्षेत्र के ग्रामीण, राजपरिवार व राज के कर्मचारी सदा से आते जाते थे। भोपालगढ़ ग्राम में ऐतिहासिक शिव मंदिर, सती मंदिर भी बना हुआ है। खेतड़ी व आसपास के ग्रामीण इन्हीं दरवाजों से मंदिर में पूजा अर्चना के लिए आते हैं। अभी तीन–चार दिन पहले पुरातत्व विभाग द्वारा भोपालगढ़ के मुख्य द्वार पर लोहे का गेट लगा दिया गया।

ग्रामीणों ने गेट हटवाने की मांग को लेकर एसडीएम सविता शर्मा को ज्ञापन दिया।

■ **ग्रामीणों की ओर से एसडीएम को ज्ञापन देकर लोहे का गेट हटाने की मांग की**

गेट लगा देने से आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा पहाड़ी पर हादसा होने का खतरा भी बना हुआ है। विभाग द्वारा बिना इजाजत के भोपालगढ़ के बने सिंह की हवेली की मरम्मत भी करवाई जा रही है, जिससे ग्रामीणों में काफी विरोध बना हुआ है। भोपालगढ़ में बने दोनों महल ठिकाने की संपत्ति है, जिसका विवाद भी सर्वोच्च न्यायालय में चल रहा है। भोपालगढ़ ग्राम में शिव मंदिर, सती मंदिर के अलावा अमर कुंड, गोपीनाथ मंदिर, बालाजी मंदिर, जमाई माता मंदिर बने हुए हैं, जहां लोग जात जडूले के लिए आते हैं। लोगों ने बताया कि सावन के महीने में शिव मंदिर में काफी संख्या में लोग पहुंचकर जलाभिषेक करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग द्वारा लगाए गए गेट से आमजन में काफी विरोध है। य

यदि प्रशासन ने मामले में जल्द ही कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की तो ग्रामीणों की ओर से आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान एसडीएम ने मामले की जानकारी जुटाकर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर श्याम सिंह, रघुवीर प्रसाद, गौरव स्वामी, वासूदेव तिवाड़ी, लालसिंह, रामवतार, पवन कुमार शर्मा, संदीप कुमार, गोपाल, सोहनलाल, महेंद्र कुमार, सुनील, मदनलाल, हिरालाल, राहुल, संजय नालपुरिया, रौनक, बहादुर मल, जितेंद्र, महावीर, रोहिताश, राजू, अशोक, उमेश सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

सुरजा देवी की पार्थिव देह सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज में दान की

बीकानेर (निसं)। वर्तमान समय में मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं के प्रायोगिक अध्ययन हेतु मानव मृत शरीर की आवश्यकता रहती है जिससे विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में बढ़ोतरी होती है। देह दान को लेकर बीकानेर के नागरिक भी जागरूक है।

इस क्रम में गुरूवार को सुरजा देवी पत्नी मोतीलाल लेघा निवासी गजनेर रोड़ कोठारी अस्पताल के पास, का निधन हो जाने पर उनकी पूर्व इच्छानुसार उनके परिजनों ने सुरजा देवी का पार्थिव देह एस.पी. मेडिकल कॉलेज के शरीर रचना विभाग को सुपूर्द किया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी, एनाटॉमी विभाग के डॉ. जसकरण, डॉ. गरिमा तथा वरिष्ठ तकनिशियन मोहन व्यास ने पार्थिव देह को पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

प्राचार्य सोनी ने सुरजा देवी के परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि वर्तमान में देह दान महादान की श्रेणी में आता है, सुरजा देवी के इस निर्णय से अनेक मेडिकल स्टूडेण्ट्स लाभान्वित होंगे। उल्लेखनीय है कि सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी द्वारा सर्व समाज में देह दान हेतु जन–जागरूकता अभियान नियमित रूप से चलाया जा रहा है, इस अभियान से प्रभावित होकर आम जन देह दान का फॉर्म भर रहे हैं। वर्ष 2019 से लेकर आज तक कुल 67 देह दान एस.पी. मेडिकल कॉलेज बीकानेर को प्राप्त हो चुकी है जिसमें 46 पुरूष एवं 21 महिलाओं की पार्थिव देह शामिल है। अक्टूबर 2022 से डॉ. गुंजन सोनी के प्राचार्य एवं नियंत्रक पद पर पदभार ग्रहण करने से लेकर आज तक देहदान की इच्छा जताने के लिए कुल 117 लोगों ने मरणोपरान्त अपनी देह दान करने का फॉर्म भरा हुआ है जिसमें 95 फॉर्म पुरूषों के तथा 54 फॉर्म महिलाओं के शामिल है। हालांकि हमारे देश में मृत्यु के उपरांत देहदान बहुत कम किया जाता है लेकिन ये समय की जरूरत है। देश के कुछ शीर्ष नेताओं ने ऐसा करके एक मिसाल भी पेश की है।

प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी ने देहदानी सुरजादेवी को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

■ **वर्ष 2019 से लेकर आज तक 67 देह दान एस.पी. मेडिकल कॉलेज को प्राप्त हो चुकी है**

पैंथर ने गाय के बछड़े को शिकार बनाया

मंडफिया, (निसं)। उपखंड क्षेत्र भदेसर के धीरजी का खेड़ा गांव में बीती रात को एक पैंथर ने गाय के बछड़े का शिकार कर लिया। सुबह जब मालिक अपने बाड़े में पहुंचा तो इस बात की जानकारी हुई। इसके बाद तुरंत इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। धीरजी खेड़ा गांव में बुधवार रात को एक पैंथर बाड़े में घुसकर एक गाय के बछड़े पर हमला कर दिया।

बाड़े के मालिक सुरेश सुथार ने बताया कि सुबह जब 6 बजे वह पशुओं का दूध निकालने बाड़े में गया तो मौके पर गाय का बछड़ा गायब मिला। गाय के बछड़े को जब आसपास ढूंढना शुरू किया तो कुछ ही दूर पर गाय का बछड़ा मृत पड़ा मिला। इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी गई। मौके पर टीम पहुंची और जांच करने पर गाय के बछड़े पर पैंथर का हमला होना बताया। पूर्व में भी भदेसर क्षेत्र के गांवों में कई बार पैंथर की हलचल देखी गई थी। पहले भी इन क्षेत्रों में पैंथर कई पशुओं को अपना शिकार बना चुके हैं। इस घटना से ग्रामवासियों में भारी भय व्याप्त है।

राशिफल शुक्रवार 19 जुलाई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुकल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, शूल नक्षत्र रात्रि 2:55 तक, ऐन्द्रयन योग रात्रि 2:41 तक, कौलव करण प्रात: 8:13 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कर्क, चन्द्रमा–धनु, मंगल–वृष, बुध–कर्क, गुरू–वृष, शुक्र–कर्क, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज रवियोग रात्रि 11:00 तक है और रात्रि 2:55 से पुन: आरम्भ होगा। आज बुध मघा सिंह में रात्रि 8:46 पर प्रवेश करेगा। आज प्रदोष व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:29 तक, लाभ–अमृत 7:24 से 10:49 तक, शुभ 12:33 से 2:14 तक, चर 5:36 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:48, सूर्यास्त 7:17

मेष
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जा सकते हैं। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक अनुबंध बनेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

वृष
शुभ कार्यों में व्यवधान आ सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। मित्रों/रिश्तेदारों से वाद–विवाद हो सकता है।

कन्या
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
स्वास्थ्य से संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सार-समाचार

जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

चूरू, (कासं)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेश व्यापी आव्हान पर विभिन्न मांगों को लेकर गुरूवार को प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। दिये गये ज्ञापन में महासंघ के जिलाध्यक्ष रिछपाल सिंह चारण ने बताया कि संसद में जल्द ही पूर्ण बजट प्रस्तुत होने वाला है और कर्मचारियों की अनेक महत्त्वपूर्ण मांगे लंबित है। इसमें आयकर छूट सीमा 8 लाख की जाए, 80 सी छूट सुविधा बहाल की जाये, सीमा 1.50 लाख के स्थान पर 3 लाख की जाए, छिदत मद में काटी गई राशि लगभग 41 हजार करोड़ रुपए वापस लौटाए, आठवें वेतन आयोग का अविलम्ब गठन करने, समस्त संविदा कर्मचारियों को नियमित करने, संविदा भर्तियों पर रोक लगाने व केन्द्र व राज्य सरकार के विभागों एवं संस्थानों के समस्त रिक्त पदों को नियमित भर्तियों से भरने की मांग की गई। महासंघ के जिला महामंत्री फूलेसिंह बुरड़क ने बताया कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिये जिला कलेक्टर को अवगत करवाया गया है। इस अवसर पर महासंघ के बाबू खां, प्रमोद शर्मा, निवास माली, कमल वर्मा, महेंद्र सिंह, कजोड़ मल सैनी, शिक्षक संघ शेखावत के प्रदेश उपाध्यक्ष भंवर लाल कस्वां, हंसराज हुड्डा, नक्षत्र सिंह काजला, शमशेर भालू खां आदि उपस्थित थे।

वाटर कूलर का उद्घाटन

चूरू, (कासं)। राजकीय सर्वहितकारिणी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पुत्री पाठशाला में ठंडीराम गोयल काठमांडू के सौजन्य से व पं. ओमप्रकाश गौतम की प्रेरणा से वाटर कूलर भेंट किया गया। इस अवसर पर राजवती गौतम व नीलम गौतम ने विद्यालय की कक्षा 10 व 12 बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली मेधावी छात्राओं का सम्मान किया गया। इस दौरान कक्षा 12वीं की टॉपर सोनू प्रजापत, हर्षिता दर्जी व कक्षा 10 की टॉपर इशानी का उत्साहवर्धन कर बधाई दी और सभी छात्राओं को इनसे प्रेरणा लेने का आव्हान किया। इससे पूर्व अतिथियों ने वाटर कूलर का उद्घाटन किया। प्रधानाचार्या निशा अजमेरा व उप प्रधानाचार्य महावीर प्रसाद ने भामाशाहों व प्रेरकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आरती सामौर, अभिलाषा खेमका, तरुणा आर्य, उषा सैनी, जमुना शर्मा, मंजू सोनी, राम सिंह सिहाग, राजेश कुमार कस्वां, विद्याधर शिवराम, सुभाष चंद्र लाटा, ओमप्रकाश, राजकुमार, संगीता ने सहयोगी भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन आरती सामौर व रामसिंह सिहाग ने संयुक्त रूप से किया।

राजकीय आईटीआई में प्रवेश आमंत्रित

चूरू, (कासं)। जिला मुख्यालय स्थित राजकीय आईटीआई में प्रवेश सत्र 2024.25.26 के लिए प्रवेश आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 19 जुलाई को दोपहर 12 बजे तक प्रवेश के लिए आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित हो सकते हैं। आईटीआई प्रभारी ने बताया कि विद्युतकार रुपए 13000, इलेक्ट्रोनिक्स मैकेनिक ;रुपए 11000, फिटर रुपए 11000, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कंडिशनिंग टेक्नीशियन ,रुपए 11000, वायरमैन रुपए 9000, मैकेनिक डीजल इंजन रुपए 11000, प्लम्बर ;रुपए 11000, सोलर टेक्नीशियन एससीवीटी ;रुपए 11000, व्यवसाय में संस्थान प्रबंधन समिति कोटे से प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों को 19 जुलाई सवेरे 10 बजे संस्थान में अपने ऑनलाईन पोर्टल से प्राप्त आवेदन पत्र का प्रिन्ट, मेरिट क्रमांक का प्रिन्ट, निर्धारित फीस एवं योग्यता संबंधित समस्त मूल दस्तावेज एवं दस्तावेजों की 2 फोटो प्रति तथा स्वयं की 1 फोटो साथ लेकर आवश्यक रूप से उपस्थित होने के लिए कहा गया है। दोपहर 12 बजे पश्चात् आने वाले अभ्यर्थियों पर विचार नहीं किया जायेगा।

पौधों की सुरक्षा का संकल्प दिलाया

सीकर (निसं)। शहीद नोपाराम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भूमा बडा के विद्यालय परिसर में पर्यावरण बचाओ थीम एवं एक वृक्ष मां के नाम अमृत महोत्सव मुख्यमंत्री पौधारोपण अभियान के तहत गुरूवार को पौधारोपण अभियान का शुभारंभ मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विद्याधर शर्मा के सानिध्य में पौधारोपण के साथ किया गया। ब्लॉक पौधारोपण प्रभारी सुरेश कुमार भास्कर ने बताया कि अभियान के तहत विभिन्न प्रजाति के 150 पौधे लगाए गए। पौधारोपण अभियान के अंतर्गत प्रधानाचार्य सोहनलाल भास्कर ने पौधारोपण का लेआउट प्रस्तुत कर स्टॉफ सदस्यों व विद्यार्थियों को आवश्यक मार्गदर्शन देकर पौधरोपण करवाया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विद्याधर शर्मा ने पर्यावरण की शुद्धता के लिए अधिकाधिक पेड़ लगाने का आव्हान करते हुए बच्चों को पेड़ गोद देकर सुरक्षा का संकल्प दिलाया। समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने पौधारोपण में भाग लिया। शिक्षक रणधीरसिंह ताखर द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी को इन पौधों को सुरक्षित रखने व देखभाल के लिए विद्यार्थियों को जिम्मेदारी दी गई।

अभियान के तहत फलदार पौधे लगाए

रतनगढ़ (निसं)। सरदारशहर रोड स्थित श्री संकट मोचन बालाजी मंदिर परिसर एवं जोधराज बैद कृषि फार्म में राज्य सरकार द्वारा पुरस्कृत भामाशाह एवं समाजसेवी जोधराज बैद, राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड प्रधान संतोष कुमार इंदौरिया एवं उप प्रधान विनोद कुमार डागा के नेतृत्व में संघ द्वारा संचालित वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत सौ फलदार एवं फूलदार पौधे लगाए गए। संघ प्रधान इंदौरिया ने बताया कि इससे पूर्व भी स्काउट गाइड द्वारा शमशान घाट, पंचायत समिति, पुलिस थाना परिसर, सरकारी आवासों सहित विभिन्न विद्यालयों में फलदार पौधे लगाए जा चुके हैं जिनकी सार संभाल एवं सुरक्षा व्यवस्था की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर वीरेंद्र रॉयल, मनोज जोशी, पूरणमल नाई सहित अनेक लोगों ने सहयोग किया।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ 21 को

चूरू, (कासं)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री शक्तिपीठ चूरू में गुरु पूर्णिमा पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर 5 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। गुरु पूर्णिमा पर्व पर 21 जुलाई रविवार सुबह 6 से 8 बजे तक सामुहिक जप का आयोजन किया जाएगा और उसके बाद यज्ञ किया जायेगा। ज्ञात रहे कि गायत्री परिवार वर्ष में तीन बड़े आयोजन करते हैं। बसंत पंचमी, गायत्री जयंती और गुरु पूर्णिमा को प्रत्येक शक्तिपीठ पर ये आयोजन किए जाते हैं। आयोजन को लेकर गायत्री परिवार के सदस्यों से संपर्क किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर शांतिकुंज हरिद्वार के वरिष्ठ प्रतिनिधि रामसिंह राठौड़ के निर्देशन में पृथ्वीराज सैनी, उम्मेद सिंह राठौड़, महेंद्र कुमार कश्यप, गायत्री गौरसिया, कमलेश कंवर, किशन कंवर, प्रकाश कंवर आदि कार्यकर्ता तैयारियों में जूटे हुये हैं।

उमस के कारण परेशानी बढ़ी

चूरू, (कासं)। चूरू में इन दिनों उमस के कारण लोगों को पसीने से तर होना पड़ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार पिछले कुछ दिनों से बारिश पर विराम सा लगा हुआ है। जिसके कारण उमस भरा वातावरण बना हुआ है हालांकि रात के समय में हवा चलने से कुछ राहत मिल जाती है। दिन में धूप छांव की स्थिति बनी रहती है। उमस से पंखे व कूलर भी राहत नहीं दे पा रहे हैं। पिछले दिनों हुई बारिश के बाद चारों ओर हरियाली दिखाई देने लगी है। इसी के साथ पशुओं के लिए चारा भी उपलब्ध हो रहा है। जंगल में चारा हो जाने से अब आवारा पशुओं के लिए परेशानी नहीं होगी।

किसान महापंचायत की बैठक

पाटन (निसं)। राष्ट्रीय किसान महापंचायत जिला नीमकाथाना के द्वारा गुरूवार को तहसील स्तरीय मीटिंग का आयोजन राष्ट्रीय किसान महापंचायत के अध्यक्ष बलदेव यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मीटिंग में खाद-बीज, पानी की समस्या तथा किसानों को मिलने वाली योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मीटिंग में तहसील अध्यक्ष कमल कुमार सैनी, अशोक तोला, कृष्ण कुमार सैनी, भजनलाल गुर्जर, रामस्वरूप हवलदार, रामजीलाल सैनी, डी पी यादव, बहादुर गुर्जर, नरेश पाल यादव, सरपंच प्रतिनिधि बलराम गिराटी, सहित सैकड़ो किसानों ने भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की बैठक 23 को

सीकर (निसं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रणजीत सिंह ने बताया कि जिला मुख्यालय पर स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त 2024 के सफल आयोजन के लिए 23 जुलाई 2024 को प्रातः 11 बजे जिला कलेक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की जायेगी।

कलेक्टर ने आमजन की शिकायतें सुनी, समाधान के निर्देश दिए

झुंझुनूं, (निसं)। आमजन की परिवेदनाओं व समस्याओं की सुनवाई के लिए गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में मुख्य सचिव, जिले की प्रभारी सचिव सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े सुबह 11 बजे शुरू हुई जनसुनवाई 3 बजे तक चली। जिसमें कलेक्टर ने 91 शिकायतों की सुनवाई कर अधिकारियों को जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान राजस्व संबंधी शिकायतें अधिक रही। जिनमें गोचर व जोहड भूमि पर

■ **जनसुनवाई चार घंटे चली**

अतिक्रमण, रास्ते के प्रकरण, भूमि बंटवारे के विवाद मुख्य रहे। इस दौरान विद्युत व पेयजल आपूर्ति, विद्युत लाइन व ट्रांसफर शिफ्टिंग, ग्रामीण इलाकों में जल भराव की समस्या, कृषि विभाग की योजना अंतर्गत सब्सिडी का गलत खाते में स्थानांतरण सहित अन्य शिकायते प्राप्त हुई। जनसुनवाई में एडीएम रामरतन सौंकरिया, सीईओ अंबालाल मीणा, एएसपी पुष्पेंद्र सिंह राठौड सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत एवं प्रभारी सचिव डॉ. समित शर्मा ऑनलाइन जुड़े। उन्होंने कलेक्टर से प्राप्त शिकायतों के बारे में जानकारी ली।

जनसुनवाई के दौरान टांई ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने सहकारी समिति के व्यवस्थापक के खिलाफ शिकायत दी कि व्यवस्थापक गबन के मामले में दोषी है। जिस पर जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को व्यवस्थापक को निलंबित करने के निर्देश दिए।

आमजन की परिवेदनाओं व समस्याओं की सुनवाई के लिए जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई।

विद्युत हादसों की रोकथाम पर चर्चा

झुंझुनूं, (निसं)। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध अजमेर विद्युत वितरण निगम श्रमिक संघ के डिस्कॉम महामंत्री देवकरण सैनी तथा जेएमसी मेंबर अजमेर डिस्कॉम सुरेश कुमार शर्मा का डिस्कॉम के अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, राजसमंद, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ तथा शाहपुरा जिलों में श्रमिकों की समस्याओं एवं विद्युत कार्य के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता एवं गुणवत्ता को लेकर 13 से 18 जुलाई 2024 तक का प्रवास किया तथा शीघ्र ही संगठन की डिस्कॉम स्तरीय कार्य समिति का आयोजन कर कार्यसमिति में आगामी आंदोलनात्मक रणनीति तय करने की बात कही एवं प्रवास वापसी में गुरुवार को अजमेर में निगम प्रशासन से चर्चा बैठक की। निगम प्रशासन को विद्युत कर्मियों को उच्च गुणवत्ता के सुरक्षा उपकरण वर्ष में दो बार उपलब्ध कराने, सभी कैडर के प्रमोशन शीघ्र करने, कर्मचारियों के दावों के भुगतान समय पर करने पर चर्चा की।

सात दिन में जांच कर परिवादों का निस्तारण करें : सत्यानी

चूरू (का.सं.)। जिला कलेक्टर पुष्पा सत्यानी ने कहा है कि जनसुनवाई में आने वाले प्रकरणों का सात दिनों में समुचित जांच करते हुए निस्तारण करें तथा अधिकारी फरियादियों को उनके प्रकरणों में संतुष्ट करें।

इस दौरान फरियादियों ने जिला कलेक्टर सत्यानी के समक्ष ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती, पेंडिग बिजली कनेक्शन, गोचर भूमि पर अतिक्रमण, सरदारशहर के पूलासर में गोचर भूमि पर अवैध अतिक्रमण, जिला मुख्यालय स्थित स्वामी गोपालदास कन्या महाविद्यालय के पास गंदगी व सफाई नहीं होने सरदारशहर के राजास में बीज वितरण में अनियमितताए चूरू के भामासी से कड़वासर जाने के रास्ते पर 200 मीटर का सड़क पेचवर्क नहीं होने, मेलूसर में पानी बिजली की समस्याएं, स्प्रिंकलर सब्सिडी की पेंडेंसी, चूरू नगरपरिषद के वार्ड नंबर 13 में बिजली अधिक लोड के ट्रांसफॉर्मर की आवश्यकता सहित राजस्व व बिजली, पानी समेत आवश्यक सेवाओं के परिवाद रखे। जिस पर जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को टाइमलाइन निर्धारित कर निस्तारण के निर्देश दिए।

इस दौरान जिला कलेक्टर सत्यानी ने बजट घोषणाओं पर चर्चा करते हुए अधिकारियों से कहा कि भूमि चिन्हीकरण व आवंटन, प्रस्ताव भिजवाने आदि कार्यवाही समयबद्ध ढंग से करें। साप्ताहिक रूप से बजट घोषणाओं की क्रियान्विति हेतु जा रही गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी।

सीईओ मोहनलाल खटनावलिया ने अधिकारियों से पौधरोपण अभियान की क्रियान्विति की जानकारी ली। इस दौरान एडीएम उत्तमसिंह शेखावत, चूरू एसडीएम बिजेन्द्र सिंह, डीएफओ भवानी सिंह, एसीईओ दुर्गा ढाका, डीओआईटी संयुक्त निदेशक मनोज गरवा, डिस्कॉम एसई वीआई परिहार, एपीआरओ मनीष कुमार, कृषि विस्तार संयुक्त निदेशक जगदेव सिंह, नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह, पशुपालन संयुक्त निदेशक डॉ ओमप्रकाश, पीएचईडी प्रोजेक्ट एसई राममूर्ति, उद्योग महाप्रबंधक नानुराम गहनोलिया, डीएलआर शुभकरण, एलडीएम अमरसिंह, डीबी जनरल अस्पताल अधीक्षक डॉ हनुमान जयपाल, एसीएमएचओ डॉ अहसान गौरी, सानिवि एईएन चंचलए एईएन पूनम, सीडीईओ जगबीर सिंह यादव, बीएसएनएल के अजय, राजेन्द्र सहित अधिकारी तथा वीसी के जरिए सभी उपखंडों से उपखंड स्तरीय अधिकारी जुड़े रहे।

शहीद हवलदार मेजर पीरू सिंह को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी

झुंझुनूं, (निसं)। लॉयंस क्लब झुंझुनूं द्वारा शहीद हवलदार मेजर पीरूसिंह की 76वीं पुण्यतिथि पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि कार्यक्रम पीरु सिंह सर्किल स्थित पीरुसिंह स्मारक पर आयोजित किया गया। जानकारी देते हुए लॉयंस क्लब झुंझुनूं के अध्यक्ष डॉ. बबिता कुमावत, सचिव गोपालकृष्ण गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष किशनलाल जांगिड ने बताया कि 18 जुलाई गुरूवारको आयोजित कार्यक्रम में शहीद हवलदार मेजर पीरू सिंह को दो मिनट का मौन रखकर पुष्पांजलि अर्पित कर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी अनिल कुमार पूनियां, पूर्व विधायक डॉ. मूलसिंह शेखावत, पूर्व पीएमओ डॉ. हनुमानसिंह शेखावत, सुरेंद्र सिंह बड़ाऊ, शक्तिसिंह गांगियासर, लॉयंस क्लब अध्यक्ष लॉयन डॉ. बबिता कुमावत, क्लब सचिव गोपाल कृष्ण गुप्ता, कोषाध्यक्ष किशनलाल जांगिड, जोन चेयरपर्सन चेयरपर्सन एमजेएफ लॉयन अमरनाथ जांगिड़, शकुंतला पुरोहित, एमजेएफ लॉयन नरेंद्र व्यास, शिवकुमार जांगिड़, डॉ. देवेंद्र शेखावत, भागीरथप्रसाद जांगिड़, रमेशचंद्र जांगिड़, ओमप्रकाश जांगिड़, मनोजसिंह टीकेएन, सुरेश कुमार मोदी, अशोक सोनी, डॉ. एनएस नरूका, डॉ. उम्मेदसिंह शेखावत, कैलाशचंद्र सिंघानिया, विनीता शर्मा, महिपाल सिंह, डॉक्टर अनिल अग्रवाल, राजेश गुप्ता, शिवकुमार शर्मा, रामप्रताप कुमावत, मुकेश एस मूंड, नागरमल जांगिड़, जुगलकिशोर पाटोदिया, लॉयंस क्लब गौरव के एनआर धूपिया, संपत बारूपाल, पीरूसिंह विद्यालय की प्रधानाचार्या सुमित्रा झाझडिया, विद्यालय की छात्राएं व स्टाफ विनोद शर्मा अध्यापक, राजस्थानी शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य सुरेंद्र शर्मा, नरेंद्र सिंह एवं श्रवण सिंह सहित अन्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रायोजक लॉयन डॉ. उम्मेद सिंह शेखावत ने शहीद पीरू सिंह जी के जीवन व शहादत के बारे में आमजन को जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम के पश्चात शहीद पीरू सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कूल बैग का वितरण एवं तत्पश्चात नगर परिषद स्थित अन्नपूर्णा रसोई में 50 प्रभु जनों को निशुल्क भोजन कार्यक्रम प्रायोजक एवं संयोजक डॉ. उम्मेद सिंह शेखावत के संयोजन में संपन्न हुआ। क्लब पीआरओ डॉ. डीएन तुलस्यान ने बताया कि लॉयंस क्लब झुंझुनूं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा पीरूसिंह स्मारक पर गत दिवस 17 जुलाई अपराह्न छह बजे साफ सफाई का कार्य भी करवाया गया। उन्होंने बताया कि लॉयंस क्लब द्वारा विगत 28 वर्षों से मेजर पीरू सिंह की 18 जुलाई पुण्यतिथि पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन लगातार किया जाता रहा है।

विद्यालयों का निरीक्षण किया

झुंझुनूं, (निसं)। विभागीय निर्देशानुसार कमलेश तेतरवाल एपीसी व रामचंद्र यादव पीओ समसा झुंझुनूं ने गुरुवार को बिसाऊ तहसील के राजकीय विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राउमावि चंदवा, राउमावि कोदेसर, राप्रावि खटीकान बिसाऊ व गिगीदेवी जटिया राबाउमावि बिसाऊ का अवलोकन करते हुए आवश्यक सम्बलन प्रदान किया। इस दौरान संस्था प्रधानों व स्टाफ सदस्यों को नामांकन वृद्धि, पौधाक्षारोपण, शैक्षिक गुणवत्ता व भौतिक विकास के लिए सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना से कार्य करने के निर्देश दिए। चंदवा में कार्यवाहक प्रधानाचार्य रमेश पूनियां से भामाशाह गढ़वाल परिवार द्वारा बनवाए जाने वाले प्रस्तावित नए विद्यालय भवन से सम्बंधित प्रगति की जानकारी ली तथा इसे शीघ्र शुरू करवाने के लिए भामाशाह से लगातार संपर्क में रहने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर के आदेशानुसार विद्यालयों में आईसीटी लेब व पुस्तकालयों के बेहतर उपयोग के लिए योजना बनाकर काम करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने जनसुनवाई में लोगों के अभाव अभियोग सुने

सीकर (निसं)। जिला कलेक्टर कमर चौधरी के निर्देशानुसार जिला स्तरीय जनसुनवाई भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र कलेक्ट्रेट परिसर में गुरूवार को आयोजित हुई।

जिला कलेक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित जनसुनवाई के दौरान गौचर भूमि, रास्तों एवं सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाने, गोरीशंकर अग्रवाल आभावास ने सड़क के बीच में टैंक बना कर अतिक्रमण करने, मंदिर भूमि से अतिक्रमण हटाने, रोलसाहबसर में शिवजी के प्राचीन मंदिर से आम रास्ते पर से अतिक्रमण हटाने, महावीर पुरोहित साहित्यकार ने पूर्व सैनिकों के नाम पर शहरों की सड़कों का नामकरण करवाने, भागीरथ सिंह ने ग्राम पंचायत जेरठी में शराब की दुकान को सही स्थान पर लगाने, बाबूलाल शर्मा दुल्हेपुरा ने सड़क किनारे से अतिक्रमण हटाने, मूण्डवाडा में पटवार घर से अतिक्रमण हटाने, तारबंदी का पैसा दिलवाने, विद्युत ट्रांसफार्मर शिफ्ट करने सहित अन्य परिवाद प्राप्त हुए जिन पर जिला कलेक्टर ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियो को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने आमजन से जुडी विभागीय समस्याओं तथा राजस्थान सम्पर्क पोर्टल, स्टारमार्क प्रकरण, ब्लॉक स्तर पर जन सुनवाई के लम्बित प्रकरणों पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा करते हुए तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए। जन सुनवाई में सीकर सासंद अमराराम ने ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत की अघोषित कटोति होने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सडकों की जर्जर स्थिति की समस्या के बारे में बताया और सार्वजनिक निर्माण विभाग से उनकी मरम्मत करवाने की बात कही।

इस दौरान प्रशिक्षु आईपीएस साहिन सी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन रणजीत सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर हेमराज परिडवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेन्द्र पुरोहित, सीकर एसडीएम जय कौशिक, इंदिरा शर्मा सहायक निदेशक प्रशासनिक सुधार विभाग, आयुक्त नगर परिषद सीकर शशिकांत शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र कलेक्ट्रेट परिसर में जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित हुई।

सार-समाचार

बी.एड. मुख्य परीक्षा 29 जुलाई से

झुंझुनूं, (निसं)। एक बार फिर से हमारा समाचार पत्र विद्यार्थियों व पाठकों के लिए विश्वसनीय साबित हुआ हैं। हमारे समाचार पत्र ने 17 जुलाई को प्रकाशित अंक में शेखावाटी यूनिवर्सिटी की बीएड मुख्य परीक्षा-2024 जुलाई के अंतिम सप्ताह में शुरू होने की संभावना जताई थी। जिसके बाद 18 जुलाई को शेखावाटी यूनिवर्सिटी ने एक आदेश जारी कर स्पष्ट भी कर दिया है कि बीएड परीक्षा 29 जुलाई से शुरू हो जाएगी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर के अंतर्गत होने वाली बीएड मुख्य परीक्षा 29 जुलाई से प्रारंभ कर दी जाएगी। यूनिवर्सिटी के सहायक कुलसचिव परीक्षा डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि बीए-बीएड, बीएससी-बीएड (चार वर्षीय), बीपीईएड एवं बीए-एलएलबी की वर्ष-2024 की मुख्य परीक्षा 29 जुलाई से प्रारंभ की जाएगी। सहायक कुलसचिव परीक्षा डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि दो वर्षीय बीएड परीक्षार्थियों की परीक्षा 2 अगस्त से शुरू कर दी जाएगी। यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अरिंदम बासु ने बताया कि परीक्षा को लेकर टाईम टेबल शीघ्र ही यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा।

'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम

झुंझुनूं, (निसं)। स्थानीय सेठ श्री केदारनाथ मोदी राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत गुरुवार को एक पेड मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय प्राचार्या प्रो. डॉ. अनिता झाझडिया ने विद्यार्थियों को बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत सभी को एक-एक पेड मां के नाम से लगाना है व इसकी देखभाल करनी है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों व स्वयंसेवकों 150 पौधे लगाकर उनकी देखभाल की जिम्मेदारी ली। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस अधिकारी सुमन सैनी ने किया। इस अवसर पर सरोज नैनीवाल, डॉ. प्रीति शर्मा, डॉ. सुशील कुमार शर्मा, डॉ. विजेंद्र सिंह तंवर, डॉ. कुलदीप ढाका, रणवीरसिंह, मनीषकुमार, संजय कुमार आदि सहित महाविद्यालय परिवार की सदस्य एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

रिको में पौधारोपण कार्यक्रम आज

झुंझुनूं, (निसं)। लघु उद्योग भारती झुंझुनूं एवं लॉयंस क्लब झुंझुनूं के संयुक्त तत्वावधान में 19 जुलाई को सुबह नौ बजे पर्यावरण बचाने के क्रम में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन केडिया हैंडीक्राफ्ट रीको इंडस्ट्रियल एरिया झुंझुनूं में प्लॉट नंबर जी-257 से जी-260 में किया जाएगा। पौधारोपण कार्यक्रम के आयोजन को लेकर लघु उद्योग भारती अध्यक्ष रोहिताश्व बंसल, सचिव सुरेंद्र केडिया, कोषाध्यक्ष संजय टीबड़ा, लॉयंस क्लब झुंझुनूं अध्यक्ष डॉ. बबिता कुमावत, सचिव गोपाल कृष्ण गुप्ता, कोषाध्यक्ष किशनलाल जांगिड सहित दोनों संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रयासरत है।

प्रतियोगिता का उद्घाटन

रतनगढ़ (निसं)। स्थानीय में न्यू लिंक रोड पर चौधरी मुक्ति धाम के पास, केडी स्पोर्टस ग्राउंड पर रात्रिकालीन टेनिस बॉल चैलेंजर बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ, बुधवार रात थानाधिकारी दिलीप सिंह ने फीता काटकर व गेंद खेलकर किया। आयोजक सुनील, अनिल व सौरभ सैनी ने बताया की 10 दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में करीब 64 टीमें भाग लेंगी। अभी भी एंट्री ओपन है। विजेता टीम को इलेक्ट्रिक स्कूटी व ट्रॉफी, तथा उप विजेता टीम को ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। मैच का आंखों देखा हाल अनिल वर्मा व देवीसिंह पडिहार ने सुनाया। इस दौरान दर्जनो दर्शक मौजूद थे।

आज पेयजल आपूर्ति बाधित

झुंझुनूं, (निसं)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग नगर उपखंड के सहायक अभियंता पुनित सैनी ने बताया कि झुंझुनूं शहर में अग्रसेन सर्किल के पास एवं समसपुर रोड पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की पेयजल पाइप लाइन का मरम्मत कार्य होने के कारण शहर के कुल 17 वार्ड में वार्ड नंबर 23, 24, 29, 30, 31, 35, 36, 37, 38, 39, 48, 49, 50, 51, 52, 53 और 54 में पेयजल आपूर्ति आज आंशिक रूप से बाधित रहेगी।

शिविर में 129 रोगी लाभांवित

झुंझुनूं, (निसं)। परम श्रद्धेय स्वामी कृष्णानंद महाराज की पवन प्रेरणा से भारतीय सेवा समाज डालमिया सेवा ट्रस्ट एवं शारदा फाउंडेशन मुंबई के प्रतिनिधि निर्मल झुनझुनवाला के सहयोग से गुरुवार को श्री राममंदिर घरड़ाना कलां में प्रत्येक महीने की भांति नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

बेटी के जन्मदिन पर पौधारोपण किया

कोलसिया, (निसं)। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ व पर्यावरण संरक्षण को लेकर गांव बुगाला के मनीष पुत्र शीशराम बुगालिया ने सपत्निक सोमवार को पीएचसी भवन में पौधारोपण किया। इन्होंने अपनी बेटी मन्नत के दूसरे जन्मदिन पर अस्पताल परिसर में आम, अशोक व बेलपत्र के पौधे लगाए। इनकी सुरक्षा के लिए जल्द ही ट्री गार्ड भी लगाएंगे। इन्होंने प्रति वर्ष 15 जुलाई को यहां 11-11 पौधे लगाने की घोषणा की।

सूचना मेरा मुवक्किल जगदीश प्रसाद पुत्र सांवताराम जाति जाट (भाकर) निवासी झाड़सर छोटा तहसील तारानगर जिला चूरू की हिदायतानुसार आम सर्वसाधारण को सूचना दी जा रही है यह कि मेरे मुवक्किल का लड़का राजपाल भाकर मेरे मुवक्किल व उसके परिवार के कहने सुनने में नहीं है अपनी मनमर्जी से गलत कार्य करता रहता है तथा आवारा व बदमाश लड़कों के साथ रहता है इसलिए मेरा मुवक्किल आज दिनांक 18.07.2024 को अपने पुत्र राजपाल भाकर को अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता है। तथा आज से पूर्व व भविष्य में मेरे मुवक्किल का पुत्र राजपाल भाकर किसी भी व्यक्ति के साथ कोई लेनदेन व व्यवहार किया है या करेगा तो मेरे मुवक्किल की किसी भी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। जिसका जिम्मेदार राजपाल भाकर होगा मेरा मुवक्किल का आज से अपने पुत्र राजपाल भाकर से कोई संबंध नहीं रहा है।

पवन कुमार योगी एडवोकेट

कृषि महाविद्यालय, चाँदगोठी (चुरू)
(स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर)

No. : F./SKRAU/COACDG/2024/1018 दिनांक :- 15/07/2024

आवश्यकता/सूचना

कुलसचिव, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के पत्र क्रमांक F/SKRAU/Rectt./2024/1712 दिनांक 11.07.2024 के सन्दर्भ में कृषि महाविद्यालय, चाँदगोठी (चुरू) पर कृषि स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को अकादमिक सत्र 2024-25 के प्रथम सेमेस्टर में विभिन्न विषयों (शस्य विज्ञान, मृदा विज्ञान, उद्यानिकी, कृषि प्रसार शिक्षा, आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन, कीट विज्ञान, कृषि अर्थशास्त्र, कृषि अभियांत्रिकी/मैकेनिकल इंजीनियरिंग, पादप रोग विज्ञान, पशु उत्पादन एवं प्रबंधन, कम्प्यूटर विज्ञान, गणित/सांख्यिकी एवं अंग्रेजी) को पढ़ाने हेतु अथिति संकाय के रूप में योग्य शिक्षकों की अंशकालीन आवश्यकता है। इच्छुक योग्यताधारी अभ्यर्थी (स्नातकोत्तर के साथ NET अथवा Ph.D.) या रिटायर्ड कॉलेज शिक्षक (70 वर्ष से कम आयु वाले) अपने प्रार्थना पत्र, बायो-डाटा, मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के साथ एक अतिरिक्त स्वःप्रमाणित प्रतिलिपि सेट लेकर दिनांक 24.07.2024 (बुधवार) को प्रातः 10:00 बजे अधिष्ठाता कार्यालय, कृषि महाविद्यालय, चाँदगोठी (चुरू) में साक्षात्कार हेतु व्यक्तिशः उपस्थित होवें। अथिति संकाय शिक्षकों को विश्वविद्यालय नियमानुसार मानदेय देय होगा। चयन प्रक्रिया के समस्त अधिकार चयन समिति के पास सुरक्षित रहेंगे।

राज.संवाद/सी/24/2436 अधिष्ठाता

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर
जिला हनुमानगढ (राज.)
Fax No.: 01537-250043, Email: nprawatsar1977@gmail.com,
Phone No.: 01537-250043

क्रमांक-न.पा.रा./भू./2024/ दिनांक-

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रामनिवास पुत्र श्री सत्यनारायण जाति जाट निलवासी चक्र 8 एनडब्ल्यूडी रामपुरा रावतसर तहसील रावतसर जिला हनुमानगढ द्वारा आवासीय भूखण्ड साईज 3226.40 वर्गफुट का नामान्तरण अपने नाम से पालिका रिकार्ड में दर्ज करवाना चाहता है। उक्त भूखण्ड का मूल नगरपालिका रावतसर द्वारा साईज 3226.40 वर्गफुट का जारीशुदा है। श्री धर्मसिंह ने उक्त भूखण्ड जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 13.06.2024 द्वारा री रामनिवास पुत्र श्री सत्यनारायण को बेचान कर दिया। जिसका नामान्तरण अपने नाम से पालिका रिकार्ड में दर्ज करवाना चाहता है।

अतः उक्त आवासीय भूखण्ड का नामान्तरण दर्ज करने में अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने के 07 दिवस की अवधि में अपनी आपत्ति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

(शैलेन्द्र कुमार गोदारा)
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका रावतसर

सड़क दुर्घटना में मां-बेटी की दर्दनाक मौत, 18 जने घायल

गोवर्धन की परिक्रमा कर लौट रहे थे एक ही परिवार के सभी रिश्तेदार

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के मनियां क्षेत्र में नेशनल हाईवे-44 स्थित बोथपुरा मोड़ के पास एक सड़क दुर्घटना में ट्रैक्टर-ट्रॉली सवार मां-बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं अन्य 18 लोग घायल हो गए। घटना बुधवार रात्रि की है, जहां गोवर्धन की परिक्रमा कर लौट रहे एक ही परिवार के सभी रिश्तेदारों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को केन्ट्रा ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। घटनास्थल पर हाहाकार मच गया।

जानकारी के अनुसार दुर्घटना में मौके पर ही दो महिलाओं ने दम तोड़ दिया और अन्य 18 लोग घायल हो गए, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बनी हुई थी। घटना स्थल पर अंधेरा होने से वहां पर कुछ नहीं दिखाई दे रहा था, सिर्फ वाहनों की लाइट ही दिखाई दे रही थी। तभी सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंची और यातायात को डायवर्ट करते हुए सड़क पर पड़े दोनों महिलाओं के शवों को मनियां अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचा। वहीं घायलों को जिला अस्पताल धौलपुर के लिए भेजा गया, जिसमें कुछ घायलों के परिजन उन्हें मुरैना, ग्वालियर ले गए और कुछ का जिला अस्पताल धौलपुर में इलाज चल रहा है।

हादसे में ट्रक का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची मनियां थाना पुलिस ने बताया कि सड़क दुर्घटना में 47 वर्षीय भूरी देवी पत्नी हरिमोहन निवासी जीगनी मुरैना मध्य प्रदेश और 65 वर्षीय गयाबाई पत्नी गिरवर जाटव निवासी जौरा मध्य प्रदेश की मौके पर ही मौत हो गई, जो आपस में मां-बेटी बताई जा रही हैं। वहीं इस भीषण दुर्घटना में रिंकू (32) पुत्र राम अख्तयार, ज्ञानी (44) पुत्र सियाराम, सुमन (30) पत्नी मुकेश, आशीष (16) पुत्र बलराम, सरोज (40) पुत्र बलराम, अनिल (28) पुत्र भीकम सिंह, फूलो (45) पत्नी जगदीश, अरुण (18) पुत्र लाखन सिंह, मुकेश (30) पुत्र जीवाराम, रामरति (55) पत्नी सियाराम, सौम्या (05) पुत्री मुकेश, हिमांशी (03) पुत्री बलराम, प्रीति (41) पत्नी बंटी, ज्योति (20) पुत्री पातीराम, बलराम (40) पुत्र हरिदास, बरसा देवी (35) पत्नी ज्ञान सिंह निवासीगण जीगनी थाना माता बसैया जिला मुरैना और जनक सिंह (50) पुत्र बदलेराम निवासी प्रेम नगर मुरैना मध्यप्रदेश घायल हुए हैं।

■ **ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार थे सभी लोग, केन्ट्रा ट्रक ने टक्कर मार दी थी**

थाना प्रभारी नरेश शर्मा ने बताया कि घटना को लेकर कृष्णा पुत्र हरिमोहन जाटव निवासी जीगनी थाना माता बसैया जिला मुरैना मध्य प्रदेश में मुकदमा दर्ज कराया है, जिसमें बताया है कि यह सभी गोवर्धन की परिक्रमा के लिए मथुरा गए हुए थे। जहां से वापस सोते समय मनियां थाना क्षेत्र के बोथपुरा मोड़ पर एक केन्ट्रा ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिसमें उसकी नानी गयाबाई और माताजी भूरी देवी की मौके पर मौत हो गई एवं अन्य करीब 18 लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चरवाहे को पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई ने जाल में फंसाया

बीकानेर, (निसं)। सेना की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज (एमएफएफआर) में भेड़-बकरियां चराने वाले एक चरवाहे को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने अपने जाल में फंसा लिया। उसे प्रलोभन देकर फायरिंग रेंज के वीडियो बनवा कर ले लिए। सेना ने इस चरवाहे को पकड़कर कर बुधवार को महाजन पुलिस के सुपुर्द कर दिया। अब पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी चरवाहे से पूछताछ कर रहे हैं।

महाजन पुलिस थाना प्रभारी कश्यप सिंह ने बताया कि महादेववाली निवासी चरवाहे रामलाल को सेना ने पुलिस को सुपुर्द किया है। रामलाल के मोबाइल में पाकिस्तान नंबर पर कॉल

■ **चरवाहे ने फील्ड फायरिंग रेंज के वीडियो पाकिस्तान भेजे, सेना ने चरवाहे को पुलिस को सौंपा**

करने और चैटिंग करने के डेटा मिले हैं। सूत्रों के मुताबिक रेंज में भेड़-बकरियां चराने वाले रामलाल के मोबाइल पर कुछ समय पहले पाकिस्तान नंबर से एक मैसेज आया। इसमें दिए लिंक को खोलने पर चरवाहे को आई फोन उपहार में निकला होने का झांसा दिया गया। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी की ओर से भेजे गए इस लिंक पर क्लिक करने से चरवाहे का मोबाइल हैक हो गया। उसे पाकिस्तान से ऑपरेट किया जाने लगा।

इसके बाद उपहार और पैसों का लालच देकर चरवाहे से फायरिंग रेंज में भेड़ बकरियां चराते हुए रील बनाकर भेजने को कहा गया। चरवाहे ने लालच में अलग-अलग जगह की कई रील बनाकर पाकिस्तान नंबर पर भेजनी शुरू कर दी। मिल्ट्री इंटेलीजेंस (एमआई) को फायरिंग रेंज में भेड़-बकरी चराने वाले इस चरवाहे पर शक हो गया। एमआई ने इसकी निगरानी रखी और मोबाइल लेकर जांच की, तो उसमें फायरिंग रेंज की कई रील मिल गई, जिन्हें पाकिस्तान नम्बर पर भेजा गया था।

गौहर चिश्ती जेल से रिहा

अजमेर, (कासं)। सर तन से जुदा नारे लगाने के मामले में बरी होने के बाद गौहर चिश्ती को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या एक अदालत ने गुरुवार को जमानत अर्जी स्वीकार कर ली जिस पर चिश्ती को हाई सिक्योरिटी जेल से रिहा कर दिया गया। गौहर चिश्ती पर जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के चिकित्सक द्वारा मुकदामा दर्ज क़राया था, चिश्ती तभी से जमानत पर थे, लेकिन दरगाह थाना पुलिस द्वारा भड़काऊ भाषण मामला दर्ज किये जाने के बाद से गौहर चिश्ती को गिरफ्तार कर हाई सिक्योरिटी जेल में भेज दिया था।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, नर्मदा नहर परियोजना खण्ड प्रथम सांचौर

क्रमांक-लेखा/निविदा/2024-25/229 दिनांक 12.07.2024

ई-निविदा सूचना संख्या-01/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यों के लिये अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में राज्य सरकार के संशोधित आदेशों के अनुसार नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा में वर्णित 1 कार्य हेतु निविदा आफलाईन आमंत्रित की जाती है। जल संसाधन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हो या के.लो.नि.वि.ए. डाक, दूरसंार, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारों/केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों/संगठनों के पास सूचिबद्ध ठेकेदार जो राजस्थान के पात्र श्रेणी के समतुल्य हो, भी कार्य के लिए निविदा हेतु विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात पात्र है। निविदा प्रपत्र दिनांक 12.07.2024 प्रात 9.30 बजे से दिनांक 23.07.2024 सायं 06.00 बजे तक ऑनलाईन अपलोड किये जा सकेगे।

निविदा दिनांक 24.07.2024 को सायं 3 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। कार्यो की अनुमानित लागत, धरोहर राशि, प्रोसेसिंग फीस व कार्य पूर्ण करने की अवधि तथा अन्य शर्ते https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखें।

NIB CODE WRD2425A0118, UBIN NO. WRD2425WSOB00414

अधिशाषी अभियन्ता

DIPR/C/6074/2024 नर्मदा नहर परियोजना, खण्ड प्रथम, सांचौर

टैम्पो ने सड़क किनारे बुजुर्ग को टक्कर मारी

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी कस्बे में गुरुवार को एक टैम्पो ने सड़क किनारे चल रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी। इस दौरान हादसे में घायल बुजुर्ग की हालत गंभीर होने पर नीमकाथाना रैफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार शिमला निवासी मुंगाराम (77) अपने गांव से खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में एलर्जी की दवाई लेने के लिए आया था। अस्पताल में उपचार लेने के बाद वह सड़क किनारे बस स्टैंड पर जा रहा था। जब वह निर्माणाधीन सड़क पर पहुंचा तो एक टैम्पो ने उसको टक्कर मार दी। इस दौरान सड़क बनाने लिए डाली गई पत्थर की रोडियों पर गिरने से घायल हो गया। इस दौरान आसपास के ग्रामीण एकत्रित हो गए तथा घायल मुंगाराम को उपचार के लिए उप जिला अस्पताल में ले जाया गया।

इस दौरान मुंगाराम की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे नीमकाथाना जिला अस्पताल के लिए रैफर कर दिया। घटना की सूचना पर खेतड़ी पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी जुटाई। एएसआई देवेंद्र सिंह ने बताया कि टैम्पो की टक्कर से बुजुर्ग मुंगाराम घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए नीमकाथाना भेजा जा रहा है। घटना को लेकर परिजनों को सूचना दी गई है उनके आने के बाद ले जाया जाएगा। टैम्पो के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। परिजनों की ओर से दी जाने वाली रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जालोर में मूसलाधार बारिश से किसानों के चेहरे खिले

तेज बारिश होने से शहर में चारों ओर पानी ही पानी हो गया

जालोर में तेज बारिश होने से सड़कों पर तेज वेग से पानी बहने लगा।

जालोर, (कासं)। जालोर शहर में गुरुवार शाम को मूसलाधार बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया। वहीं तेज गर्मी व उमस से लोगों को काफी राहत मिली। शाम को हुई बारिश से चारों ओर पानी ही पानी हो गया।

जालोर जिला मुख्यालय पर गुरुवार शाम को करीब 6.30 बजे अचानक मौसम परिवर्तन के साथ आसमान में बादलों ने डेरा डाल दिया। इसके बाद अचानक तेज बारिश का दौर का शुरु जो कई समय तक जारी रहने से चारों ओर पानी ही पानी हो गया तथा सड़कों पर तेज वेग पानी बहने लगा। शहर के विभिन्न कॉलोनियों में पानी भर गया। साथ इस सीजन की पहली तेज बारिश होने से लोगों को उमस, तेज गर्मी से निजात मिली। इससे पहले बादलों की गड़गड़ाहट के चलते शहर में कई इलाकों में बिजली गुल हो गई बाद में हुई बारिश ने कुछ राहत दी। जालोर जिलेभर में पिछले कई दिनों से लोगों को तेज गर्मी व उमस ने परेशान कर रखा।

बारिश नहीं होने से किसानों के चेहरों पर मायूसी देखी जा रही थी। बारिश से किसानों के चेहरो पर खुशी देखी जा रही है। वहीं शहर में तेज बारिश होने से बड़ी पोल, लाल पोल, तिलक गेट पर तेज वेग से पानी बहने लगा, जिससे वहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

पाली में एक घंटे हुई जोरदार बारिश से शहर तरबतर

बारिश का दौर रुक-रुककर देर रात तक जारी रहा, शहरवासियों के चेहरे खिले

पाली शहर में हुई जोरदार बारिश से शहर की सड़कें पानी से लबालब हो गई।

पाली, (निसं)। पाली शहर में गुरुवार को शाम पांच बजे एक घंटे तक हुई जोरदार बारिश से शहर की सड़कें पानी से लबालब हो गई। इस मानसून में पहली बार शहर में इतनी अच्छी बारिश हुई।

हालांकि जिले में पिछले 15 दिन से मानसून की बरसात हर जगह हो रही है लेकिन पाली में गुरुवार को अच्छी बरसात हुई। बारिश का दौर रुक-रुक कर देर रात तक जारी रहा, जिससे शहरवासियों के चेहरे खिल गए। शहर की सड़कों पर करीब एक फीट तक पानी भर गया, जिसमें से वाहन चालक गुजरते रहे। स्टेशन चौराहा, मिल गेट, लोढ़ा स्कूल रोड, आदर्श नगर, मांड्या रोड सिंधी कॉलोनी, रामदेव रोड, नया बस स्टैंड, जंगीवाडा आदि कई क्षेत्रों में पानी भर गया।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति "विशिष्ठ श्रेणी" बारां (राज.)

गौण मंडी यार्ड केलवाड़, सीसवाली, मांगरोल, फोन नं. :- (O) 07453-234909

E-Mail :- apmcbaran@gmail.com, kums.baran@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- 1084 - 90 दिनांक :- 16/07/2024

कोरिजेन्डम नोटिस

कृषि उपज मण्डी समिति बारां द्वारा विस्तृत ई-बोली आमंत्रण सूचना क्रमांक 963-69 दिनांक 05.07.2024 से जारी सफाईकर्मियों की आपूर्ति के ई-बोली की विज्ञप्ति में निम्न प्रकार से संशोधन किया जाता है।

क्र.सं.	आइटम	प्रस्तावित दिनांक	संशोधित दिनांक
(ix)	बोली प्रस्तुत करने/अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 15.07.2024 दोपहर 12:00 बजे तक	दिनांक 19.07.2024 दोपहर 12:00 बजे तक
(x)	बोली प्रपत्र, बोली प्रक्रिया शुल्क तथा बोली प्रतिभूति के अलग-अलग डी.डी. मण्डी समिति कार्यालय में भौतिक रूप से प्रस्तुत करने की तिथि एवं समय	दिनांक 16.07.2024 सायः 5:00 बजे तक	दिनांक 22.07.2024 सायः 5:00 बजे तक
(xi)	तकनीकी बोली खोलने की दिनांक एवं समय	दिनांक 18.07.2024 दोपहर 2:00 बजे	दिनांक 23.07.2024 दोपहर 2:00 बजे

UBN No. : DAM2425SLRC00398

राज.संवाद/सी/24/2437 सचिव

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जल संसाधन खण्ड झालावाड़

क्रमांक-अ.अ./ज.सं.झा./2024/1633-54 दिनांक-11.07.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 05 वर्ष 2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फार्मो से 1. रेवा बाँध के डाउन स्ट्रीम में पौधा रोपण का कार्य (मनरेगा के अन्तर्गत सामग्री आपूर्ति) वर्ष 2024-25 2. सारनखेडी बाँध के डाउन स्ट्रीम में पौधा रोपण की कार्य (मनरेगा के अन्तर्गत सामग्री आपूर्ति) वर्ष 2024-25 3. गणेशपुरा बाँध के डाउन स्ट्रीम में पौधा रोपण की कार्य (मनरेगा के अन्तर्गत सामग्री आपूर्ति) वर्ष 2024-25 4. भीमसागर बांध के रेस्ट हाउस मय LMC & RMC पर पौधा रोपण की कार्य (मनरेगा के अन्तर्गत सामग्री आपूर्ति) वर्ष 2024-25 5.भीमसागर परियोजना बांध का गेजिंग एवं देख रेख का कार्य वर्ष 2024-25 6. भीमसागर बाँध के परियोजना का गेजिंग एवं देखरेख का कार्य वर्ष 2024-25 7.Work of Daily gauging of Kanwarpura dam including Watch & Ward Year 2024-25 8. Repairing of Main gate of Mundliyakheri Dam year 2024-25 9. Construction of Kalammndi kalan Anicut near village of Kalmndi Tehsil Jhalrapatan District Jhalawar (Under the MJSA-II) 10. Construction of Kalamndi kalan Nallah Anicut gram panchayat Kalmandi Kalan Tehsil Jhalraatan District Jhalawar Year 2024-25 (Under the MJSA-II) 11. Construction of anicut nayagav thakra amrit sarovar gram panchayat baisar S Khanpur District Jhalawar (Under the MJSA-II) 12. Construction of Jhagra anicut cum causeway at gram piplaj Khanpur District Jhalawar (Under the MJSA-II) के 12 कार्यो की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है जिसकी अनुमानित लागत 206.99 लाख है। अधिकतम कार्य की लागत रूपये 88.21 लाख एवं न्यूनतम कार्य की लागत 0.61 लाख है। ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से http://eproc.rajasthan.gov.in की वेबसाइट से डाउनलोड एवं अपलोड की जायेगी। निविदा से संबंधित विवरण विभाग की वेबसाइट waterresources.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर भी देखा जा सकता है। निविदा दिनांक 12.07.2024 से प्रात 9.30 से 25.07.2024 साय 6.00 बजे तक http://eproc.rajasthan.gov.in की अपलोड की जा सकती है/देखी जा सकती है। निविदा दिनांक 26.07.2024 को सायं 4.00 बजे खोली जायेगी।

UBN NO. WRD2425SSOB00403, WRD2425WSOB00407, WRD2425SSOB00404, WRD2425SSOB00405, WRD2425SSOB00399, WRD2425WSOB00410, WRD2425GSOB00401, WRD2425WSOB00408, WRD2425WSOB00409, WRD2425SSOB00406, WRD2425GSOB00400, WRD2425GSOB00402

(बाबूलाल गहलोत)

अधिशाषी अभियन्ता

DIPR/C/6009/2024 जल संसाधन खण्ड झालावाड़

OFFICE OF THE GRAM PANCHAYAT DABALI P.S. SAYLA (JALORE)

No. 204 **Notice Inviting Bid** Date- 11.07.2024

Bid for Civil Goods and Equipment Supply Work are invited from interested bidders upto 20.07.2024 Date 6PM Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://proc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and notice board of this office. The approximate value of the procurement is Rs. 100.00 Laks.

UBN- ZJR2425GLRC00132

हनुमानाराम, सरपंच ग्राम विकास अधिकारी

ग्राम पंचायत डाबली ग्राम पंचायत डाबली

पं.स. सायला (जालोर) पं.स. सायला (जालोर)

DIPR/C/5975/2024

बुजुर्ग महिला से 99 हजार की ऑनलाइन ठगी

अजमेर, (कासं)। एक ओर जहां साइबर क्राइम को लेकर पुलिस व प्रशासन लोगों से ओटीपी, लिंक, पासवर्ड आदि को लेकर जागरुक कर रहा है तो वहीं शातिर ठग लोगों की नादानी का फायदा उठा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला गुरुवार को सिविल लाइन थाना क्षेत्र का सामने आया है। बुजुर्ग महिला को हेल्प लाइन पर कॉल करना भारी पड़ गया। शातिर ठग ने रिचार्ज राशि रिफंड का झांसा देकर लिंक भेजकर महिला के बैंक खाते से 99 हजार 201 रुपए विड्रोल कर ऑनलाइन ठगी की वारदात अंजाम दे डाली। पीड़िता ने सिविल लाइन थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिविल लाइन थाने के हैड कांस्टेबल सज्जन सिंह ने बताया कि मकान नंबर 115-10 सिविल लाइन निवासी कुमुद माथुर ने 13 जुलाई को जीओ कंपनी के मोबाइल को फोन-पे के माध्यम से रिचार्ज किया, लेकिन रिचार्ज नहीं हुआ। कुमुद ने बताया कि गूगल के माध्यम से कंपनी का कस्टमर केयर नंबर निकालर कर फोन कर सूचना देना चाहा, लेकिन उनका फोन कट हो गया। इसके बाद एक अन्य नंबर से फोन आया। शातिर ठग ने झांसा देते हुए उन्हें एक लिंक भेज कर उस पर क्लिक करने को कहा, जिस पर पीड़िता कुमुद ने लिंक पर जैसे ही क्लिक किया, वैसे ही पहली बार में उनके बैंक खाते से 4 हजार 601 रुपए और उसके छोड़े देर बाद दूसरी बार में 94 हजार 600 रुपए निकल गए। 99 हजार 201 विड्रोल कर लिए। पीड़िता ने बैंक प्रबंधन को इसकी सूचना दी, सिविल लाइन थान अज्ञात शातिर ठग के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

OFFICE OF SUPERINTENDING ENGINEER P.H.E.D CIRCLE TONK

No.-4060-66 Date-11/07/2024

NOTICE INVITING TENDERS THROUGH e-procurement system NIT No. 08-13/2024-25

Bids are invited from interested bidders from 12.07.2024 (06.00 PM) to 24.07.2024 (06.00 PM) as per following details. Other particulars of the bid may be visited on procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.raj.nic.in) of the state

NIB No. PHE 2425A1250

NIT No.	Name of Work	UBN No.
08/2024-25	Providing, laying and jointing of different size of pipe line in Urban and Rural water supply scheme under jurisdiction of Division Malpura under Annual Rate Contract. (Estimated Cost Rs. 120.00 Lacs)	PHE2425 WSRC02759
09/2024-25	Drilling of bore hole by DTH & Combination rig of 200 mm dia, supply and installation of energy efficient Submersible Pump sets, Panels, Cables and other allied works including commissioning and testing of tube well at rural and urban scheme under jurisdiction of Division Malpura under Annual rate contract. (Estimated Cost Rs. 120.00 Lacs)	PHE2425 WSRC02760
10/2024-25	Constructions of 125mm diameter New Handpump by DTH / Combination system under jurisdiction of Division Malpura under Annual Rate Contract (Estimated Cost Rs. 120.00 Lacs)	PHE2425 WSRC02761
11/2024-25	Providing, laying and jointing of different size of pipe line in Urban and Rural water supply scheme under jurisdiction of Division Tonk under Annual Rate Contract. (Estimated Cost Rs. 120.00 Lacs)	PHE2425 WSRC02762
12/2024-25	Drilling of bore hole by DTH & Combination rig of 200 mm dia, supply and installation of energy efficient Submersible Pump sets, Panels, Cables and other allied works including commissioning and testing of tube well at rural and urban scheme under jurisdiction of Division Tonk under Annual rate contract. (Estimated Cost Rs. 120.00 Lacs)	PHE2425 WSRC02763
13/2024-25	Constructions of 125mm diameter New Handpump by DTH / Combination system under jurisdiction of Division Tonk under Annual Rate Contract (Estimated Cost Rs. 120.00 Lacs)	PHE2425 WSRC02764

Date & time of opening of Technical Bid 25.07.2024 at 11:00 AM

(Rajesh Kumar Goyal)

Superintending Engineer

DIPR/C/6091/2024 PHED Cirlce Tonk

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड केकडी

कमांक-586-604 दिनांक-10/07/24

Notice Inviting Bid No :-01/2024-25

Bids For Rate Contract for Patch Repair Work on Various Road under PWD Dn Kekri Procurement are Invited from interested bidders upto 6.00 PM of 22.07.2024 Other particulars of the id may be visited on the procurement portal (http:// eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state website. The approximate value of the procurement is Rs. 185.00 Lacs.

UBN No : PWD2425WSRC02479, PWD2425WSRC02480 PWD2425WSRC02481, PWD2425WSRC02482

(Bhim Singh Meena)

Executive Engineer

DIPR/C/5979/2024 PWD Dn. Kekri

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. MANGROL

File No.:-521 Date:-12.07.2024

Notice Inviting Bid

Bid for "Major road repair work on Annual rate Contract basis" NIT No. 03/2024-25 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 02.08.2023. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 260.00 lacs.

UBN No.

1. PWD2425WSRC02722
2. PWD2425WSRC02723
3. PWD2425WSRC02724
4. PWD2425WSRC02725
5. PWD2425WSRC02726

(Ashok Sanadhya)

Executive Engineer

DIPR/C/6083/2024 PWD Division Mangrol

OFFICE OF THE GRAM PANCHAYAT BAIRATH P.S. SAYLA (JALORE)

No. 158 Date- 09.07.2024

Notice Inviting Bid

Bid for Supply work of civil goods & equipments are invited from interested bidders upto 21.07.2024 Date 06PM Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://proc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and notice board of this office. The approximate value of the procurement is Rs. 100.00 Laks.

UBN- ZJR2425GLRC00140

(छैलसिंह राजपुरोहित) सरपंच ग्राम विकास अधिकारी

ग्राम पंचायत बैरठ ग्राम पंचायत बैरठ

पं.स. सायला (जालोर) पं.स. सायला (जालोर)

DIPR/C/6089/2024

युवती से दुर्व्यवहार मामले में यातायात पुलिस का ए.एस.आई. सस्पेंड

ए.एस.आई. ने नशे की हालत में युवती का हाथ पकड़ा था

जोधपुर, (कासं)। रातानाडा थानान्तर्गत लोको रोड पर नशे की हालत में एक ब्यूटीशियन से दुर्व्यवहार करने के आरोपी यातायात पुलिस के एएसआई अमित मीणा को सस्पेंड कर दिया गया है।

उसने नशे की हालत में सरकारी बाइक पर सवार होकर बिना हेलमेट मोपेड चला रही ब्यूटीशियन को रोका और हाथ पकड़कर चाबी निकाल ली थी। इतना ही नहीं उसने पांच हजार रुपए भी मांगे। तीन दिन थाने के चक्कर लगाने के बाद बुधवार को एफआइआर दर्ज होने पर जब एएसआई शराब के नशे में थाने पहुंचा तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। उसे तत्काल लाइन हाजिर कर विभागीय कार्रवाई शुरू की गई। अब उसे सस्पेंड कर दिया गया है।

■ **जब एएसआई शराब के नशे में थाने पहुंचा तो गिरफ्तार कर लिया था**

एक युवती ने पुलिस को बताया था कि रातानाड़ा में उसका ब्यूटी पार्लर है, जहां काम समाप्ति के बाद वह 15 जुलाई की रात नौ बजे मोपेड पर घर के लिए रवाना हुई थी। उसने हेलमेट नहीं पहन रखा था। लोको रोड पर सरकारी बाइक सवार एएसआई वर्दी में आया और उसे रुकने के लिए आवाज लगाई। कुछ आगे जाकर उसने बाइक आगे लगाकर युवती को रोका। युवती का आरोप है कि एएसआई ने हेलमेट न पहना होने पर पांच हजार रुपए मांगे, न देने पर मोपेड की चाबी मांगी। उसने चाबी नहीं दी तो एएसआइ ने हाथ पकड़कर दूर हटाया और चाबी निकालने लगा। इस बीच, आसपास के लोग वहां आ गए।

युवती ने अपने परिचितों को फोन कर जानकारी दी। उन्होंने पुलिस को सूचित किया। रातानाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची तो एएसआई आवेश में आकर युवती की मोपेड को टक्कर मारकर मौके से रवाना हो गया। युवती ने उसके खिलाफ थाने में लिखित शिकायत दी, लेकिन पुलिस ने दर्ज नहीं की। दो दिन तक युवती एफआईआर दर्ज करने के लिए थाने के चक्कर लगाती रही, लेकिन विभाग की बदनामी की आशंका से कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस बीच बुधवार को आला अफसर तक मामला पहुंचा तो पुलिस हरकत में आई। इसके बाद मामला दर्ज किया गया।

युवती की शिकायत पर जांच करने के लिए पुलिस ने एएसआई अमित मीणा को रातानाडा थाने बुलाया। कुछ देर बाद ही एएसआई थाने पहुंच गया, लेकिन वह शराब के नशे में था। पुलिस ने उसकी जांच करवाई तो 179 एमएल शराब पीने की पुष्टि हुई। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय व यातायात शरद चौधरी ने एएसआइ को तुरंत लाइन हाजिर कर दिया। अब एएसआई अमित मीणा को सस्पेंड कर दिया है।

बजट को देखकर लगता है हमारा क्या है, सब कुछ तो ठाकुर का है : हरीश चौधरी

बीजेपी विधायकों ने हरीश चौधरी पर जातिवाद फैलाने और एक वर्ग को आहत करने का आरोप लगाया

- संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा हम सब एक हैं, आहत करने वाली टिप्पणी नहीं करनी चाहिए
- विधायक अमृतलाल मीणा ने कहा हरीश चौधरी एससी-एसटी को ठाकुर बता रहे थे। वो कितने सच्चे, कितने काले हैं, इसकी जांच होनी चाहिए। मीणा ने कहा कि देश की पाइपलाइन, पूरी रिफाइनरी खा गए

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में अनुदान मांगों पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने बजट की तुलना ठाकुर का कुआं कविता से की। हरीश चौधरी ने कहा क्रांतिकारी कवि ओमप्रकाश वाल्मीकि ने ठाकुर का कुआं कविता के जरिए भेदभाव का दर्द बयां किया था। वो ही दर्द इस बजट को पढ़कर दिखेगा।

उन्होंने कहा कि मैं कम पढा जरूर हूं, केवल पोस्ट ग्रेजुएट हूं। चूल्हा मिट्टी का, मिट्टी तालाब की, तालाब ठाकुर का, भूख रोटी, रोटी बाजरे की, बाजरा खेत का, खेत ठाकुर का। बैल ठाकुर का, हल ठाकुर का, हल की मूठ पर हथेली अपनी। फसल ठाकुर की, कुआं ठाकुर का खेत-खलिहान ठाकुर के। हमारा क्या है, हमारा कुछ नहीं है, सब कुछ ठाकुर का है। हम आरक्षण के नाम पर दर्द बयां करते हैं तो हंसी उड़ाई जाती है। 80 फीसदी संसाधन ऊंची जातियों के पास हैं। हम पिछड़ों के पास क्या है। हम लोग जो ओबीसी में पिछड़े आते हैं उनका क्या है। केवल 17 परसेंट मिला। नौकरियों में रोस्टर के नाम पर खेल किया जाता है। ओबीसी वोट के समय ही याद आते हैं।

बीजेपी विधायकों ने हरीश चौधरी पर जातिवाद फैलाने और एक वर्ग को आहत करने का आरोप लगाया। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने सभापति से इसे कार्यवाही से निकालने की मांग की। पटेल ने कहा हम सब एक हैं, आहत करने वाली टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। पटेल ने हरीश चौधरी से कहा कि आपने जो बोला आपके विषय के अनुकूल नहीं है, आपको स्वीकार करना पड़ेगा आप किसी को ठेस नहीं पहुंचा सकते। इस पर सभापति संदीप शर्मा ने कहा कि जो सदन के अनुकूल नहीं होगा उसको कार्यवाही से निकाल दिया जाएगा।

बीजेपी विधायक अमृतलाल मीणा ने हरीश चौधरी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा हरीश चौधरी एससी-एसटी को ठाकुर बता रहे थे। वो कितने सच्चे, कितने काले हैं, इसकी जांच होनी चाहिए। मीणा ने कहा कि देश की पाइपलाइन, पूरी रिफाइनरी खा गए। उस एरिया में जाकर देखें, किसी पर उंगली उठाने से क्या होता है। सब जानते हैं पूरे बाड़मेर को लूट लिया। आदिवासी को ठाकुर कह रहे हैं। यह सहन नहीं होगा, नहीं सहेगा राजस्थान, नहीं सहेगा एससी-एसटी।

इस पर हरीश चौधरी ने कहा हिम्मत है तो कर लो, यह आवाज मजदूर पिछड़ों की है, तमाम लोग इकट्ठे हो जाएं यह दबा नहीं सकते हैं। हरीश चौधरी जर खरीद लोगों के आगे नहीं झुकेगा।

'प्रदेश में 7 अगस्त को 1 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाएंगे'

अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने गुरूवार को सभी जिलों के कलेक्टरों को शासन सचिवालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निर्देश दिए।

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज अभय कुमार ने गुरूवार को कहा कि प्रदेश में ''हरियालो राजस्थान'' अभियान के तहत 7 अगस्त हरियाली तीज के शुभ अवसर पर प्रदेश में 1 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने इस अभियान को सफल बनाने के लिए पूर्व में ही आवश्यक तैयारियों को सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि समय रहते पौधों के लिए गड्ढे खोदे जाए। साथ ही यदि किसी जिले में पौधों की उपलब्धता नहीं है तो पूर्व में ही सूचित करें ताकि समय रहते उपलब्ध कराए जा सकें।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इस महत्वाकांक्षी पहल को सफल बनाने के लिए सभी जिलों के कलेक्टरों को शासन सचिवालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रदेश को हरियाली से भरने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

- इस अभियान में वन विभाग 60 लाख और ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग 40 लाख पौधे लगाएगा

अभय कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान में हमारा लक्ष्य न केवल अधिक से अधिक पौधे लगाना है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि वे पौधे जीवित रहें और फल-फूल सकें। सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में इस अभियान को सफलता पूर्वक लागू करे और इसकी निगरानी करें।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि इस कार्यक्रम में महिलाओं की विशेष भागीदारी सुनिश्चित की जाए। जिसमें महिला जनप्रतिनिधि, महिला अधिकारी/कर्मचारी, लखपति दीदी, आंगनबाडी कार्यकर्ता एवं सहायिका, आशा सहयोगिनी, राजीविका सखी, नरेगा महिला मेट, महिला स्वयं सहायता समूहों के सदस्य, स्कूल एवं कॉलेज की छात्राएं आदि हर स्तर के कार्यक्रम में भागीदारी हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण अभियान में महिलाओं को जोड़ा जाए। साथ ही जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करते हुए प्रत्येक गांव में वृक्षारोपण किया जाए। उन्होंने कहा कि राजीविका की महिलाएं इस कार्य में बढ़-चढ़ कर भाग ले, यह सुनिश्चित किया जाए। ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़ कर भाग ले और प्रदेश को हरा-भरा बनाने में अपना योगदान दे।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी ने कहा कि वन विभाग द्वारा 7 अगस्त से वृक्षारोपण के दौरान लगने वाले पौधे वन भूमि में ही लगाए जाऐंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि इस दिन बड़े स्तर पर वृक्षारोपण होना है। अत: श्रमिकों की समस्या नहीं हो यह सुनिश्चित किया जाए। शासन सचिव, पंचायती राज रवि जैन ने कहा कि पौधों के वृक्षारोपण के बाद उन्हें फोटो सहित राज जिओ ट्री एप पर अपलोड करें। इस महत्वपूर्ण अभियान में ग्रामीण एवं पंचायती राज, राजीविका, जलग्रहण विकास, शिक्षा, कृषि एवं उद्यानिकी, वन एवं पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, सार्वजनिक निर्माण, एनएएचआई, उद्योग, रीको, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, जल संसाधन, चिकित्सा, खनिज, नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन सहित अन्य विभागों की भागीदारी रहेगी। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

इन्टेलीजेंस ट्रेनिंग अकादमी में एविएशन सिक्युरिटी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के लोगों का अनावरण

जयपुर। पुलिस महानिदेशक इन्टेलीजेंस, राजस्थान संजय अग्रवाल ने इन्टेलीजेंस ट्रेनिंग अकादमी, जयपुर में राज्य विशेष शाखा के प्रथम बार चयनित कांस्टेबल के बैच से संवाद किया। अग्रवाल ने इस मौके पर एविएशन सिक्यूरिटी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, जयपुर के लोगो का भी अनावरण किया।

डीजी अग्रवाल ने आईबी के प्रथम बैच के कांस्टेबल प्रशिक्षुओं से संवाद कर सभी प्रशिक्षणार्थियों को वर्तमान में तकनीकी विकास के परिदृश्य में आसूचना एवं सुरक्षा की दृष्टि से मन लगाकर प्रशिक्षण प्राप्त करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अन्त में अकादमी निदेशक दीपक भार्गव ने प्रशिक्षण के

दौरान भविष्य की चुनौतियों के अनुसार किये जा रहे नवाचारों के अन्तर्गत सोशल मीडिया निगरानी, साईबर सुरक्षा एवं ड्रोन प्रशिक्षण के संबंध में अवगत कराया। साथ ही संस्था में चल रहे नवीनीकरण कार्यों की जानकारी दी।

समारोह के दौरान अग्रवाल ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शालीनी सक्सेना को डीजी नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) द्वारा प्रदत्त डीजी डिस्क प्रदान की। एएसटीआई के इन्स्ट्रेक्टर हीरालाल शर्मा, सुमिता शर्मा, राजकुमार शर्मा, विकास टिबरेवाल को बीसीएएस इन्स्ट्रेक्टर चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया। साथ ही उप निरीक्षक रामचन्द्र कुमावत को स्क्रीनर चिन्ह एवं प्रमाण पत्र तथा एएसटीआई की स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने पर रमेश शर्मा को प्रमाण पत्र मय चिन्ह प्रदान किया गया।

- डीजी इंटेलिजेंस अग्रवाल ने आईबी में कांस्टेबल के पहले बैच से संवाद किया

इस अवसर पर महानिरीक्षक पुलिस सुरक्षा राजेश मीणा, उप महानिरीक्षक पुलिस एसएसबी विकास शर्मा, उप महानिरीक्षक पुलिस इन्टेलीजेंस डॉ. राजीव पचार, उप महानिरीक्षक पुलिस एवं निदेशक, इन्टेलीजेंस प्रशिक्षण अकादमी जयपुर के प्रशिक्षणार्थी एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

दिलावर ने सदन में माफी मांगी

जयपुर, (वि.सं.)। आदिवासियों के डीएनए वाले बयान पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने विधानसभा में आज माफी मांग ली है। विधानसभा में आज प्रश्नकाल शुरू करने से पहले ही दिलावर को स्पीकर ने बोलने की इजाजत दी। दिलावर के खड़े होते ही विपक्ष ने आपत्ति की, लेकिन स्पीकर ने कहा कि आपको सुनना पड़ेगा। इसके बाद दिलावर ने कहा कि यदि विपक्षा को या मेरे आदिवासी भाईयों को मेरे बात करने से, मेरे बोलने से या कुछ बातों से कष्ट हुआ है तो मैं उसके लिये खेद प्रकट करता हूं। गौरतलब है कि विपक्षी कांग्रेस और बीएपी ने मदन दिलावर का सदन में बहिष्कार कर रखा था। दिलावर जैसे ही सदन में शिक्षा से जुड़े सवालों या किसी मुद्दे का जवाब देने खड़े होते थे, विपक्ष हंगामा करता था।

जैसलमेर में हुए गौशालाओं के फर्जीवाड़े में पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के शामिल होने का आरोप

पिछली सरकार के समय दो साल में 51 करोड़ 23 लाख रुपये का अनुदान उठा लिया गया : कालीचरण सराफ

जयपुर, (वि.सं.)। जैसलमेर जिले की गौशालाओं में कांग्रेस राज के दौरान हुए फर्जीवाड़े में बीजेपी विधायक कालीचरण सराफ ने पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद और उनके नजदीकी लोगों के शामिल होने का आरोप लगाया।

सराफ ने कहा कि जिन 12 गौशालाओं का अनुदान रोका गया वे पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद और उनके नजदीकी लोगों की गौशालाएं थीं। उन्होंने गड़बड़ी की, लेकिन राजनीतिक पहुंच के कारण उनकी जांच नहीं हुई। उन्होंने कहा कि इन गौशालाओं में 7129 गायें बताई गई और जांच के दौरान केवल 310 मिलीं। आपने अनुदान तो रोक दिया पर क्या यह सही है कि पिछली सरकार के समय दो साल में 51 करोड़ 23 लाख रुपये का अनुदान उठा लिया गया। उस पर क्या वसूली की कार्यवाही करेंगे। जवाब में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि इस मामले की एसीबी में जांच प्रक्रियाधीन है। 32 गौशालाओं ने फर्जी तरीके से अनुदान उठाया, वहां जांच करवाने पर पाया गया कि जितनी गायों की संख्या बताई थी, उतनी गायें जांच में मौके पर नहीं मिलीं। अनुदान में फर्जीवाड़ा हुआ तो वसूली भी करेंगे। उन्होंने कहा कि कोई कितनी भी पहुंच वाला आदमी हो, यदि जांच में फर्जीवाड़ा पाया गया तो कार्यवाही करेंगे और वसूली भी करेंगे।

35 किलो मांस जब्त, दुकान सीज

जयपुर । नगर निगम हैरिटेज की पशु प्रबंधन शाखा ने गुरुवार को बिना लाइसेंस और खुले में मीट बेचने वाली दुकानों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक दुकान सीज की है। हेरिटेज निगम के पशु प्रबंधन शाखा उपायुक्त राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि हेरिटेज निगम की ओर से बिना लाइसेंस और खुले में मांस बेचने पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। गुरुवार को निगम टीम ने पठानों का चोक, ब्रह्मपुरी, हांडीपुरा, घोड़ा निकास रोड, कसाइयों की मोरी, चार दरवाजा इलाके में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई दुकानों पर खुले में मीट बेचा जा रहा था । जिस पर कार्रवाई करते हुए 7300रुपए का चालान किया गया।

'सामाजिक न्याय-अधिकारिता विभाग का बजट इस बार 30 प्रतिशत बढ़ाया'

- मंत्री अविनाश गहलोत ने सदन में कहा, ''भजनलाल सरकार ने पेंशन में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर जरूरतमंदों को सामाजिक सुरक्षा दी''

जयपुर (विसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने महंगाई के बावजूद आमजन को राहत पहुंचाने के लिए बजट को बढ़ाकर विकसित राजस्थान-2047 का स्वरूप दिया है। सामाजिक न्याय एवं सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं के संचालन के लिए राज्य सरकार ने विभाग के बजट में पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत की वृद्धि की है। आमजन को राहत देने के लिए 100 दिन की कार्ययोजना बनाकर उसे समयबद्ध रूप से क्रियान्वित भी किया।

अविनाश गहलोत गुरुवार को विधानसभा में मांग संख्या -31 (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग) की अनुदान मांगों पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे। चर्चा के बाद सदन ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की 1 खरब 18 अरब 72 करोड़ 89 लाख 37 हजार रूपये की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दीं।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के विकास और सशक्तीकरण के लिए एससीएसपी एवं टीएसपी फंड्स को 1000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1500 करोड़ रुपये किया है। आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग के युवाओं को रोजगार, बालिकाओं को सम्बल तथा परिवारों की सामाजिक सुरक्षा के लिए पहली बार 150 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

श्री गहलोत ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान व उन्हें राहत प्रदान करने के लिए अनुजा निगम एवं अन्य पिछडी जाति विकास निगम आदि के माध्यम से इस वित्तीय वर्ष में 100 करोड रुपये की सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

पुलिस की सक्रियता के चलते फायरिंग की घटनाओं में आई कमी : दिनेश एम.एन.

जयपुर। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस एजीटीएफ एवं अपराध दिनेश एमएन ने कहा कि पराधियों की धर पकड़ एवं इनकी गतिविधियों पर निगरानी के सकारात्मक परिणाम स्वरूप प्रदेश में फायरिंग की घटनाओं में इस साल बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

पुलिस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि फायरिंग के प्रकरणों में वर्ष 2023 के मुकाबले इस वर्ष जून महीने तक दर्ज किए गए प्रकरणों की संख्या में 41.89 प्रतिशत, घायलों की संख्या में 59.56 एवं मृतकों की संख्या में 44.44 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। एमएन ने बताया कि प्रदेश में फायरिंग के मामले में साल 2021 में जून महीने तक 223 प्रकरण दर्ज हुए। जिसमें 129 घायल व 32 की मौत हो गई। साल 2022 में जून महीने तक 272 प्रकरण दर्ज हुए, जिसमें 151 घायल व 30 की मौत हो गई।

इसी प्रकार साल 2023 में जून महीने तक 265 प्रकरण दर्ज हुए, जिसमें 183 घायल व 27 की मौत हो गई। इसकी तुलना में साल 2024 में जून महीने तक 154 प्रकरण दर्ज हुए, जिसमे 74 घायल व 15 की मौत हुई है।

एन्टी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने 16 दिसम्बर2023 से अब तक 37 ईनामी अपराधी गिरफ्तार किये गये। इनमें 1 लाख का 1, 50 हजार के 6, 35 हजार के 3, 25 हजार के 11, 20 हजार के 2, 15 हजार का 1, 10 हजार के 5 और 5 हजार के 8 ईनामी शामिल है। इनमें 25 हजार का ईनामी आतंकवादी मेराजूद्दीन को गिरफ्तार किया था।

वहीं अवैध मादक पदार्थ, अवैध शराब के विरूद्ध कार्यवाही में कुल 14 अपराधी गिरफ्तार कर 8,628 किलोग्राम डोडा चुरा व पोस्त, 2 किलो 50 ग्राम अफीम 534 कार्टून अवैध अग्रेजी शराब एवं 124 कार्टून अवैध देशी शराब जब्त की गई।

अवैध हथियारों के विरूद्ध कार्रवाई में कुल 17 अपराधी गिरफ्तार कर 68 अवैध हथियार, 19 मैग्जीन व 112 कारतूस जब्त किए गए।

राजू ठेहट गैंग को हथियार सप्लाई करने वाले अपराधी को करौली से 9 अवैध देशी पिस्टल, 16 मैगजीन व 02 कारतूस के साथ गिरफ्तार किया।

डकैतों व बदमाशों को हथियार सप्लाई करने वाले अपराधियों को धौलपुर से 20 अवैध हथियार व 32 कारतूस के साथ गिरफ्तार किया।

भील प्रदेश हमारा अधिकार : थावरचंद

जयपुर, (वि.सं.)। बीएपी विधायक थावरचंद गहलोत भील प्रदेश लिखी टी-शर्ट पहनकर सदन में पहुंचे। उन्होंने विधानसभा में भील प्रदेश की मांग उठाई। थावरचंद ने कहा कि आज जब मैं सदन में बोल रहा हूं उस समय मानगढ़ धाम में 4 राज्यों के 10 लाख आदिवासी महासम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम आदिवासियों को गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और राजस्थान में बांट दिया गया है।

कई आदिवासी धर्म परिवर्तन करके ईसाई बन जाते हैं, इसकी जांच होनी चाहिए : समाराम

विधायक समाराम ने सदन में कहा कि, ''जिन्होंने धर्म बदल लिया, उनको जनजाति सूची से हटाना चाहिए, क्योंकि ये अपना धर्म तो ईसाई बताते हैं और आदिवासियों के लिए बनी योजनाओं का फायदा उठाते हैं।''

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । विधायक समाराम ने गुरूवार को विधानसभा में टी.ए.डी. और सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान कहा कि, मैं आदिवासी क्षेत्र से आता हूं। यहां कई आदिवासी अपना धर्म परिवर्तन करके ईसाई बन जाते हैं, इसकी जांच होनी चाहिए। जिन्होंने अपना धर्म बदल लिया, उनको जनजाति की लिस्ट से हटाया जाना चाहिए, क्योंकि ये अपना धर्म तो ईसाई बताते हैं और आदिवासियों के लिए बनी योजनाओं का फायदा लेते हैं। जो आदिवासी खुद को हिंदू नहीं मानते है, उन्हें आरक्षण का लाभ भी नहीं मिलना चाहिए।

विधायक समाराम ने कहा कि हर आदिवासी हिंदू है, क्योंकि हिंदू वहीं है, जो सनातन से चला आ रहा है। आदिवासी भी सनातनी है। ऐसे लोगों को जनजाति की लिस्ट से हटाया जाना चाहिए, जो खुद को हिंदू नहीं मानते हैं, क्योंकि जनजाति का आरक्षण केवल हिंदुओं को ही दिया गया है। समाराम से पहले किशनगंज से भाजपा विधायक ललित मीणा ने भी सदन कहा था कि जो लोग अपना धर्म परिवर्तन कर लेते हैं, उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। भाजपा के कपासन विधायक अर्जुनलाल जीनगर ने विधानसभा में कहा कि, रोस्टर में एससी-एसटी के पद घटाए जा र रहे हैं। पद कम नहीं होने चाहिए। उन्होंने बिजली के कनेक्शनों में एससी-एसटी को प्राथमिकता देने, हर जिले में वृद्धा आश्रम बनाने, नशा मुक्ति केन्द्र खोलने की मांग करते हुए चित्तौडगढ़ में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में संयुक्त निदेशक स्तर का का अधिकारी लगाने की आवश्यकता जताई।

- विधायक गणेश घोघरा ने आदिवासियों को हिंदू धर्म से अलग बताते हुए भिन्न कोड तय करने और आदिवासियों को आठ लीटर मुहएं रखने की अनुमति देने की मांग उठाई

डूंगरपुर से कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा ने सदन में आदिवासियों के लिए अलग से कोड लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा- जब देश में जैन धर्म, बौद्ध धर्म, हिन्दू और मुस्लिम धर्म का कोड अलग है तो फिर आदिवासियों का कोड अलग क्यों नहीं हो सकता है। गणेश घोघरा ने आदिवासी कोड की मांग करके एक बार फिर आदिवासियों को हिन्दू धर्म से अलग बता दिया है। इसके साथ ही घोघरा ने जातिगत जनगणना की मांग भी की है। उन्होंने कहा- देश में जातिगत जनगणना होनी चाहिए। उसी से पता चलेगा कि देश में कितने आदिवासी हैं, उसी के अनुसार हमें आरक्षण मिलना चाहिए।

घोघरा ने कहा कि आदिवासियों की परम्परा में ही वार-त्यौहार (महुएं देशी शराब का रूप) का चलन है। एकाध लीटर सभी आदिबासी घरों में रखते हैं, लेकिन पुलिस उन्हें पकड़ती है और मामले दर्ज हो जाते हैं। सरकार टीएसपी एरिया में आठ लीटर महुएं को रखने की परमिशन दें और अगर ऐसा नहीं किया जा सकता है तो शहरों की बार-शराब की दुकानों को भी बंद कर दे।

उन्होंने माही डेम का पानी सबसे पहले बांसवाड़ा में पेयजल के लिए देने, जनसंख्या के आधार पर टीएसपी में आरक्षण, प्रशासनिक भर्ती में छह फीसदी आरक्षण, जातिगत जनगणना कराने, आदिवासियों के लिए हिन्दू, मुस्लिम, जैन इत्यादि की तरह अलग से कोड बनाने, एरिया में उद्योग धंधे विकसित करने, मनरेगा में मजदूरी दिवस दो सौ दिन करने की मांग की।

रानीवाड़ा से कांग्रेस के विधायक रतन देवासी ने चर्चा के दौरान कहा कि सिरोही से सटे जालौर इलाके में 40 फीसदी एसटी वर्ग के लोग रहते हैं, लेकिन यहां टीएसपी एरिया नहीं है। सरकार को चाहिए कि वे इसके लिए प्रयास करें और तब तक उन्हें टीएसपी एरिया में चल रही योजनाओं का फायदा दें।

उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से दिए जाने वाले दो लाख रूपए के रोजगार लोन पर मार्जिन मनी का प्रावधान हटाने, विशेष योग्यजन को स्कूटी की जगह रोजगार के लिए ई-रिक्शा देने का प्रावधान करने, टीएसपी एरिया में एसटी वर्ग को कृषि कनेक्शन में प्राथमिकता देने, जयपुर में कोचिंग छात्रों के लिए हॉस्टल बनवाने, आवासीय छात्रावास के साथ स्कूल के अलावा कॉलेज भी बनवाने की मांग भी की है।

'भारत सरकार से बजट में सहकारी बैंकों के लिए पूंजीकरण सहायता की मांग'

जयपुर (कासं)। ऑल इण्डिया को-ऑपरेटिव बैंक एम्पलाईज फैडरेशन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक चेन्नई में संपन्न हुई। बैठक में भाग लेकर आए फैडरेशन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष तमिलनाडु से जी वाईरप्पन ने की। एआईबीईए के राष्ट्रीय महासचिव सीएच वेंकटचलम ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन दिया । आमेरा ने भी मुद्दों पर बैठक को संबोधित किया ।

सहकार नेता आमेरा ने बताया कि बैठक में सहकारी बैंकिंग व्यवस्था व सहकारी साख आंदोलन को सक्षम , सुदृढ़ व पारदर्शी बनाए जाने पर विचार करते हुए देश के किसानों के हित में सहकारी बैंकों के पूँजीगत संसाधन के लिए भारत सरकार से सहकारी बैंको के लिए बजट में पुनर्पूंजीकरण सहायता का बजट प्रावधान करते हुए सहायता जारी करने की माँग की गई। भारत सरकार द्वारा हर वर्ष व्यावसायिक बैंको के लिए करोड़ों रूपये की पूँजीगत सहायता जारी की जाती है लेकिन किसानों व कृषि से जुड़े सहकारी बैंकों को कोई पूँजीगत सहायता नहीं दी जा रही है जबकि सहकारी बैंकों से करोड़ों रुपये का आयकर उगाया जाता है, जिससे सहकारी बैंक कमजोर हो रहे है।

आमेरा ने बताया कि बैठक में भूमी विकास बैंकों का सविलयन व समामेलन में पीएलडीबी को एसएलडीबी की शाखा बनाकर इस सेक्टर को पूँजीगत सहायता से आर्थिक पुनरुद्धार करना, सहकारी बैंकिंग में सीसीबी को अपैक्स बैंक की शाखाए बनाकर टू टियर बैंकिंग व्यवस्था से राज्य में एक बड़ा सहकारी बैंक बनाना, पेक्स कार्मिक के सेवा शर्तों में वेतन भुगतान सुनिश्चित करना , सहकारी कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा के लिए पेंशन सुविधा लागू करना, ईपीएस 95 से देय उच्च पेंशन जारी करना , सहकारी बैंकों पर आयकर प्रावधान समाप्त कर पहले की तरह आयकर फ्री करना, बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट के प्रावधान व रिजर्व बैंक के निर्देश प्रभावी रूप से लागू करना, नेट व डिजिटल बैंकिंग स्वीकृति के लिए उदारता बरतना सहित अरबन बैंकिंग व्यवस्था में हो रहे ग़बन व घोटालो से आमजन को सुरक्षित करना आदि मुद्दों पर चर्चा कर प्रस्ताव पारित किए गये।

आमेरा ने बताया कि फ़ैडरेशन के अखिल भारतीय आव्हान पर इन सभी मुद्दों व माँग को लेकर अगस्त-सितंबर माह में सहकारी बैंक कर्मचारी व अधिकारी राज्यों में सेमिनार व सम्मेलन आयोजित कर कार्मिको को जागरूक अभियान चलायेंगे।

बिजली-पानी के मुद्दे पर सदन में हंगामा

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज शून्यकाल के दौरान बिजली संकट के मुद्दे पर कांग्रेस विधायकों ने हंगामा किया। कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने शून्यकाल में पर्ची के माध्यम से बिजली संकट का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आज बिजली को लेकर त्राहिमाम है। कोई सुनने वाला नहीं है। कोई बिजली,पानी मांगने आंदोलन करता है तो सरकार जेल में डाल देती है। बूंदी में हमने प्रदर्शन किया तो हमारे नेताओं के खिलाफ ही मुकदमे कर दिए।

इसके बाद उर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने जवाब में कहा कि कांग्रेस सरकार ने दूसरे राज्यों से समझौते किए और पीक सीजन में जब राजस्थान में डिमांड ज्यादा होती है बिजली बैंकिंग समझौते के तहत उन राज्यों को वापस लौटानी पड़ती है।

नौ सूत्रीय मांगों को लेकर राशन डीलरों का अजमेर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

राशन डीलरों ने कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर के राशन डीलर्स ने अपनी 9 सूत्रीय मांगों को लेकर गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। राशन डीलर संघ की ओर से जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपकर राशन डीलरों के मानदेय में बढ़ोत्तरी कर 30 हजार करने सहित विभिन्न मांगों के समाधान मांग की। वहीं मांग पूरी नहीं होने पर 20 जुलाई को जयपुर में महापड़ाव तथा एक अगस्त से राशन वितरण व्यवस्था बंद करने की चेतावनी भी दी है।

अजमेर राशन डीलर संघ के पदाधिकारियों औंकार सिंह, पवन गोस्वामी, लोकेश शर्मा व सुरेश सहित अन्य ने जिला कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में मांग की कि राशन विक्रेता को प्रतिमाह 30 हजार रुपए मानदेय देने, गेहूं पर 2 प्रतिशत छीजत देने की बात कही, क्योंकि जो गेहूं आता है उसमें एफसीआई से काफी कम तौल बैठता है। गत 5 से 6 माह से राशन विक्रेता का केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा दिया गया कमीशन नहीं दिया गया है, उसे तुरंत जारी करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि समय पर कमीशन का भुगतान नहीं होने व मानदेय कम होने

■ मानदेय बढ़ाने व कमीशन राशि देने की मांग, मांग पूरी नहीं होने पर एक अगस्त से वितरण व्यवस्था बंद की दी चेतावनी

से आर्थिक स्थिति खराब होने से परिवार के भूखे मरने की स्थिति है। उन्होंने आधार सीडिंग की राशि, प्रवासी योजना के गेहूं का कमीशन व ई-केवाईसी का सीडिंग का मेहनताना देने की मांग की है। उन्होंने बताया कि ई-मित्र संचालक आधार कार्ड अपडेट के 150 रुपए चार्ज वसूल रहे हैं, जबकि राशन डीलरों को सरकार द्वारा कोई भी चार्ज नहीं दिया गया है जो मानवीय मूल्यों के विरुद्ध है।

जयपुर में महापड़ाव बीस को व एक अगस्त से वितरण व्यवस्था बंद की दी चेतावनी: प्रदर्शनकारी राशन डीलरों ने कहा कि प्रदेश की सरकार मानदेय में शीघ्र बढ़ोतरी करे। वहीं केंद्र व राज्य से मिलने वाला कमीशन की राशि का भुगतान नहीं होने से आर्थिक दयनीय हो गई है। बच्चों की फीस, किताबें, ड्रेस आदि तक उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं, ऐसी स्थिति में बच्चे शिक्षा प्राप्त करने से वंचित हो रहे हैं। परिवार के पालन-पोषण करने में भी आर्थिक स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। राशन डीलरों ने 20 जुलाई को जयपुर में महापड़ाव करने तथा 31 जुलाई तक का मानदेय व कमीशन का भुगतान नहीं होने पर 1 अगस्त से वितरण व्यवस्था बंद करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश में राशन वितरण व्यवस्था बिगड़ती है तो उसकी जिम्मेदारी सरकार व प्रशासन की होगी।

अवैध खनन पर कार्रवाई करने गई वन विभाग की टीम पर हमला

खनन माफिया ने ट्रैक्टर से टक्कर मारकर सरकारी वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया

पाटन, (निसं)। ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा में हरियाणा राज्य की सीमा से लगते हुए पहाड़ में अवैध खनन पर कार्रवाई करने गई वन विभाग की टीम पर अवैध खनन करने वाले लोगों ने हमला कर दिया। इस दौरान खनन माफिया ने ट्रैक्टर से टक्कर मारकर वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया।

वन विभाग के गश्ती दल प्रभारी फॉरेस्टर महेश कुमार ने बताया कि स्यालोदड़ा में लगातार अवैध खनन की शिकायतों पर वन विभाग की चौकी स्थापित की गई है। गुरुवार की सुबह क्षेत्रीय वन अधिकारी के नेतृत्व में गश्ती दल के सात सदस्यों के साथ स्यालोदड़ा वन क्षेत्र में टीम गश्त करने के लिए गई हुई थी। इस दौरान हरियाणा राज्य से पाच

■ टीम जब ट्रैक्टरों का पीछा कर रही थी तो पहाड़ से लोगों ने सरकारी वाहन पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए

ट्रैक्टर अवैध खनन कर राजस्थान की सीमा में स्थापित क्रेशरों पर पत्थर डालने के लिए जा रहे थे। वन विभाग की टीम ने उनको रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने वन विभाग की गाड़ी पर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया और सरकारी वाहन को टक्कर मारते हुए वापस हरियाणा की ओर फरार हो गए। इस दौरान तीन ट्रैक्टरों ने रास्ते के बीच में ही पत्थर खाली कर दिए। जब हमारी टीम उन ट्रैक्टरों का पीछा कर रही थी तो वहां पहाड़ से लोगों ने सरकारी वाहन पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। जिस कारण वे फरार होने में कामयाब हो गए। टीम ने हरियाणा बॉर्डर तक उनका पीछा किया।

क्षेत्रीय वन अधिकारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि जब टीम करवाई करने जाती है तो ये लोग हमारे वाहन की रैकी करते हैं। आज हमारी टीम कार्रवाई करने गई तो अवैध खनन करने वाले लोगों ने हमें मारने की नीयत से ट्रैक्टर से हमारे वाहन को टक्कर मार दी।अवैध खनन माफियाओं के खिलाफ राजस्थान वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी, साथ ही पुलिस में मामला दर्ज करवाया जाएगा।

गाड़ी को ओवरटेक करते समय स्कूल बस का संतुलन बिगड़ा

बस के खड्डे में जाने से बच्चे चिल्लाए, सड़क किनारे रूक जाने से बड़ा हादसा होने से टला

खेतड़ी, (निसं)। माजरी गांव से पचेरी की ओर आ रही बस पीपल मोड़ पर ओवरटेक करते समय स्कूल बस का संतुलन बिगड़ने से बस खड्डे में जा पहुंची। इस दौरान बच्चों की जान पर आफत बन आई थी, लेकिन बस सड़क किनारे रूक जाने से बड़ा हादसा होने से टल गया।

जानकारी के अनुसार पचेरी कलां

■ ग्रामीणों के कहने पर स्कूल संचालक ने पुलिस को बुलाने की धमकी दी

माजरी गांव से पचेरी की ओर आ रही स्कूल बस संतुलन बिगड़ने से खड्डे में जा पहुंची।

के उमराव सिंह आर्य एजुकेशन ग्रुप द्वारा संचालित सोनी देवी इंटरनेशनल स्कूल की बस सुबह स्कूल के बच्चों को लेकर स्कूल आ रही थी। रास्ते में ओवरटेक की लापरवाही से बस का संतुलन बिगड़ने पर खड्डे में चल गई, जिससे बच्चे डरकर चिल्लाने लगे। बच्चों की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तथा बच्चों को बस से निकालकर सड़क पर खड़ा किया। ग्रामीणों ने स्कूल बस के ड्राइवर को इस तरह की लापरवाही ना करने की बातें कही तथा कागज़ व फिटनेस प्रदुषण एवं बस की बीमार हालात को लेकर सवाल उठाया तो स्कूल मलिक ने धमकी देते हुए कहा कि आपको पूछने का अधिकार नहीं है।

स्कूल के बच्चों व बस को लेकर कुछ नहीं कहना चाहिए तथा पुलिस में शिकायत कर कार्रवाई करवा देने की धमकी दी। स्कूल के डायरेक्टर संदीप यादव का वीडियो वायरल होने से आमजन में इस बात की चर्चा है कि बस के कागज एवं जिस प्रकार से स्कूल बस की कंडीशन होती है, वह पूरी नहीं करने पर तथा अपनी गलतियों को छुपाने पर ग्रामीणों को धमकी देने की बात गले नहीं उतरती। उन्होंने कहा कि एक बार अपनी बस पर नजर मार के देखे कि यह बस स्कूल के बच्चों को बैठक लाने के लायक है या नहीं। बस के टायरों में कट लगी हुई है तथा टायर फटने से बड़ा हादसा हो सकता है।

घटना को लेकर स्कूल डायरेक्टर संदीप यादव ने कहा कि बारिश का मौसम के कारण स्कूल बस का संतुलन बिगड़ने के कारण सड़क से नीचे उतरकर बस गड्ढे में चली गई, जिसके कारण बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहां मौजूद लोग वीडियो में कहासुनी करते नजर आ रहे हैं उनका स्कूल से कोई लेना-देना नहीं है। बच्चों को बाद मे दूसरी बस से लेकर आ गए थे।

बजरी से भरा ट्रक पकड़ा, चालक गिरफ्तार

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर की कोतवाली थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने कार्रवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट से प्रतिबंधित अवैध बजरी से भरे हुए ट्रक को जब्त किया है। साथ ही ट्रक चालक को भी गिरफ्तार किया है, जिससे पुलिस पूछताछ कर रही है।

थाना प्रभारी प्रवेंद्र रावत ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में इन दिनों अवैध बजरी परिवहन रोकने को लेकर लगातार पुलिस की ओर से कार्रवाईयां की जा रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को जरिये मुखबिर सूचना मिली थी कि अवैध चंबल बजरी से भरा एक ट्रक मध्य प्रदेश से आगरा की ओर जा रहा है। जिस सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए नेशनल हाईवे 44 पर चंबल बजरी से भरा ट्रक जब्त किया है। साथ ही आरोपी ट्रक चालक को भी हिरासत में लिया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि अवैध बजरी परिवहन करने वालों ने पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए ट्रक में टमाटर की रैक बनवाकर अवैध बजरी परिवहन का काला कारोबार कर रहे हैं। पुलिस की टीम ने बजरी से भरे ट्रक को जब्त कर आरोपी चालक को हिरासत में लिया है।

कोतवाली थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने अवैध बजरी से भरे ट्रक को जब्त किया।

मोहर्रम में टोकाटाकी के बाद झगड़ा हुआ

झुंझुनूं, (निसं)। शहर में मोहर्रम में कुछ युवकों को टोकने पर लड़ाई हो गई। जानकारी के मुताबिक पीपली चौक के पास आटा चक्की चलाने वाला इलियास मोहर्रम देखने के लिए अपनी पत्नी के साथ गया था।

वहां पर कुछ युवक बार-बार महिलाओं के बीच घुस रहे थे। जिस पर इलियास ने युवकों को टोका और एक तरफ खड़ा होकर मोहर्रम देखने की बात कही, जिस पर युवक भड़क गए और इलियास के साथ ही धक्का मुक्की करने लग गए, लेकिन थोड़ी देर बाद जब इलियास अपनी पत्नी के साथ घर लौटा तो 30 से 35 की संख्या में युवक लाठियों से लैस होकर आए, जिन्होंने इलियास के साथ मारपीट की और उसकी आटा चक्की में भी तोड़फोड़ मचाई। इलियास ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी।

पुलिस मौके पर तो पहुंची, लेकिन कोई कार्रवाई करने की बजाय इलियास को ही बोल गई कि वह रात-रात कहीं और चला जाए। सुबह थाने आकर रिपोर्ट करने की बात भी कही। इलियास ने आरोप लगाया है कि आधे घंटे बाद पुलिस वापिस आई, जो उसे गिरफ्तार करने की धमकी दे गई। अब वह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाना चाहता है, लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। वहीं मारपीट की घटना के बाद से वह दहशत में है और डरा हुआ बैठा है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में तगावली मोड़ पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक युवक एमआर था जो डॉक्टर का कॉल करके वापस अपने घर की ओर लौट रहा था। युवक की मौत को लेकर परिजनों ने जिला अस्पताल प्रबंधन धौलपुर पर उपचार नहीं दिए जाने का आरोप लगाया है।

■ अस्पताल प्रबंधन पर उपचार नहीं दिए जाने का लगाया आरोप

बाइक सवार मृतक युवक मनीष त्यागी (28) पुत्र राजेंद्र निवासी सुरक्षा विहार कॉलोनी धौलपुर के परिजनों ने बताया कि मनीष लूपिन कंपनी में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के पद पर तैनात था। बुधवार रात को मनीष डॉक्टर से मिलकर बाइक से वापस घर की ओर लौट रहा था, जहां रास्ते में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों से मिली सूचना के बाद मृतक के साथी उसे लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां मेडिकल कॉलेज में मौजूद स्टाफ ने एक्सीडेंट केस का हवाला देते हुए युवक को बिना प्राथमिक उपचार दिए ट्रॉमा हॉस्पिटल में भेज दिया, जहां लाते वक्त युवक ने रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतक के साथियों ने बताया कि अगर युवक को मेडिकल कॉलेज में प्राथमिक उपचार दे दिया जाता तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। घटना के बाद मृतक के शव को जिला अस्पताल धौलपुर की मोर्चरी में रखवाया गया। जिसका परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

युवक ने लड़की का वीडियो बनाया

युवक ने लड़की से अश्लील हरकतें कर अपमानित किया और धमकी दी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के भीमगंज थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में छत पर नहा रही लड़की का समुदाय विशेष के एक युवक ने न केवल पास की बिल्डिंग से वीडियो बना लिया, बल्कि टोकाटाकी करने पर उसने छत कूदकर लड़की से अश्लील हरकतें करते हुये उसे जातिगत अपमानित किया और परिवार सहित जान से मारने की भी धमकी दी।

पीड़िता के चिल्लाने पर परिजन व आसपास मौजूद लोग वहां पहुंचे और आरोपी युवक को दबोच कर उसकी धुनाई कर दी और पुलिस के सुपुर्द कर

■ परिजन व आसपास मौजूद लोग पहुंचे और आरोपी युवक की धुनाई कर पुलिस को सौंपा

दिया गया। वहीं लड़की के काका ने इस घटना को लेकर भीमगंज थाने में रिपोर्ट दी है। भीमगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी भतीजी के साथ हुई घटना की रिपोर्ट देते हुए बताया कि गुरुवार सुबह साढ़े दस बजे परिवादी की भतीजी छत पर नहा रही थी।

इस दौरान पास में ही एक व्यवसायिक प्रतिष्ठान की बिल्डिंग पर काम करने के लिए आया मीरां नगर निवासी इब्राहिम अब्बासी पुत्र साबिर अब्बासी जो कि नहाती हुई लड़की को देखते हुये अपने मोबाइल से अश्लील वीडियो बना लिया और लड़की की नजर पड़ने पर उसने आरोपित को टोका तो वह अनाधिकृत रूप से पीड़ित लड़की के मकान की छत पर कूद गया और लड़की का गला पकड़कर उसे नीचे गिरा दिया। उसके साथ अश्लील हरकतें की। लड़की को जातिगत अपमानित करते हुये वीडियो वायरल कर बदनाम करने की धमकी दी। साथ ही इस घटना के बारे में किसी को बताने पर लड़की को उसके परिवार सहित जान से मार देने की भी धमकी दी।

इससे पहले लड़की के चिल्लाने पर परिजनों के साथ ही आस-पास मौजूद लोग मौके पर पहुंच गये और आरोपित को दबोच कर उसकी धुनाई कर दी। सूचना पर मौके पर पहुंची भीमगंज पुलिस ने उक्त युवक को डिटेन कर उसका मेडिकल व प्राथमिक उपचार करवाया है। उधर, घटना की सूचना मिलने पर हिंदू संगठन के कार्यकर्ता भी भीमगंज थाने पर जुट गये और सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा किया।

गाड़ी लूटने की नीयत से किराए पर ले गए, गाड़ी मालिक की कर दी हत्या

श्रीकोलायत, (निसं)। बज्जू कस्बे से कुछ लोग बोलेरो गाड़ी किराए पर लेकर गए और बीच रास्ते में गाड़ी चालक की हत्या कर शव रोही में फेंक दिया और गाड़ी लेकर फरार हो गए।

बज्जू थाना प्रभारी आनंदकुमार ने बताया कि देवाराम पुत्र करणाराम खिलेरी दोपहर करीब 4.15 बजे थाने आया और उसने बताया कि उसके पिता करणाराम (45) पुत्र सीताराम खिलेरी गाड़ी चलाते हैं। देर शाम करीब सात बजे खाजूवाला बस स्टैंड से कुछ अज्ञात युवाओं ने उन्हें बीकमपुर छोड़ने का बोला। इस पर उसके पिता बोलेरो गाड़ी लेकर रवाना हो गए। इसके बाद ना उनका मोबाइल लग रहा है और ना कोई संपर्क हो पा रहा है। इस पर बज्जू पुलिस ने करणाराम के मोबाइल नंबर लिए, तो मोबाइल बंद बताया और जांच शुरू की।

पुलिस जांच शुरू करते ही सूचना मिली कि बज्जू से करीब 30 किलोमीटर दूर भड़ल गांव से आगे रोही में सड़क से 25 मीटर दूर एक शव मिला है। पुलिस ने मौके पर जाकर देखा और परिजनों से शिनाख्त करवाई, तो शव करणाराम पुत्र सीताराम खिलेरी का पाया गया। पुलिस के अनुसार आशंका है कि अज्ञात युवक बज्जू से गाड़ी किराए पर लेकर बीकमपुर के लिए निकले और बीच रास्ते में भड़ल के पास पहले से ही गाड़ी लूटने की योजना बना चुके युवकों ने करणाराम के सिर पर चोट मारी। इसके बाद करणाराम के हाथ,पैर बांधकर व मुंह में भी ठूंस दिया और रोही में फेंक दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची व घटनास्थल का जायजा लिया।

राहगीरों से मोबाइल छीनने वाले गिरोह का पर्दाफाश

हिंडौन सिटी, (निसं)। सड़क पर चलते राहगीरों के मोबाइल छीनकर भागने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए हिंडौन की नई मंडी थाना पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से कड़ी पूछताछ करने में जुटी है।

हिंडौन नई मंडी थाने के उप निरीक्षक सोहन सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि हिंडौन क्षेत्र में राहगीर महिला-पुरुषों से मोबाइल छीनने की हो रही घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम के द्वारा मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गैंग के सदस्य दीपेश शुक्ला, केशव शर्मा, विवेक शर्मा, गोविंद गुर्जर एवं देवेंद्र कोली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लोगों से छीने गए 10 मोबाइल भी बरामद किए हैं। साथ ही दो मोटरसाइकिलों को भी जब्त किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी सड़क पर बात करते हुए जाने वाले राहगीरों के मोबाइल छीनकर भाग जाते थे। गिरफ्तार किए आरोपियों से पुलिस कड़ी पूछताछ में जुटी है। जिससे गत दिनों में हुई मोबाइल चोरी व छीनने की घटनाओं का खुलासा होने की उम्मीद है।

पुलिस ने मोबाइल लूट के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

युवक पर चाकू से हमला

जोधपुर, (कासं)। शहर के पावटा सी रोड रूपनगर में एक युवक पर उसके बुआ के बेटे भाई ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके पेट, गला और शरीर के अन्य हिस्सों पर जख्म लग गए। बाद में आरोपी भाग गया। लहूलुहान युवक को अस्पताल ले जाया गया। इस बारे में महामंदिर थाने में मामला दर्ज कराया गया है। इनके बीच में दुकान के हिसाब को लेकर तकरार हुई थी। फिलहाल आरोपी हाथ नहीं लगा है।

पार्श्वनाथ नगर स्थित परिहार नगर माता का थान निवासी कैलाश सोनी ने मामला दर्ज करवाया है। इसमें बताया कि वह सुनारी का कार्य करता है। उसके भाई की दुकान घोड़ों का चौक क्षेत्र में आई हुई है। 17 जुलाई की सुबह वह बाइक पर अपने बुआ के बेटे भाई पाली के जैतारण निवासी विष्णु पुत्र नवरतन सोनी को लेने पावटा सी रोड रूपनगर पर आया था। विष्णु और वह दोनों साथ ही काम करते हैं, इसलिए वह उसे लेने आया था। बाइक रोकने पर विष्णु ने गाड़ी के पीछे बैठते ही चाकू से अचानक से हमला कर दिया, जिससे उसके गले पेट और शरीर के अन्य हिस्सों पर गहरे जख्म लग गए।

विद्यालय की अव्वल छात्रा को अध्यापिका ने हवाई सफर करवाया

झुंझुनूं, (निसं)। समय के साथ राजकीय विद्यालयों में भी परिवर्तन की बयार चरम पर है। शिक्षा में नए नए नवाचारों के माध्यम से राजकीय विद्यालय भी विद्यार्थियों की नामांकन संख्या में वृद्धि के लिए नए नए शैक्षिणक नवाचार कर रहे हैं।

उसी कड़ी में देरवाला स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की व्याख्याता अनिता चौधरी ने अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार कक्षा 12वीं में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर हवाई यात्रा के माध्यम से देश की सांस्कृतिक विरासत का भ्रमण करवाने का वायदा किया था। जिसकी परिणति में छात्रा पायल मीणा ने 2023-2024 में 12वीं कक्षा में 92 प्रतिशत अंक हासिल करते हुए इस मुकाम को हासिल करने में सफलता अर्जित की है। जिसकी एवज में विद्यालय की व्याख्याता अनिता चौधरी ने छात्रा को दिल्ली से जयपुर की हवाई यात्रा करवाई एवं दिल्ली एवं जयपुर का भ्रमण करवाया। विद्यालय का परीक्षा परिणाम गत छह वर्षों से लगातार शत प्रतिशत रहा है। प्रधानाचार्य रुचिरा ने हवाई सफर से लौटी छात्रा पायल मीणा एवं व्याख्याता अनिता चौधरी का माला पहनाकर एव साफा ओढ़ाकर स्वागत किया एवं विद्यार्थियों को भविष्य में और अधिक अंक प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित किया।

व्याख्याता अनिता चौधरी ने छात्रा पायल मीणा को दिल्ली से जयपुर की हवाई यात्रा करवाई।

कोपा अमेरिका फाइनल के दौरान चोटिल होने वाले मेस्सी अपनी मेजर लीग सॉकर टीम इंटर मियामी की तरफ से कम से कम दो मैच में नहीं खेल पाएंगे। - लियोनेल मेस्सी

पूर्व फुटबॉलर, अमेरिका फाइनल में टीम में शामिल किये जाने पर व्यक्त करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

हरमनप्रीत कौर

कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय महिला टीम शुक्रवार को अपने चिरप्रतिद्वंदी पाकिस्तान को हरा कर अपने महिला एशिया कप 2024 अभियान का आगाज करेगी। महिला एशिया कप 2024 के बहुप्रतीक्षित मुकाबला टूर्नामेंट के पहले दिन ही दांबुला में खेला जाएगा। ग्रुप ए में भारत के अलावा पाकिस्तान,यूएई,नेपाल की टीमें शामिल है जबकि ग्रुप बी में मेजबान श्रीलंका के अलावा बांग्लादेश, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें रखी गयी हैं। दोनो टीमों के बीच मुकाबला भारतीय समयानुसार 19 जुलाई को शाम सात बजे से शुरु होगा।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

पाक से मुकाबले के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम तैयार

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ शुक्रवार से एशिया कप 2024 में अपने अभियान का आगाज करेगी। वहीं अक्टूबर में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए इस टूर्नामेंट को काफी अहम माना जा रहा है। हरमनप्रीत की कप्तानी वाली भारतीय टीम का एशिया कप में दबदबा रहा है जिसने चार में से तीन टी20 खिताब और चारों बार 50 ओवरों के फॉर्मेट में जीत दर्ज की है।

महिला एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में भारत ने 20 में से 17 मैच जीते हैं। उसमें 2022 में फाइनल में बांग्लादेश को हराया था। पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में 11 जीत दर्ज की है। हरमनप्रीत कौर का लक्ष्य इस सिलसिले को आगे बढ़ाना होगा। इस महीने कर शुरुआत में भारत ने दक्षिण अफ्रीका से 1-1 से ड्रॉ खेला, जबकि तीन टी20 मैचों में से दूसरा बारिश में धुल गया। पाकिस्तान का मनोबल गिरा हुआ होगा जिसे मई में इंग्लैंड ने 3-0 से हराया था। भारत के लिए सबसे अच्छी बात स्मृति मंधाना का शानदार फॉर्म है और हाल ही में गेंदबाजों ने एक ईकाई के रूप में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों में आठ विकेट लिए जबकि स्पिनर राधा यादव भी कामयाब रही है।

स्पिनरों में दीप्ति शर्मा, सजीवन साजना और श्रेयांका पाटिल शामिल है। पाकिस्तान ने एशिया कप के लिए निदा दर को कप्तान बनाए रखा है लेकिन टीम में काफी बदलाव किए गए हैं। ईरम जावेद, ओमैमा सोहेल और सैयदा आरूब शाह को इस साल पहली बार टीम में जगह मिली है जबकि तस्मिया रूबाब पर्दापण करेंगी। ग्रुप ए में नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात का भी सामना पहले दिन होगा। दोनों ग्रुप से टॉप दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी। नेपाल 2016 के बाद पहली बार टूर्नामेंट में खेल रहा है जबकि यूएई का ये लगातार दूसरा टूर्नामेंट है।

जय शाह बनेंगे आईसीसी के चेयरमैन

नई दिल्ली, 18 जुलाई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी के कोलंबो में शुक्रवार से शुरू होने वाले चार दिवसीय वार्षिक सम्मेलन के दौरान सभी की निगाहें बीसीसीआई के सचिव जय शाह पर होंगी जहां इस बात पर गंभीर चर्चा हो सकती है कि वह न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले से वैश्विक संस्था के अध्यक्ष का पद कब संभालेंगे।

शुक्रवार को बोर्ड की बैठक के साथ शुरू होने वाले आईसीसी सम्मेलन में वैश्विक संस्था द्वारा अमेरिका में टी20 विश्व कप मैचों की मेजबानी में दो करोड़ अमेरिकी डॉलर से ज्यादा के नुकसान पर चर्चा होने की उम्मीद है। हालांकि, एजीएम के नौ सूत्रीय एजेंडे में टूर्नामेंट का वित्तीय विवरण शामिल नहीं है, लेकिन बोर्ड द्वारा कार्यक्रम के बाद की रिपोर्ट के रूप में इस पर चर्चा की जाएगी जो एक मानक संचालन प्रक्रिया है।

आईसीसी की सदस्यता, एसोसिएट सदस्यों की बैठक की रिपोर्ट और आईसीसी विकास पुरस्कार प्रस्तुति पर चर्चा के साथ-साथ आईसीसी के नए बाहरी लेखा परीक्षक की नियुक्त भी एजेंडे में है। एक अन्य अहम बिंदू- चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत का पाकिस्तान नहीं जाना, जब तक कि इसे कोई अन्य काम वर्ग के तहत अध्यक्ष अनुमति से नहीं लाया जाता। हालांकि, चीजों की जानकारी रखने वाले आईसीसी के एक सूत्र ने कहा कि आईसीसी में सभी की मुख्य रूप से इसमें है कि शाह वैश्विक संस्था की बागडोर कब संभालेंगे।

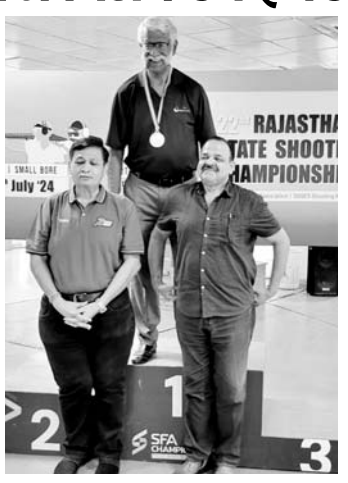

22वीं राजस्थान स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता में केले पिजन स्कीट और क्ले पिजन टैप इवेंट का समापन

जयपुर, 18 जुलाई। राजस्थान राइफल दवारा संचालित की जा रही 17 दिवसीय प्रतियोगिता 19 जुलाई 2024 तक 22 वी राजस्थान स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता 2024 में बले पिजन स्कीट और क्ले पिजन टैप शॉटगन इवेंट की प्रतियोगिताओ का आयोजन ओसिस शूटिंग रेंज, जमलपुरा, जयपुर में किया जा रहा है।

राजस्थान राइफल एसोसिएशन के आयोजनको यज मित्र सिंह (अध्यक्ष) गिरधर प्रताप सिंह जी (उपाध्यक्ष) और शशांक कौराली जी (सचिव) ने अतिथियों को मोमेटो वितरित किया साथ इस आयोजन को सफल बनाने के लिए नेशनल राइफल एसोसिएशन के जज एंड जूरी श्री वीरेन भट्ट जी गणमान्य अतिथि राजस्थान राइफल एसोसिएशन के लेखाकार श्री फैसल सईदी उपस्तिथ हुए। इसके साथ ही

प्रतियोगिता में प्रदेश भर के हजारो से भी ज्यादा खिलाड़ियों युना वर्ग, पुरुष और महिला वर्ग को इवेंट्स के आधार पर वर्गीकृत कर परिणाम घोषित किया गया और प्रथम, दवितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाडियों के लिए स्वर्ण पदक, रजत पदक और कस्य पदक वितरण समारोह का आयोजन किया और मैडल पहना कर उनकी होसला अफजाहि और हार्दिक अभिवादन किया।

इसके आपसे विनाडियों में की प्रतिमाए पुनी होती है, उसको भी निखरने का अभार प्रदान होता है। जमात सहफसर के पदाधिकारियों का बताया गया की प्रतिवर्ष इस तरह के आयोजनों का किया जाता रहेगा जिससे प्रतिवर्ष बेहतरीन मुहसे तिखर का आवराष्ट्रीय और अंतरास्ट्रीय अथवा अतीतको समितको पदाधिकारियो ने सभी खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाये और बधाई दी।

सूर्य कुमार होंगे श्रीलंका दौरे में भारत की ट्वंटी-20 टीम के नये कप्तान

मुबंई, 18 जुलाई। श्रीलंका के दौरे के लिये भारतीय टीम का ऐलान गुरुवार को कर दिया गया है। भारत की टी20 टीम की कमान सूर्य कुमार यादव को सौंपी गयी है जबकि वनडे टीम की कप्तानी रोहित शर्मा के पास ही रहेगी। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के सचिव जय शाह ने आज शाम एक विज्ञिप्त के जरिये यह जानकारी साझा की। भारतीय टीम श्रीलंका दौरे में तीन टी20 और तीन एक दिवसीय मैच खेलेगी। गौतम गंभीर को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।

गौरतलब है कि हाल ही संपन्न टी20 विश्वकप जीतने के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 क्रिकेट से सन्यास का ऐलान किया था जिसके बाद टी20 टीम के कप्तान की तलाश शुरु कर दी गयी थी। कप्तान की रेस में हार्दिक पांड्या और सूर्य कुमार यादव का नाम आगे चल रहा था जिसमें सूर्य कुमार को नये कोच गौतम गंभीर की पसंद माना जा रहा था । शाह ने बताया कि टी20 टीम के उपकप्तान शुभमन गिल होंगे। टीम के अन्य सदस्यों में यशस्वी जायसवाल,रिंकू सिंह,रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद और मोहम्मद सिराज शामिल हैं। एक दिवसीय टीम में भी उपकप्तान की भूमिका में शुभमन गिल होंगे। टीम के अन्य सदस्यों में विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद और हर्षित राणा को शामिल किया गया है।

शिखर बने मोटोजीपी के ब्रांड एंबेसडर

मुंबई, 18 जुलाई। यूरोस्पोर्ट इंडिया ने भारत में मोटोजीपी के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में भारतीय क्रिकेट आइकन शिखर धवन की नियुक्ति की आज घोषणा की। धवन यूरोस्पोर्ट इंडिया के अभियान, 'फेस कर रेस कर' के जरिये रेसिंग के प्रति अपने जुनून का प्रदर्शन करेंगे। धवन ने कहा प्रतिष्ठित मोटोजीपी के साथ इसके भारत के राजदूत के रूप में साझेदारी करना मेरे लिये सम्मान की बात है। भारत में मोटोजीपी को लेकर बढ़ता उत्साह वास्तव में रोमांचकारी है, और यह मेरे लिए एक पूर्ण-चक्र क्षण जैसा है, खासकर जब मैं अपने गृहनगर, दिल्ली की सड़कों पर अपनी पसंदीदा बाइक की सवारी करने के अपने दिनों को याद करते हुए सोचता हूं। इस जीवंत शहर में जन्मे और पले-बढ़े एक क्रिकेटर के रूप में मेरी यात्रा यूरोस्पोर्ट इंडिया के माध्यम से इस नई भूमिका के साथ एक व्यक्तिगत संबंध जोड़ेगी।

पेरिस ओलंपिक 2024 की तैयारियों के लिए किस खेल को मिली कितनी राशि

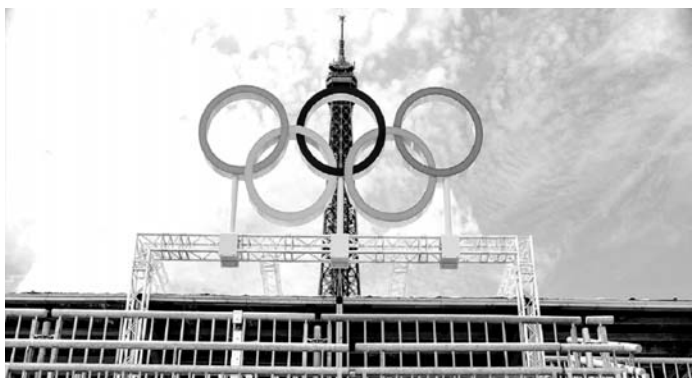

नई दिल्ली, 18 जुलाई। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में अब बस 8 दिन का समय शेष है। भारत इस बार पेरिस ओलंपिक में 100 से ज्यादा खिलाड़ियों का दल भेज रहा है और सभी को इनसे बेहतर प्रदर्शन करने की आशा है। इस बीच सरकार ने ओलंपिक की तैयारियों के लिए राशि आवंटित कर दी है। तीन साल पहले टोक्यो खेलों में भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के गोल्ड मेडल के बाद भारत में इस ओलंपिक च्रक में ट्रैक एंड फील्ड के खिलाड़ियों को सरकारी कोष में सबसे बड़ा हिस्सा मिला है।

वहीं बता दें कि, पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय केल प्राधिकरण () के मिशन ओलंपिक सेल के आधिकारिक आंकड़ों में बताया गया कि सरकार ने एथलेटिक्स पर 96 करोड़ आठ लाख रुपये खर्च किए हैं। इस बार 16 खेलों के लिए भारत की तैयारियों पर लगभग 470 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। पिछले ओलंपिक च्रक में टारगेट ओलंपिक मोडियम योजना के तहत एथलेटिक्स पर पांच करोड़ 38 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक में नीरज चोपड़ा की अगुवाई में 28 सदस्यीय एथलेटिक्स दल भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। भारतीय दल में कुल 118 खिलाड़ी शामिल हैं। पिछली बार सात मेडल को देखते हुए इस बार उम्मीदें ज्यादा है और इसलिए इस बाद खर्च ज्यादा किया गया है।

देश के बैडमिंटन खिलाड़ियों सर्वाधिक अनुदान हासिल करने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। बैडमिंटन खिलाड़ियों को 72.02 करोड़ रुपये मिले जबकि इसके बाद मुक्केबाजी (60.93 करोड़) और निशानेबाजी (60.42 करोड़) का नंबर आता है। टोक्यो ओलंपिक की ब्रान्ज मेडल विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम को पिछले तीन सालों में 41.29 करोड़ रुपये की राशि मिली जबकि तीरंदाजी पर सरकार ने 39.18 करोड़ रुपये खर्च किए। पहलवानों को कोष से 37.80 करोड़ रुपये मिले जबकि वेटलिफ्टिंग के खाते में 26.98 करोड़ रुपये आए।

एचसीएल काइक्लोथॉन का दूसरा संस्करण 6 को

चेन्नई, 18 जुलाई। एचसीएल साइक्लोथॉन का दूसरा संस्करण छह अक्टूबर को यहां आयोजित किया जाएगा। एचसीएल समूह ने गुरुवार को साइक्लोथॉन चेन्नई 2024 के दूसरे संस्करण के शुभारंभ की घोषणा की। नोएडा में दो सफल संस्करणों और चेन्नई में 5000 से अधिक साइकिल चालकों की भागीदारी के बाद, एचसीएल साइक्लोथॉन चेन्नई के ईसीआर पर छह अक्टूबर से शुरू होगा। तमिलनाडु के खेल विकास प्राधिकरण (एसडीएटी) द्वारा संचालित और भारतीय साइकिलिंग महासंघ के तत्वावधान में इस आयोजन में 33 लाख रुपये का पुरस्कार पूल है। पंजीकरण 22 सितंबर तक खुले हैं।

तमिलनाडु के खेल विकास प्राधिकरण (एसडीएटी) के सदस्य सचिव मेघनाथ रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि इस संस्करण का विषय चेंज योर गियर है, जो साइकिल चलाने की परिवर्तनकारी शक्ति और व्यक्तिगत कल्याण और पर्यावरणीय स्थिरता पर इसके सकारात्मक प्रभाव पर जोर देता है। एचसीएल साइक्लोथॉन चेन्नई का पिछला संस्करण अक्टूबर 2023 में आयोजित किया गया था और इसमें ईसीआर रोड पर 1,100 से अधिक साइकिल चालकों ने भाग लिया था।

झारखंड और बंगाल की महिलाओं व ओडिशा, बिहार, मणिपुर के पुरुषों ने दर्ज की जीत

कोलकाता, 18 जुलाई। कोलकाता के साल्ट लेक स्थित नेताजी सुभाष पूर्वी केंद्र में द्वितीय हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष एवं महिला पूर्वी क्षेत्र चैंपियनशिप 2024 के चौथे दिन मणिपुर हॉकी, हॉकी झारखंड और हॉकी बंगाल ने महिला वर्ग में जीत हासिल की, जबकि ओडिशा हॉकी संघ, हॉकी बिहार और मणिपुर हॉकी ने पुरुष वर्ग में जीत हासिल की।

मणिपुर हॉकी ने महिला वर्ग में असम हॉकी को 12-0 से हराकर दिन की शुरुआत की। देवी मुतुम प्रिया (2',4',7',26',36', 59') ने मणिपुर हॉकी के लिए छह गोल किये वहीं रीना कोइजाम (20), तनु शोरेंसंगबाम (32, 57), चानू लीशांगथेम नटाली (42, 58) और देवी लैशराम रितु (51) ने भी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। दूसरे मैच में हॉकी झारखंड ने महिला वर्ग में हॉकी बिहार को 10-0 से हराया।

रोशनी आइंद (6,32) ने हॉकी झारखंड के लिए खाता खोला, इसके बाद मुंडू सुकरमणि (15, 23, 43), कुमारी शांति (19, 35), कप्तान रजनी केरकेट्टा (22, 59) और सलोमी नाग (28) ने गोल किए। हॉकी बंगाल ने महिला वर्ग के तीसरे मैच में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा पर 3-0 से जीत दर्ज की।

हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने पुरुष वर्ग में हॉकी झारखंड पर 2-0 से जीत दर्ज की। सुनील लाकड़ा (44) ने तीसरे क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया, इसके बाद दीपक प्रधान (48) ने आखिरी क्वार्टर में तेज फील्ड गोल करके हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा की जीत पक्की कर दी।

एसकेवाई और हार्दिक पंड्या में से कौन टी-20 कप्तानी की रेस में आगे

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारतीय टीम को खेल के सबसे छोटे प्रारूप में वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है। उनके जाने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड नए कप्तान की तलाश में है। हालांकि, वनडे और टेस्ट में रोहित ही कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनने की रेस में हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार का नाम सबसे आगे है। लेकिन श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान करने के लिए होने वाली सेलेक्शन कमेटी की मीटिंग में नए कप्तान के रूप में सूर्यकुमार के नाम पर काफी चर्चा हुई है।

हार्दिक पंड्या को रोहित शर्मा के स्पष्ट उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा था लेकिन कई कारकों ने चीजों को बदल दिया है। मुंबई इंडियंस के कप्तान के रूप में हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और चयनकर्ता उन्हें अपनी पसंद की सीरीज चुनने देने के मूड में नहीं हैं।सूर्यकुमार यादव कप्तान बनने की रेस में उनसे आगे निकल गए हैं। सेलेक्शन कमेटी की मीटिंग को पोस्टपोन कर दिया गया था। अब गुरुवार को बैठक होने की संभावना है।

गौतम गंभीर मंगलवार शाम को बीसीसीआई अधिकारियों और चयन समिति के साथ आगे की रणनीति के बारे में अनौपचारिक बातचीत में शामिल थे। ऐसा माना जा रहा है कि इसी मीटिंग के दौरान सूर्युकमार को रोहित की जगह कप्तान बनाए जाने की बात हुई होगी। हालांकि, ये ध्यान देने वाली बात है कि गंभीर ने सीधे तौर पर सूर्यकुमार का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने ये स्पष्ट कर दिया कि वह ऐसे कप्तान को पसंद करेंगे, जिसका कार्यभार प्रबंधन चिंता का विषय न हो।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के बावजूद पेरिस नहीं जाएगी ये खिलाड़ी

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारत का 30 खिलाड़ियों का एथलेटिक्स दल पेरिस जाने वाला था। हालांकि, अब ये संख्या घटकर 29 रह गई है। पेरिस ओलंपिक के लिए जा रहे दल में शॉनटपुर एथलीट आभा काठुआ का नाम शामिल नहीं है। भारतीय ओलंपिक संघ या एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने अभी तक इसका कारण नहीं बताता है। मीडिया रिपोर्ट्स में ये कहा जा रहा है कि टेस्टोस्टेरोन लेवल ज्यादा होने की वजह से आभा को दल से बाहर किया गया है। आभा ने मई में हुए फेडरेशन कप में 18.41 मीटर के थ्रो के साथ नेशनल रिकॉर्ड कायम किया था। वह रोड टू पेरिस की रैंकिंग में 21वें स्थान पर थी और इसी वजह से उन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया। हालांकि, आखिरी मौके पर उनका नाम हटा दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक वर्ल्ड एथलेटिक्स ने डिफेरेंस ऑफ सेक्स डेवलेपमेंट रेगुलेशन उल्लंघन के कारण ने आभा को हिस्सा लेने से रोका है। टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्र ने हवाले से लिखा कि आभा का नाम डोपिंग के कारण नहीं बल्कि डीएसडी रेगुलेशन के कारण हटाया गया है। पिछले साल बैंकॉक में हुए एशिया चैंपियनशिप के दौरान एथलेटिक्स इंटेग्रिटी यूनिट अधिकारियों ने लिया गया होगा। उसी सैंपल मं ट्रेस्ट्रोन लेवल बढ़ा हुआ आ सकता है जिसके कारण वर्ल्ड एथलेटिक्स ने ये फैसला किया है।

शिलांग पहली बार डूरंड कप की मेजबानी के लिए तैयार

शिलांग, 18 जुलाई (वार्ता वैभव)ॐ मेघालय की राजधानी शिलांग पहली बार प्रतिष्ठित डूरंड कप की मेजबानी को लेकर उत्साहित है। गुरुवार को 133वें इंडियन ऑयल डूरंड कप की तीन शानदार ट्रॉफियां यहां पहुंचीं जिन्हे मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा की उपस्थिति में सचिवालय हिल्स के यू सोसो थाम ऑडिटोरियम में प्रदर्शित किया गया संगमा ने राज्य के लिए इस ऐतिहासिक क्षण को लाने में डूरंड कप आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह आयोजन शिलांग को देश के फुटबॉल मानचित्र पर लाएगा।

तीनों ट्राफियां कार्यक्रम स्थल से शुरू होकर शहर और आसपास के जिलों का भ्रमण करेंगी। एयर मार्शल एसपी धारकर, पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ; लेफ्टिनेंट जनरल संजय मलिक, 101एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग; मेजर जनरल राजेश ए मोघे, वीएसएम, डूरंड कप आयोजन समिति के अध्यक्ष और कई वरिष्ठ सैन्य और नागरिक अधिकारी शामिल थे। तीनों ट्रॉफियों को 10 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रीय राजधानी से राष्ट्रव्यापी दौरे के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। मेजर जनरल राजेश ए मोघे ने मैचों का शेड्यूल जारी किया और पूर्वी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल राम चंदर तिवारी और डूरंड कप आयोजन समिति के संरक्षक की ओर से टीमों को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर कॉनराड संगमा ने कहा, मेघालय में फुटबॉल सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला और फॉलो किया जाने वाला खेल है और पहली बार प्रतिष्ठित डूरंड कप की मेजबानी करना हमारे लिए बेहद सम्मान की बात है। मैं राज्य के सभी फुटबॉल प्रेमी लोगों से आग्रह करता हूं कि वे आएं और मैच देखें और मुझे यकीन है कि कुछ शीर्ष पक्षों के बीच कुछ गुणवत्तापूर्ण फुटबॉल खेलों से उनका मनोरंजन होगा। मैं हमारे पसंदीदा शिलांग लाजोंग का समर्थन करूंगा, हालांकि हम आने वाले दिनों में प्रतिस्पर्धी और रोमांचक फुटबॉल मैचों की प्रतीक्षा कर रहे हैं और सभी आने वाली टीमों और मेहमानों को शिलांग में एक शानदार समय बिताने की शुभकामनाएं देते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल संजय मलिक ने कहा, भारतीय सेना को शिलांग में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी करने पर गर्व है, क्योंकि हम इस क्षेत्र में डूरंड कप की पहुंच को और अधिक फैलाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जारी रखे हुए हैं। उस भावना में, शिलांग पहली बार प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा।

परिवार ही नहीं, पूरे गांव का अधूरा सपना सच करने खेलेंगे 'गाजीपुर के राजकुमार'

नई दिल्ली, 18 जुलाई। करीब तीन हजार की आबादी वाले करमपुर गांव से हॉकी स्टिक थामकर सैकड़ों लड़कों ने ओलंपिक खेलने का सपना देखा लेकिन इसे पूरा करने का मौका सिर्फ राजकुमार पाल को मिला है और 'गाजीपुर के राजकुमार' के नाम से मशहूर मिडफील्डर की ख्वाहिश पेरिस में अच्छा प्रदर्शन करके हर एक अधूरे सपने को पूरा करने की है।

वाराणसी से करीब 40 किलोमीटर दूर गाजीपुर के गांव करमपुर के मेघबरन स्टेडियम पर हॉकी का ककहरा सीखने वाले बच्चों के प्रेरणास्त्रोत बन गए हैं राजकुमार। एक ऐसा गांव जहां से 400 से अधिक लड़कों को हॉकी के जरिये रोजगार तो मिला लेकिन भारत की

नुमाइंदगी का मौका नहीं। इनमें राजकुमार के दोनों भाई जोखन और राजू भी शामिल हैं जो देश के लिये नहीं खेल पाये। राजकुमार ने अपने पहले ओलंपिक के लिये रवाना होने से पहले को दिये इंटरव्यू में कह,"हम तीनों भाई हॉकी खेलते हैं। बीच वाले भाई भारतीय टीम के शिविर में रह चुके हैं और बड़े भाई राष्ट्रीय स्तर पर खेले हैं। दोनों भारत के लिये नहीं खेल सके और अब एक रेलवे से और एक सेना से खेलते हैं।" अभावों के बीच अपने कोच तेज बहादुर सिंह की मदद से हॉकी के शौक को परवान चढाने वाले 26 वर्ष के इस मिडफील्डर ने कहा ," मेरे गांव के मैदान से 400 से ज्यादा लड़कों को हॉकी के जरिये नौकरी मिल गई लेकिन इस स्तर पर कोई नहीं खेला। मेरे गांव के लोगों की नजरें मुझ पर है और मैं अपने भाइयों और उन सभी के अधूरे सपने पूरे करने के लिये पेरिस में कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा।"

आठ करोड़ प्रदेशवासी ही मेरा परिवार- भजनलाल शर्मा

ऐतिहासिक बजट के लिए केकड़ी के निवासियों ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

जयपुर, 18 जुलाई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जनप्रतिनिधियों की क्षेत्र से संबंधित विकास की मांगों पर तत्परता से कार्य कर रही है। पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, विधायक सहित समस्त जनप्रतिनिधि क्षेत्र की नब्ज जानते हैं, इसलिए हमने बजट में उनके फीडबैक और सुझावों के आधार पर प्रदेश की आठ करोड़ जनता के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। उन्होंने कहा, आठ करोड़ प्रदेशवासी ही मेरा परिवार हैं और हमने बजट में सभी क्षेत्रों की मांग को पूरा किया है।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर केकड़ी जिले के निवासियों के आभार समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का वर्ष 2024-25 का परिवर्तित बजट प्रत्येक क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस ऐतिहासिक बजट में गांव, ढाणी, शहर एवं छोटे-बड़े जिलों में विकास का ऐसा रोडमैप तैयार किया गया है, जिससे "आपणो अग्रणी राजस्थान" का संकल्प साकार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के लिए सबसे पहले सोचकर योजनाओं-कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। जनता भी अपने आस-पास वंचितों की पहचान कर उन्हें लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में दूरगामी कदम उठाते हुए "एक पेड़ मां के नाम" अभियान की शुरूआत की है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आव्हान किया कि वे अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाकर इस अभियान को सफल बनाएं।

गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर केकड़ी जिले के निवासियों ने बजट में क्षेत्र के लिए मिली ऐतिहासिक सौगातों के लिए मुख्यमंत्री का एक समारोह में आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम ने क्षेत्र के विकास कार्यों के संकल्प के क्रम में चरण पादुका त्याग रखी हैं। वे जल्दी ही चरण पादुका पहनेंगे क्योंकि इस बजट में केकड़ी जिले को कई ऐतिहासिक सौगातें मिली हैं, जिससे क्षेत्र का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित होगा।

इस अवसर पर गौतम ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसान, युवा, महिला एवं वंचितों के कल्याण के लिए बजट में महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। बजट में केकड़ी जिले की हर मांग पूरी हुई है, जिसके लिए उनका कोटि-कोटि धन्यवाद।

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम ने क्षेत्र के विकास कार्यों के संकल्प के क्रम में चरण पादुका त्याग रखी है। वे जल्दी ही चरण पादुका पहनेंगे क्योंकि इस बजट में केकड़ी जिले को कई ऐतिहासिक सौगातें मिली हैं।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि 650 करोड़ रुपए की लागत से नसीराबाद-सरवाड़-केकड़ी-देवली सड़क को 4 लेन का बनाया जाएगा। इसके अलावा, 81 लाख रुपये की लागत से थड़ोली से केकड़ी के मध्य भांसू गांव के समीप पेयजल पाइप लाइन का कार्य एवं 20 करोड़ रुपये की लागत से बिजयनगर-नगर-बडली-माताजी का खेड़ा व देवलियाकलां सडक (बिजयनगर, भिनाय)- केकडी का कार्य करवाया जायेगा। कार्यक्रम में केकडी जिले के जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका अभिनन्दन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केकडी के निवासियों के साथ संवाद भी किया।

नाबालिग का ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि अभियुक्त उसके पड़ोस में रहने वाली भाभी का भाई है। इसके चलते उसकी अभियुक्त से पहचान हो गई थी। घटना की रात अभियुक्त उसे डरा धमकाकर अपने साथ मोटरसाइकिल से अराई ले गया, जहां एक कच्चे मकान में अभियुक्त ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद एक किशोर और अभियुक्त उसे मोटर साइकिल से जोधपुर ले गए। यहां किशोर ने उसके साथ दो बार दुष्कर्म किया। इसके बाद किशोर उसे अपने घर ले गया। वहीं बाद में पुलिस उसे आकर ले गई। दूसरी ओर अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसका परिवादी पक्ष से जमीन का झगडा चल रहा है। ऐसे में उसे प्रकरण में फंसाया गया है। इसलिए उसे बरी किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा सुनाई।

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मूल रूप से मणिपुर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे न्यायमूर्ति सिंह अपने राज्य के पहले न्यायाधीश हैं जिन्हें उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया। न्यायमूर्ति महादेवन मूलत: तमिलनाडु उच्च न्यायालय से आते हैं।

'पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत बिजली क्षेत्र में प्रदेश के हितों पर कुठाराघात नहीं करें'

जयपुर, 18 जुलाई (का.सं.)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चरणबद्ध तरीके से राजस्थान को जो सहयोग किया गया है, उस पर विपक्ष द्वारा आदतन झूठ फैला कर प्रदेश की जनता को गुमराह किया जाना अति निंदनीय है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को प्रदेश के हितों पर कुठाराघात करते हुए ओछी राजनीति करने से बाज आना चाहिए।

- **ऊर्जा मंत्री हीरा लाल नागर ने गहलोत पर निम्न स्तर की राजनीति करने का आरोप लगाया।**
- **नागर ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार चरणबद्ध तरीके से सहयोग कर रही है और हमें रोज 9 रैक कोयला मिल रहा है।**

उन्होंने गहलोत से सवाल किया कि उनकी सरकार के समय बिजली क्षेत्र में जनता के हितों का ध्यान क्यों नहीं रखा गया।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि पीईकेबी की 91 हेक्टेयर भूमि की साइट क्लीयरेंस अनुमति 12 दिसम्बर 2023 को दी गई थी, इसमें से 26 हेक्टेयर भूमि 19 जनवरी 2024 को तथा 30 हेक्टेयर भूमि 22 मार्च को राजस्थान सरकार को सौंप दी गई, जिससे प्रति दिन 9 रेक कोयला मिल रहा है और इसके लिए हमने धन्यवाद व्यक्त किया था। शेष 34 हेक्टेयर के लिए भी क्लीयरेंस दे दी गई है, तथा यह जमीन भी जल्द ही प्राप्त हो जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कुछ बिंदु अभी भी लंबित तथा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री अपने बयान में इन्हीं अनुरोधों के पूर्ण न होने की ओर इशारा कर रहे थे।

नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमारा प्रदेश बिजली क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार व राजस्थान सरकार ने मिलकर जन कल्याण में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की है, परंतु अशोक गहलोत राजस्थान में असफल विपक्ष के रूप में मिथ्या प्रचार के माध्यम से प्रदेश में नकारात्मकता का वातावरण निर्मित कर रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि पिछली गहलोत सरकार के समय में राजस्थान विद्युत अभाव के कारण अंधकारग्रस्त रहा। अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल में प्रदेश के हितों को बंधक बनाकर रखा जाता था। प्रदेश की जनता को मिलने वाली बिजली से संबंधित ऐसे समझौते किये गए, जिससे हमें गर्मी में पीक ऑवर में बिजली वापस लौटानी पड़ी । परंतु वर्तमान में जब हमारी सरकार अबाधित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है, तब वे निम्न स्तर की राजनीति का प्रदर्शन कर रहे हैं, जो अशोभनीय, निंदनीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण है।

'नीट-यू.जी. 2024 का पेपर लीक हुआ था यह बात एन.टी.ए. ने स्वीकार की है'

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि हम यह जानना चाहते हैं कि क्या नीट-यू.जी. पेपर लीक उन्हीं केन्द्रों तक सीमित था

नयी दिल्ली, 18 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि स्नातक स्तर के मेडिकल और अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले से संबंधित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) 2024, शुरू होने से पहले इसका पेपर लीक हो गया था, यह बात केन्द्र सरकार ने स्वीकार कर ली है।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ,न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने सुनवाई के दौरान इस बात पर भी जोर दिया कि दोबारा परीक्षा इस ठोस आधार पर होनी चाहिए कि पूरी परीक्षा प्रभावित हुई है। शीर्ष अदालत के समक्ष केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पटना और हजारीबाग में प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने की घटना को स्वीकार करते हुए कहा कि इस मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) की ओर से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने इस मामले में बड़े पैमाने पर किसी प्रकार की अनियमितता से साफ तौर पर इन्कार किया।

पीठ ने केंद्र सरकार, परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और कई याचिकाओं के अधिवक्ताओं की दलीलें विस्तार पूर्वक सुनीं। इसके बाद पीठ नक सभी केंद्रों के अलग-अलग परीक्षा परिणाम शनिवार दिन के 12 तक घोषित करने का आदेश दिया।

- **सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी पेपर लीक के आधार पर नीट परीक्षा दोबारा करवाने की मांग कर रही याचिकाओं की सुनवाई के दौरान की।**

पीठ ने कहा, "पटना और हजारीबाग में प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने की बात स्वीकार की गई है...प्रश्नपत्र प्रसारित किए गए थे। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह केवल उन्हीं केंद्रों तक सीमित था या बड़े पैमाने पर।"

शीर्ष अदालत ने कहा, "विद्यार्थी परेशान हैं, क्योंकि उन्हें परिणाम नहीं पता। हमे केंद्रवार अंकों का पैटर्न देखना चाहिए। हम चाहते हैं कि परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की पहचान उजागर किए बिना सभी परिणाम घोषित किए जाएं।" पीठ ने जांच के मामले में कहा, "वर्तमान में जांच चल रही है। सीबीआई ने जो (अदालत को) बताया, उसे सार्वजनिक होने से जांच प्रभावित होगी।" पीठ ने कहा कि वह सोमवार को सीबीआई और पटना पुलिस की जांच के मामले में गौर करेगी।

पीठ ने याचिकाकर्ताओं में से एक के वकील से यह भी पूछा, "आपको यह दिखाना होगा कि प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने की घटना इतनी व्यवस्थित थी कि इसने पूरी परीक्षा व्यवस्था को प्रभावित किया ताकि पूरी परीक्षा रद्द की जा सके।"

पीठ ने वकील से पूछा, "अगर हम आपकी विस्तृत दलीलों को स्वीकार करते हैं तो हम आपकी सहायता चाहते हैं कि जांच किन बिंदुओं पर होनी चाहिए।" इस पर संबंधित अधिवक्ता ने कहा, "एनटीए ने पूरे नतीजे घोषित नहीं किए, जबकि यूपीएससी सभी परीक्षार्थियों के नतीजे घोषित करता है। कम से कम एनटीए को उन एक लाख लोगों के नतीजे घोषित करने चाहिए, जिन्हें प्रवेश मिलेगा।"

आर.ए.एस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भर्ती से वंचित रह जाएंगे और अपील दायर करने का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि परीक्षा परिणाम घोषित होने और मॉडल उत्तर कुंजी जारी करने के बाद अभ्यर्थियों को अपनी आपत्तियां पेश करने के लिए तीन दिन का समय दिया गया था। वहीं हाईकोर्ट में याचिका दायर करने वाले 569 याचिकाकर्ताओं में से 476 ने तो प्रश्नों पर कोई आपत्ति ही दर्ज नहीं कराई। राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि विशेषज्ञों ने आपत्तियों का निपटारा कर कुछ प्रश्नों को डिलीट किया और उत्तर कुंजी के शेष प्रश्नों के जवाबों को सही माना। ऐसे में अपीलार्थियों को मुख्य परीक्षा में शामिल करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद खंडपीठ ने याचिका को सुनवाई के लिए लंबित रखते हुए अपीलार्थियों को मुख्य परीक्षा में शामिल होने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया है।

'सौ विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा आदित्यनाथ के बीच संबंध कुछ खास अच्छे नहीं हैं। आपसी बातचीत में राज्य के कई भाजपा नेता, जिनमें लोकसभा चुनाव हारने वाले नेता भी शामिल हैं, मुख्यमंत्री के काम करने के तरीके की आलोचना करते रहे हैं और इसे आम चुनावों में पार्टी की हार का कारण बता रहे हैं।

भील प्रदेश की मांग को लेकर मानगढ़ धाम पर उमड़े चार राज्यों के लोग

बांसवाड़ा जिले में मानगढ़ धाम पर भील आदिवासियों का महासम्मेलन हुआ, जिसमें चार राज्यों, राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के भील आदिवासियों ने भाग लिया।

बांसवाड़ा, 18 जुलाई (निसं)। भील प्रदेश की मांग को लेकर चार राज्यों का जनसैलाब शहीदी मानगढ़ धाम पर उमड़ता नज़र आया। इन लोगों ने जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण जैसे मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। सांस्कृतिक महासम्मेलन में भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा के अलावा अन्य आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। महासम्मेलन में सर्वसम्मति से भील प्रदेश की मांग का राजनैतिक प्रस्ताव पारित करते हुए केन्द्र सरकार को भेजे जाने का निर्णय लिया गया। प्रस्ताव में गुजरात के अरवल्ली, महीसागर, दाहोद, पंचमहल, सूरत, बडोदरा, तापी, नवसारी, छोटा उदेपुर, नर्मदा, साबरकांठा, बनासकांठा और भरुच, राजस्थान के बांसवाडा, डूंगरपुर, बाडमेर, जालौर, सिरोही, उदयपुर, झालावाड़, राजसमंद, चित्तौडगढ़ , कोटा, बारां, पाली, मध्य प्रदेश के इंदौर, गुना, शिवपुरी, मंदसौर, नीमच, रतलाम, धार, देवास, खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर, बडवानी, अलीराजपुर तथा महाराष्ट्र के नासिक, ठाणे, जलगांव, धुले, पालघर, नंदुरबार, अलीराजपुर को सम्मिलित करते हुए भील प्रदेश बनाने की मांग की गयी।

- **सांस्कृतिक महासम्मेलन में भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा के अलावा अन्य आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में मौजूद थे।**
- **भीलों ने आबादी के अनुपात में आरक्षण देने की मांग की।**
- **सांसद राजकुमार रोत ने कहा, भील प्रदेश की मांग नई नहीं है, हमारी पार्टी पुरजोर तरीके से यह मांग उठा रही है।**

वक्ताओं ने समाज में विद्वेष फैलाने वाली कई घटनाओं का उल्लेख करते हुए राजनैतिक दलों को आड़े हाथों लिया। पगड़ी उछालने, अमानवीय हरकतें करने जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने कहा कि सर्वसमाज हमारे साथ है। महिला वक्ताओं ने भी सिंदूर, मंगल सूत्र जैसी बातों का उल्लेख करते हुए करतल ध्वनियां बटोरीं। सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि भील प्रदेश की मांग नई नहीं है बीएपी पुरजोर तरीके से यह मांग उठा रही है और इस संबंध में एक प्रतिनिधि मंडल राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से भी मिलेगा।

इन लोगों ने ट्राईबल एरिया में पांचवी अनुसूची लागू करने, जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देने, बेणेश्वर की 80 प्रतिशत भूमि आदिवासियों के नाम करने, जगपुरा भूकिया घाटोल में सोने की खदानों की नीलामी निरस्त करने, जनगणना में आदिवासी धर्म का कॉलम अलग से जोड़ने जैसी मांग की।

आदिवासी परिवार संस्था की संस्थापक सदस्य मेनका डामोर ने कहा कि आदिवासी महिलाएं पंडितों के बताये अनुसार न चलें। आदिवासी परिवार में सिंदूर नहीं लगाते, मंगलसूत्र नहीं पहनते। उन्होंने बालिका शिक्षा पर भी बल दिया। उन्होंने व्रत, उपवास बंद करने और अपने को हिन्दू नहीं मानने की भी बात की। आदिवासी परिवार के संस्थापक भंवरलाल परमार ने दावा किया कि भील प्रदेश की मांग तो समय पर पूरी होगी इसकी एक प्रक्रिया है।

धरियावाद विधायक थावरचंद मीणा ने कहा कि विधानसभा में भी अलग भील प्रदेश बनाने की मांग उठी है। उन्होंने कहा कि चार राज्यों में बोली, संस्कृति, रीति-रिवाज एक हैं, ऐसे में सब मिलकर भील प्रदेश क्यों नहीं बना सकते। संचालन दिनेश खानन, रंगलाल मईडा, राजेश दामा व दिनेश रोत ने किया और हीरालाल दामा व रामलाल निनामा ने आभार व्यक्त किया।

यू.पी. भाजपा ने प्रदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अंसतोष का कारण बने।

लोकसभा चुनाव में सपा ने 37 सीटें जीती, जबकि 2019 चुनाव में सपा को 5 सीटें ही मिली थीं। भाजपा की सीटें 62 से घटकर 32 हो गईं। इन नतीजों ने नेतृत्व को स्तब्ध कर दिया जबकि नेतृत्व को उम्मीद थी कि वर्ष के आरम्भ में भव्य राम मंदिर के निर्माण का इसे फायदा होगा।

पार्टी के अपने डेटा के अनुसार, भाजपा का सबसे खराब प्रदर्शन पश्चिमी व वाराणसी क्षेत्र में रहा, जहां पार्टी 28 में से मात्र 8 सीटें जीत पाई। बृज क्षेत्र में पार्टी ने 13 में से 5 सीटें जीतीं।

गोरखपुर क्षेत्र, जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गढ़ है, में भाजपा 13 में से 6 सीटें ही जीत पाई। वहीं अवध क्षेत्र जिसमें लखनऊ, अयोध्या, फैजाबाद शामिल है, में पार्टी ने 16 में से 7 और रानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र में पार्टी 10 में से 4 सीटें ही जीत पाई।

केन्द्रीय नेताओं ने प्रदेश नेताओं से मतभेद भुलाकर 10 विधानसभा सीटों के उपचुनावों पर ध्यान केन्द्रित करने को कहा है। एक सूत्र ने कहा कि तब तक नेतृत्व में कोई परिवर्तन नहीं होगा। केन्द्रीय नेतृत्व ने हमें विवाद सुलझाने और इस समय कोई शिकायत नहीं करने को कहा है। वरिष्ठ नेता राज्य भर का दौरा करेंगे और जनता व कार्यकर्ताओं से जुड़ने का प्रयास करेंगे।

हाल ही में केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि सरकारी नौकरी में ओ.बी.सी. कोटा भरा जाए। पटेल की पार्टी अपना दल का कुर्मी जाति में दबदबा है। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्थकों का कहना है कि प्रशासन पर मुख्यमंत्री की पूरी पकड़ है, राज्य में कानून व्यवस्था चुस्त और अनुशासन है, जिससे भाजपा को राज्यभर में पकड़ बनाने में मदद दी थी।

योगी खेमे के एक विधायक ने कहा, मुख्य मुद्दा था आलोकप्रिय प्रत्याशियों को पुन: टिकट देना। ऐसा नहीं किया जाना चाहिए था। बाबा की टिकट वितरण में कोई भूमिका नहीं थी। बतौर मुख्यमंत्री सत्ता में लौटकर उन्होंने अपनी लोकप्रियता, ईमानदारी, निष्ठा साबित की है। केन्द्रीय नेतृत्व भी यह मानता है।"

घुसपैठ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिनकी पहचान नहीं की जा सकी है। अभियान अभी जारी है तथा इलाके में कुछ और आतकंवादियों के छिपे होने की आशंका है। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने कहा कि घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक रोक दिया गया है। चिनार कोर ने एक्स पर पोस्ट किया, आज कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में एलओसी पर दो आतंकवादियों को मार गिराने के साथ ही घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक रोक दिया गया है।

गैंगस्टर रोहित गोदारा का साथी अमरजीत विश्नोई इटली से गिरफ्तार

इटली पुलिस ने उसे 8 जुलाई को डिटेन कर लिया था, अब जल्द ही उसे भारत लाया जाएगा

जयपुर, 18 जुलाई। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) की सूचना पर इटली पुलिस ने गैंगस्टर रोहित गोदारा के साथी और राजू ठेहट हत्याकांड के आरोपी, पचास हजार के इनामी गैंगस्टर अमरजीत विश्नोई को सिसली शहर के तरपानी से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान सहित कई राज्यों में "वॉन्टेड" हैं। इसकी तलाश में कई बार राजस्थान पुलिस ने भी छापेमारी की थी। आरोपी बीकानेर में हुई एक घटना के बाद से फरार था। फरारी के दौरान उसने राजू ठेहट हत्याकांड में बदमाशों के साथ हथियारों की भी व्यवस्था की थी। अमरजीत बिश्नोई पर हरियाणा में भी एक मर्डर का आरोप है। वह कुरूक्षेत्र, हरियाणा के वीभत्स, सचिन गोधा हत्या काण्ड में संदिग्ध वांछित है। अब जल्द ही उसे भारत लाया जाएगा।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध और एजीटीएफ दिनेश एमएन ने पुलिस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि उनकी टीम काफी समय से अमरजीत सिंह को ट्रैक कर रही थी और जब उसकी लोकेशन इटली आई तो यह जानकारी विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय को दी गई और इंटर पोल से रैड कॉर्नर नोटिस जारी कराया गया। इसके बाद उसकी लोकेशन एम्बेसी के जरिए इटली पुलिस को दी गई। इटली पुलिस ने उसे 8 जुलाई को डिटेन कर लिया, अब जल्द ही उसे भारत लाया जाएगा।

- **प्रारम्भिक जांच में सामने आया कि आरोपी इटली की नागरिकता के बिना अपने दोस्त के साथ रह रहा था।**
- **गिरफ्तार आरोपी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान सहित कई राज्यों में "वॉन्टेड" है।**

दिनेश एमएन ने बताया कि रोहित गोदारा गैंग का यह विदेश में बैठा सबसे सक्रिय गैंगस्टर है। यह इस गैंग के सदस्यों द्वारा फिरौती के लिए धमकी देने में वीपीएन व बॉक्स कॉल के जरिये विदेश में बैठ कर बातचीत करवाता था।

एजीटीएफ की टीम राजू ठेहट के मामले में फरार चल रहे बदमाशों की तलाश में जुटी हुई थी। इस गैंग में सक्रिय अपराधियों और शरण देने वालों तथा सोशल मीडिया के फॉलोअर्स के मोबाइल का विश्लेषण किया गया। मोबाइल विश्लेषण में रोहित गोदारा गैंग के कुख्यात अमरजीत विश्नोई की लोकेशन इटली में होना सामने आया। इंटर पोल को इस की लोकेशन की जानकरी दी गई।

इसके बाद इटली पुलिस ने इटली के सिसली शहर के तरपानी कस्बे में दबिश देकर अमरजीत सिंह बिश्नोई को पकड़ लिया। इटली पुलिस ने राजू ठेहट हत्याकांड के वांटेड अमरजीत सिंह को सीबीआई के जरिये सौंपा हैं। सीबीआई टीम के जरिए जल्द ही राजस्थान पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ करेगी।

पुलिस जानकारी में सामने आया है कि बीकानेर का रहने वाले अमरजीत सिंह के खिलाफ 8 बड़े मामले हरियाणा, राजस्थान, यूपी व दिल्ली में दर्ज हैं। उस पर मर्डर व डकैती से लेकर लूट और हत्या के प्रयास के मुकदमे हैं। राजू ठेहट हत्याकांड से करीब चार माह पहले ही अमरजीत ने उसकी हत्या की प्लानिंग बना ली थी।

उसे पता था कि अगर हत्याकांड प्लानिंग के अनुसार हो गया तो पुलिस उसका पीछा करेगी।

द्रमुक ने वंशवाद के नारे

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होना एक अग्रिम निष्कर्ष के रूप में ले लिया जायेगा। हाँ, द्रमुक ने यह पहले से ही मान लिया है कि विपक्ष, खास तौर से भाजपा की ओर से इस वंशवादी राजनीति की कड़ी आलोचना की जायेगी, लेकिन तमिलनाडु में, द्रमुक करुणानिधि परिवार का पर्याय हो गई है तथा जनता ने इस परिवार के शासन को कमोबेश स्वीकार भी कर लिया है। उदयनिधि स्टालिन ने चुनाव भी जीता था तथा वे चेन्नई के एक विधानसभा क्षेत्र से विधायक बन गये थे तथा वे उनके पिता स्टालिन के द्वारा ही पार्टी की कमान सँभालने के लिये तैयार किए जा रहे हैं। ज्ञातव्य है कि स्वयं एम.के. स्टालिन ने भी अपने पिता करुणानिधि से लम्बे समय तक राजनैतिक प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

उदयनिधि, जो इस समय खेल और युवा मामलों के मन्त्री हैं, को कार्यक्रम-क्रियान्वयन (प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन) का प्रभार और दे दिया जायेगा। इस मन्त्रालय के मन्त्री हो जाने से उन्हें सरकार के सभी विभागों पर नजर रखने का अवसर मिलेगा तथा वे पूरे तमिलनाडु के प्रत्येक विभाग एवं गतिविधि पर नजर रख सकेंगे।

'कांवड़ियों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में कुछ झगड़े हो चुके हैं। मुजफ्फरनगर के एस.एस.पी अभिषेक सिंह ने इस मामले में कहा कि ये निर्देशात्मक आदेश हर व्यक्ति की सुरक्षा के मद्देनजर जारी किए गए हैं। हालांकि, राजनीतिज्ञ उनकी इस बात से सहमत नहीं है। ए.आई.एम.आई.एम. के अध्यक्ष व हैदराबाद से पार्टी के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस कदम को दक्षिण अफ्रीका में किए गए नस्लीय भेदभाव के साथ तथा हिटलर के जर्मनी में यहूदी व्यापारियों के बहिष्कार की घटना से जोड़ कर देखा जाना चाहिए।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने इस आदेशात्मक कदम को "सामाजिक अपराध" की संज्ञा दी है। अखिलेश यादव ने कोर्ट से आग्रह किया है कि वह इस मामले में स्वत: संज्ञान ले तथा इस आदेश के पीछे सरकार के इरादे की जांच कराए और उचित दंडात्मक कार्यवाही करे।"

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने आलोचना करते हुए कहा कि ये तथाकथित निर्देश साम्प्रदायिक एकता की स्थिति, जो समाज के वर्गों व समुदायों में विद्यमान है, को भंग करने के लिए जारी किए गए हैं। दारुल उलूम के प्रवक्ता मौलाना सुफियान निज़ामी ने कहा "इस प्रकार का सांप्रदायिक पक्षपात गलत है और इस मुद्दे पर ऐसी राजनीति नहीं करनी चाहिए।" उन्होंने यह भी कहा कि मुस्लिम लोग कांवड़ तीर्थ यात्रियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करते हैं और जब ताज़िए निकाले जाते हैं तो हिन्दू भाई भी सहयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि "आज जरुरत इस बात की है कि भाईचारा बनाए रखा जाना चाहिए।"

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600